नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15

अंक : 13

सोमवार, 12 से 18 मई 2025

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

अगले दो महीनों में दिल्ली की सड़कों पर उपलब्ध होंगी 500 इलेक्ट्रिक बसें 03

ट्रंप के कारण फेल होती दिख रही रूस-यूक्रेन शांति वार्ता 08

NCR समाचार

बिना रोहित-विराट के इंग्लैंड में भारत की अग्नि परीक्षा 10

बच्चों के साथ बिताएं अपना वीकएंड 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in BY C.R.O. TEAM twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

राजकुमार राव की पत्नी कहलाना पत्रलेखा को नहीं पसंद 12

आतंकवाद को जड़ से खत्म कर देंगे हम: राजनाथ

❍ ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ ❍ हमारी कार्रवाई तो बस एक ट्रेलर थी, अगर जरूरत पड़ी तो हम पूरी तस्वीर दिखाएंगे

- भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई उसके व्यवहार के आधार पर स्थगित की
- अगर पाकिस्तान के व्यवहार में सुधार होता है तो अच्छी बात है, लेकिन अगर कोई गड़बड़ी होती है तो कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी

भुज, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को गुजरात के भुज एयरफोर्स स्टेशन पर वायुसैनिकों को संबोधित करते हुए कहा, आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई सिर्फ सुरक्षा का मामला नहीं है, यह अब राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत का हिस्सा बन गया है और हम आतंकवाद के हर स्वरूप को जड़ से खत्म कर देंगे।

श्री सिंह ने कहा कि मौजूदा युद्धविराम का मतलब है कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई उसके व्यवहार के आधार पर स्थगित की है। उन्होंने कहा कि अगर उसके व्यवहार में सुधार होता है तो अच्छी बात है, लेकिन अगर कोई गड़बड़ी होती है तो कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, हमारी कार्रवाई तो बस एक ट्रेलर थी, अगर जरूरत पड़ी तो हम पूरी तस्वीर दिखाएंगे। आतंकवाद पर हमला करना और उसे खत्म करना नए भारत की नई सामान्य बात है।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत द्वारा नष्ट किए गए आतंकी ढांचे का पाकिस्तान ने फिर से निर्माण शुरू कर दिया है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से इसे दी जाने वाली एक अरब डॉलर की सहायता पर पुनर्विचार करने और भविष्य में भी कोई सहायता न देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, पाकिस्तान अपने नागरिकों से एकत्र किए गए कर को जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादी संगठन के प्रमुख मसूद अजहर को लगभग 14 करोड़ रुपये देने में खर्च करेगा, जिसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकवादी नामित किया है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सरकार ने मुरीदके और बहावलपुर में स्थित लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए वित्तीय सहायता की भी घोषणा की है। आईएमएफ की एक अरब डॉलर की सहायता का एक बड़ा हिस्सा आतंकी ढांचे के वित्तपोषण के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। क्या इसे एक अंतरराष्ट्रीय संगठन आईएमएफ द्वारा अप्रत्यक्ष वित्तपोषण नहीं माना जाएगा? पाकिस्तान को दी जाने वाली कोई भी वित्तीय सहायता आतंकी वित्तपोषण से कम नहीं है। भारत द्वारा आईएमएफ को दी जाने वाली धनराशि का उपयोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान या किसी अन्य देश में आतंकी ढांचा बनाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की प्रभावी भूमिका की सराहना की। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी शिविरों को सिर्फ 23 मिनट में खत्म करने के लिए वायु सेना के जांबाजों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, "जब दुश्मन के इलाके में मिसाइलें गिराई गईं, तो दुनिया ने भारत की वीरता और पराक्रम की गूंज सुनी।" उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस अभियान का नेतृत्व भारतीय वायुसेना ने किया और ऑपरेशन के दौरान इसने सिर्फ दुश्मनों पर हावी होकर उन्हें खत्म कर दिया।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत के लड़ाकू विमान सीमा पार किए बिना पाकिस्तान के हर कोने पर हमला करने में सक्षम हैं।

ऑपरेशन सिंदूर' आतंकवाद के खिलाफ भारत की लाल रेखाः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

भुज। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुजरात के भुज एयर बेस से भारतीय वायुसेना के जवानों को संबोधित करते हुए पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को एक बार फिर चेताया और कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है। जो कुछ भी हुआ, वह सिर्फ एक ट्रेलर मात्र था। जब सही समय आएगा, हम पूरी पिक्चर भी दुनिया को दिखाएंगे। रक्षा मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सेना को सफलता की बधाई देते हुए कहा कि मैं बस इतना कहूंगा कि आपके पराक्रम ने यह दिखा दिया कि यह वो सिंदूर है, जो श्रृंगार का नहीं, बल्कि शौर्य का प्रतीक है। यह वो सिंदूर है, जो सौंदर्य का नहीं, बल्कि संकल्प का प्रतीक है। यह सिंदूर, खतरे की वह लाल लकीर है, जो भारत ने अब आतंकवाद के माथे पर खींच दी है। मैं इस अवसर पर, आप सभी के साथ-साथ, देश की जनता का भी आभार प्रकट करता हूं। भारत की जनता ने, एकजुटता और समझदारी का परिचय देते हुए, आपका सहयोग किया। इस लड़ाई में न केवल सरकार, आर्म्ड फोर्सेज और सुरक्षाबल एकजुट थे, बल्कि भारत का हर नागरिक, एक सिपाही की तरह इसमें भागीदार बना। उन्होंने कहा कि हम, हमारे आराध्य श्रीराम के उस मार्ग का अनुसरण करते हुए आगे बढ़ रहे हैं, जिसमें वह आसुरी शक्तियों के विनाश का प्रण लेते हैं। निसिचर हीन करउँ महि, भुज उठाइ पन कीन्ह ।ह्व अर्थात जिस प्रकार भगवान राम ने, अपनी भुजाओं को उठाकर, धरती को राक्षस विहीन करने का प्रण लिया था। ठीक उसी प्रकार, प्रभु श्री राम के आदर्शों का पालन करते हुए, हमने भी आतंकवाद को, जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, "आपने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी बुनियादी ढांचे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की है लेकिन, पाकिस्तान इस कोशिश में लग गया है कि ध्वस्त हुए आतंकी ढांचे को फिर से खड़ा किया जाए। वहां की सरकार पाकिस्तानी आम लोगों से लिया गया टैक्स जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी जैसे मसूद अजहर को करीब 14 करोड़ रुपए देने में खर्च करेगी। जबकि वह यूएन से आतंकी घोषित हो चुका है। पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से प्राप्त धन का एक बड़ा हिस्सा अपने देश में आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर खर्च करेगा, ऐसा मेरा मानना है। भारत चाहता है कि आईएमएफ पाकिस्तान को दिए जाने वाले वित्त पोषण पर पुनर्विचार करे, और आगे भी किसी भी तरह की सहायता देने से आईएमएफ परहेज करे।"

एक नजर

परमाणु शक्ति दिवस पर राहुल गांधी ने किया इंदिरा गांधी को याद

नई दिल्ली। राजस्थान के पोकरण से 18 मई को ठीक 51 साल पहले दुनिया को भारत के परमाणु संपन्न होने का आभास हुआ था। 18 मई 1974 को ऑपरेशन 'स्माइलिंग बुद्धा' ने भारत को परमाणु ताकत वाले देशों की श्रेणी में ला खड़ा किया था। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक तस्वीर साझा कर उस उपलब्धि को नमन किया है। राहुल ने सोशल प्लेटफॉर्म फेसबुक पोस्ट में देश की पहली महिला प्रधानमंत्री को याद किया और उन अथक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने लिखा- "श्रीमती इंदिरा गांधी के दूरदर्शी और निर्णायक नेतृत्व में, भारत ने 51 साल पहले राजस्थान के पोकरण में अपना पहला परमाणु परीक्षण, 'ऑपरेशन स्माइलिंग बुद्धा' किया था।" उन्होंने उन हीरोज को याद किया जिनकी काबिलियत के बूते भारत दुनिया के छह परमाणु संपन्न राष्ट्रों में शामिल हो गया। उन्होंने आगे लिखा- "मैं उन प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों और शोधकताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं जिनके समर्पण ने इसे संभव बनाया। उनकी विरासत आज भी जीवित है, जो पीढ़ियों को तकनीकी उन्नति करने और भारत की सामरिक क्षमताओं को मजबूत करने के लिए प्रेरित करती है।" बता दें, इस परमाणु परीक्षण को सफल बनाने में एक दशक से भी ज्यादा का समय लगा था। देश के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों की अथक मेहनत के बल पर दुनिया हमारी अहमियत समझ पाई थी। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में शामिल अमेरिका, रूस, फ्रांस, यूके, चीन ही परमाणु ताकत से संपन्न थे।

हिंदुस्तान आतंकवाद को तबाह करेगा: नवनीत राणा

अमरावती। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद महाराष्ट्र के अमरावती में आयोजित तिरंगा यात्रा में भाजपा नेता नवनीत राणा ने पाकिस्तान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान ने आतंकवाद को पनाह देना नहीं रोका तो हिन्दुस्तान ने भी ठान लिया है कि पाक प्रायोजित आतंकी ढांचे को नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा।

रविवार को मीडिया से बातचीत करते हुए नवनीत राणा ने कहा कि पाकिस्तान ने भारत में हिन्दू-मुस्लिम के बीच झगड़े कराने के मकसद से पहलगाम में आतंकी घटना को अंजाम दिया और हमारे निर्दोष लोगों की उनके धर्म के आधार पर गोली मारकर हत्या कर दी। आज मैं पाकिस्तान को बताना चाहती हूं कि हिंदुस्तान में रहने वाला हर नागरिक हिन्दुस्तानी है और हम हिन्दुस्तानी जब किसी का विरोध करते हैं तो आखिरी सांस तक दम नहीं लेते, जब तक कि विरोधी समाप्त न हो जाए। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत में लोगों को धर्म के आधार पर बांटने की पाकिस्तान की साजिश फेल हुई। भारत में रहने वाले सभी धर्मों के लोग एकजुट हैं और पीएम मोदी के साथ हैं। पीएम मोदी आतंकवाद को तबाह करने के लिए जो भी फैसले लेंगे पूरा देश उनके साथ है। भाजपा नेता ने आगे पाकिस्तान को लेकर कहा कि पाकिस्तान को यह नहीं भूलना चाहिए कि उसका वजूद भारत की वजह से है। इसलिए, पहलगाम आतंकी हमले के बाद हर भारतवासी में गुस्सा है। अभी तो ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया गया है। अगर नहीं सुधरे तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो। देशभर में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है।

भारतीय सेना ने दी स्पष्टता: भारत-पाक सीजफायर बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना ने उन अफवाहों का खंडन कर दिया है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर खत्म हो रहा है। भारतीय सेना ने कहा कि यह महज बस अफवाह है और सीजफायर खत्म नहीं हो रहा है।

भारतीय सेना ने कुछ मीडिया हाउस के इस दावे का खंडन किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर रविवार को समाप्त हो रहा है। इसके अलावा, भारतीय सेना ने भारत और पाकिस्तान के बीच कथित तौर पर डीजीएमओ स्तर की वार्ता पर भी स्पष्टीकरण दिया है।

भारतीय सेना की ओर से रविवार को कहा गया है कि कुछ मीडिया हाउस में यह रिपोर्ट चल रही है कि आज भारत-पाक सीजफायर खत्म हो रहा है। जबकि, ऐसा नहीं है। ऐसी खबरें पूर्ण रूप से गलत हैं। वहीं, डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) स्तर की बातचीत पर सेना ने कहा कि आज कोई बातचीत निर्धारित नहीं की गई है। सेना ने साफतौर पर स्पष्ट रूप से कहा है कि 12 मई को भारत-पाक के डीजीएमओ के बीच जो सीजफायर को लेकर बातचीत हुई, उसमें कोई समाप्ति तिथि निर्धारित नहीं की गई है। यानी यह अनिश्चित काल तक जारी रहेगा। ज्ञात हो कि भारत-पाक के सीजफायर को लेकर कुछ मीडिया संस्थानों की ओर से खबरें चलाई गई कि आज भारत-पाक के डीजीएमओ स्तर की बातचीत होनी है और इसका मुख्य उद्देश्य भारत-पाक के सीजफायर खत्म होने को लेकर है। हालांकि, भारतीय सेना ने इन सभी खबरों को झूठा करार दिया है। बता दें कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में ऑपरेशन सिंदूर चलाकर 9 आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। इसके बाद पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया। बॉर्डर से सटे शहरों को निशाना बनाकार ड्रोन और मिसाइल दागे गए। लेकिन, भारतीय डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के सभी ड्रोन और मिसाइल को हवा में ही नाकाम कर दिया।

आरसीपी की पार्टी का जनसुराज में विलय

पटना, एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने रविवार को अपनी पार्टी आप सबकी आवाज (आसा) का जनसुराज में विलय कर दिया और बेहतर बिहार के निर्माण के लिए जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर के साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

श्री सिंह ने रविवार को यहां अपने समर्थकों के साथ श्री किशोर की मौजूदगी में अपनी पार्टी आसा का जनसुराज में विलय करने की घोषणा की। श्री किशोर और श्री सिंह दोनों ने अपराध, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता से मुक्त बिहार के निर्माण के लिए काम करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस अवसर पर श्री किशोर ने याद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार उनसे जनता दल यूनाइटेड (जदयू) का इस तरह विस्तार करने को कहा था कि अपराध, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता के लिए कोई जगह न हो। उन्होंने कहा, "जदयू अब वह पार्टी नहीं है जो कभी मुख्यमंत्री श्री कुमार के गतिशील नेतृत्व में थी क्योंकि श्री कुमार की शारीरिक और मानसिक क्षमता इतनी कम हो गई है कि वह खुद कोई निर्णय नहीं ले पा रहे हैं, जिसके बाद उनके करीबी चार मंत्रियों ने पार्टी को हाईजैक कर लिया है।"

जनसुराज के सूत्रधार ने जदयू कार्यकताओं से जन सुराज में शामिल होने का आह्वान किया और कहा कि जदयू के कार्यकर्ता ईमानदार और प्रतिबद्ध हैं।

श्री सिंह ने श्री किशोर की सराहना की और याद दिलाया कि कैसे दोनों ने वर्ष 2015 में महागठबंधन की जीत और उसकी सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि महागठबंधन ने बिहार में भाजपा की जीत की लय को रोक दिया था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, "श्री किशोर बेहतर बिहार बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं और यह उनकी पार्टी के जन सुराज में विलय के बाद जल्दी ही हासिल हो सकता है और दोनों इसके लिए मिलकर काम करेंगे।" उन्होंने कहा कि यह निश्चित है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन में बिहार के विकास के लिए कोई विचार नहीं है और उनका ध्यान गुजरात पर है।

श्री सिंह ने जोर देकर कहा, "प्रति व्यक्ति आय का राष्ट्रीय औसत दो लाख रुपये है जबकि बिहार में यह सिर्फ 60 हजार रुपये है और भारत के वर्ष 2047 तक विकसित देश बनने के बाद भी यह अंतर बना रहेगा, जैसा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी दावा कर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि उन्होंने बिहार में सोना सहित विशाल खनिज संसाधनों के दोहन के लिए मुख्यमंत्री श्री कुमार को कई सुझाव दिए थे, लेकिन उन्होंने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) ने अपनी रिपोर्ट में बिहार में खनिजों के विशाल संसाधनों के बारे में बताया था, लेकिन नीतीश कुमार सरकार इसे दोहन करने के लिए कदम उठाने में उदासीन थी।

मायावती ने भतीजे पर फिर जताया विश्वास

आकाश को बनाया बसपा का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर

नई दिल्ली, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने एक बार फिर भतीजे आकाश आनंद को पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी दी है। मायावती ने आकाश आनंद पर भरोसा जताते हुए फिर बसपा का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसको लेकर एक बयान भी जारी किया है।

इस बयान में बताया गया है कि बसपा अध्यक्ष मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया है, साथ ही उन्हें देश में पार्टी के आगे के कार्यक्रम भी दिए गए। उम्मीद है कि इस बार वह पार्टी और मूवमेंट के हित में, हर प्रकार की सावधानी बरतते हुए, पार्टी को मजबूत बनाने में अपना सराहनीय योगदान देंगे।

बयान में आगे बताया गया है कि पार्टी सुप्रीमो मायावती ने रविवार को बसपा ऑल इंडिया की हुई एक अहम बैठक में देशभर में संगठन की मजबूती और जनाधार को सर्वसमाज में बढ़ाने के लिए दिए गए कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा करने के साथ ही 22 अप्रैल को घटित हुए पहलगाम आतंकी हमले के संदर्भ में पाकिस्तान के विरुद्ध 'ऑपरेशन सिंदूर' की गौरवमय सैनिक कार्रवाई के लिए भारतीय सेना की सराहना की।

उन्होंने कहा कि जन और देशहित को प्रभावित होने से बचाने के लिए सरकार द्वारा अपराध नियंत्रण की तरह आतंकी-निरोधक उपाय भी जरूरी हैं, ताकि सुहागों को उजड़ने से बचाने का दायित्व निभाया जा सके और इस क्रम में पाकिस्तान द्वारा परमाणु धमकी या ब्लैकमेलिंग को नहीं सहने की भारत सरकार की चेतावनी उचित कदम है। साथ ही, कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका और अन्य किसी भी तीसरे पक्ष की दखल को स्वीकार नहीं करने की राष्ट्रीय सहमति पर सख्ती से अमल करते रहना जरूरी है क्योंकि इस खास मुद्दे पर भी देश को अपने अलावा किसी और पर भरोसा नहीं करना चाहिए, तो यह बेहतर होगा।

बसपा केंद्रीय कार्यालय 29 लोधी एस्टेट में ऑल इंडिया की हुई बड़ी बैठक को संबोधित करते हुए मायावती ने आतंकी घटनाओं को विकास में बाधक बताते हुए कहा कि पहलगाम आतंकी हमले की चुनौतियों से निपटने के मामले में सेना और पूरे देश ने जो परिपक्वता दिखाई है, उसका नतीजा है कि पाकिस्तान को उसकी भाषा में सेना ने सबक सिखाया है और आगे ऐसा नहीं करने के लिए कड़ी चेतावनी भी दी जा रही है। ऐसे में यह केंद्र सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह अपने सुरक्षा उपायों से देश में घातक आतंकी घटनाएं अब किसी भी कीमत पर आगे नहीं होने दे। इसके साथ ही, उन आपराधिक जातिवादी और सांप्रदायिक तत्वों पर भी जरूर लगाम लगाएं, जो अपनी संकीर्ण, घृणित और विषैली भाषा और हरकतों से देश में शांति और आपसी भाईचारे के माहौल को जानबूझकर प्रदूषित करने में लगे रहते हैं।

उन्होंने कहा कि पहले विदेश सचिव और फिर उसके बाद सेना की वरिष्ठ महिला अफसर को लेकर मध्य प्रदेश के एक वरिष्ठ मंत्री द्वारा की गई संकीर्ण सोच वाली अशोभनीय टिप्पणी ऐसी प्रवृत्तियां हैं, जिनको पार्टी स्तर पर भी सख्ती के साथ निपटना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के स्वतः संज्ञान लेकर राज्य के उक्त वरिष्ठ मंत्री के खिलाफ पुलिस एफआईआर दर्ज कराकर कानून का राज स्थापित करने के प्रयास का स्वागत है। भाजपा की ओर से इस संबंध में मंत्री के खिलाफ जरूरी एक्शन का अभी भी पूरे देश को इंतजार था और रहेगा। इसी को लेकर सपा के वरिष्ठ नेता द्वारा भी सेना को जाति में आंकने व बांटने का प्रयास अति दुखद, दुर्भाग्यपूर्ण व निंदनीय है।

2029 तक देश की हर पंचायत में पैक्स की स्थापना : अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद में गुजरात राज्य सहकारी संघ के 'विकसित भारत के निर्माण में सहकारिता की भूमिका' पर आयोजित महासम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने त्रिभुवन कोऑपरेटिव यूनिवर्सिटी की स्थापना की है, जो राष्ट्रीय स्तर पर काम करेगी। देश के हर राज्य में सहकारिता से जुड़े सभी क्षेत्रों में कोऑपरेटिव के कॉन्सेप्ट के साथ पढ़ने की व्यवस्था बनाई गई है।

उन्होंने कहा कि जब तक हम प्राथमिक कृषि ऋण समिति (पैक्स) को मजबूत नहीं करते तब तक सहकारी ढांचा मजबूत नहीं हो सकता है, इसीलिए मोदी सरकार ने 2029 तक देश की हर पंचायत में पैक्स की स्थापना का निर्णय लिया है। इस फैसले के अंतर्गत 2 लाख नई पैक्स और डेयरी रजिस्टर्ड की जाएंगी। सरकार ने विभिन्न प्रकार की लगभग 22 गतिविधियों को पैक्स के साथ जोड़ने का काम किया है। सरकार जल्द ही लिक्विडेशन में गई पैक्स के निपटारे और नए पैक्स के लिए भी नीति लेकर आने वाली है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के तौर पर मनाने का निर्णय लिया है।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
8888883968
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी के सामने दुश्मन संघर्षविराम करने को मजबूर हुआ

जम्मू-कश्मीर के एलजी ने एलओसी पर तैनात सैन्य कर्मियों को किया संबोधित

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि पड़ोसी देश में ऐसा कुछ भी नहीं है जो भारतीय सशस्त्र बलों की पहुंच से बाहर हो। सिन्हा ने यह टिप्पणी एलओसी पर तैनात सैन्य कर्मियों को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया ने भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी देखी है और फिर दुश्मन संघर्षविराम के लिए पूरी दुनिया के सामने गिड़गिड़ाया है। पाकिस्तान में ऐसा कुछ भी नहीं है जो भारतीय सेना की पहुंच से बाहर हो।

एलजी सिन्हा ने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा पर प्रकाश डाला और कहा कि दुश्मन कर्ज के दम पर मानवता को नष्ट कर रहा है। मुझे लगता है कि हमारे वीर सैनिकों द्वारा दिए गए जवाब से उन्हें सबक मिल गया होगा। मैं आपकी वीरता, पराक्रम और मां भारती के प्रति आपकी भक्ति

को नमन करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि जब भी ऐसा संकट आए, तो लोगों को पता चले कि हमारा देश आप जैसे वीरों के सुरक्षित हाथों में है।

एलजी ने सेना और पुलिस कर्मियों के साथ जमीनी स्तर पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि देश सतर्कता, समर्पण, बहादुरी और सर्वोच्च बलिदान के साथ जीवन की रक्षा करने और हमारी सीमाओं की रक्षा करने के लिए सशस्त्र बलों का आभारी है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा यकीन है कि हमारे जवान दुश्मन के किसी भी दुस्साहस का डटकर सामना करेंगे। बाद में सिन्हा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सेना और पुलिस अधिकारियों के साथ जमीनी स्तर पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। तंगधार में हमारे बहादुर जवानों से बातचीत की। वे देश की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ डटे हैं। सिन्हा ने तंगधार सेक्टर में सीमा क्षेत्र का दौरा किया और पाकिस्तान द्वारा भारी गोलाबारी से हुए नुकसान का आकलन किया।

हिंदुस्तान आतंकवाद को तबाह करेगा: नवनीत राणा ने दी पाकिस्तान को दो टूक चेतावनी

अमरावती। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद महाराष्ट्र के अमरावती में आयोजित तिरंगा यात्रा में भाजपा नेता नवनीत राणा ने पाकिस्तान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान ने आतंकवाद को पनाह देना नहीं रोका तो हिन्दुस्तान ने भी ठान लिया है कि पाक प्रायोजित आतंकी ढांचे को नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा। रविवार को मीडिया से बातचीत करते हुए नवनीत राणा ने कहा कि पाकिस्तान ने भारत में हिन्दू-मुस्लिम के बीच झगड़े कराने के मकसद से पहलगाम में आतंकी घटना को अंजाम दिया और हमारे निर्दोष लोगों की उनके धर्म के आधार पर गोली मारकर हत्या कर दी। आज मैं पाकिस्तान को बताना चाहती हूं कि हिंदुस्तान में रहने वाला हर नागरिक हिन्दुस्तानी है और हम हिन्दुस्तानी जब किसी का विरोध करते हैं तो आखिरी सांस तक दम नहीं लेते, जब तक कि विरोधी समाप्त न हो जाए। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत में लोगों को धर्म के आधार पर बांटने की पाकिस्तान की साजिश फेल हुई। भारत में रहने वाले सभी धर्मों के लोग एकजुट हैं और पीएम मोदी के साथ हैं। पीएम मोदी आतंकवाद को तबाह करने के लिए जो भी फैसले लेंगे पूरा देश उनके साथ है। भाजपा नेता ने आगे पाकिस्तान को लेकर कहा कि पाकिस्तान को यह नहीं भूलना चाहिए कि उसका वजूद भारत की वजह से है। इसलिए, पहलगाम आतंकी हमले के बाद हर भारतवासी में गुस्सा है। अभी तो ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया गया है। अगर नहीं सुधरे तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो। देशभर में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है।

सऊदी अरब में फंसे बिहार-यूपी और बंगाल के 400 मजदूर

-पीएम और सीएम से लगाई वतन वापसी की गुहार

गोपालगंज (एजेंसी)। सऊदी अरब के यानबू स्थित सेंडन इंटरनेशनल कंपनी लिमिटेड में काम कर रहे बिहार और उत्तर प्रदेश के 400 से अधिक श्रमिक गंभीर संकट में हैं। इनमें गोपालगंज, सीवान, छपरा समेत विभिन्न जिलों के मजदूर शामिल हैं। श्रमिकों का आरोप है कि कंपनी ने पिछले 8 माह से उन्हें वेतन और ठीक से भोजन नहीं दिया है। इतना ही नहीं उन्हें घर लौटने की भी अनुमति नहीं दी जा रही है। अब इन मजदूरों ने वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से वतन वापसी की अपील की है। जानकारी के अनुसार इन श्रमिकों ने भारतीय दूतावास से भी मेल और फोन के माध्यम से कई बार संपर्क किया, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है। मजदूरों का कहना है कि अगर जल्द मदद नहीं मिली तो उनकी स्थिति और खराब हो सकती है। बताया गया कि सेंडन इंटरनेशनल एक निर्माण और संबद्ध सेवाओं की कंपनी है, जो तेल, गैस, उर्वरक, बिजली और परिवहन जैसे क्षेत्रों में काम करती है। कंपनी की स्थापना 1994 में हुई थी और इसका मुख्यालय यानबू, सऊदी अरब में है। फंसे हुए मजदूरों में गोपालगंज के धमपाकड़ गांव के राजकिशोर कुमार, भगवानपुर एकडंगा गांव के बलिंदर सिंह, फतेहपुर दीघा के दिलीप कुमार चौहान, राजेंद्र नगर मोहल्ले के शैलेश कुमार चौहान, बालेपुर बथुआ बाजार के ओमप्रकाश सिंह, सीवान के उमेश साह, रवि कुमार, राजीव रंजन और हरिंदर चौहान शामिल हैं। सभी ने सरकार से जल्द राहत की गुहार लगाई है। इनके परिजनों ने जिलाधिकारी और गोपालगंज के सांसद डॉ आलोक कुमार सुमन को भी आवेदन देकर मदद की गुहार लगाई है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें झारखंड से वापस भेजने को विशेष बल गठित करे सरकार : चंपई

रांची (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने रविवार को हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली राज्य सरकार से बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें राज्य से निर्वासित करने के लिए एक विशेष कार्य बल बनाने का आग्रह किया। चंपई सोरेन ने दावा किया कि बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण झारखंड की जनसांख्यिकी तेजी से बदल रही है, जो आदिवासी समुदायों के अस्तित्व के लिए खतरा है। चंपई सोरेन ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं देश में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ लड़ाई में निर्णायक कदम उठाने के लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद देता हूं। अब, मैं राज्य सरकार से झारखंड से बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें निर्वासित करने के लिए एक कार्य बल गठित करने का आग्रह करता हूं।' उन्होंने दावा किया कि राज्य, विशेष रूप से आदिवासी बहुल संथाल परगना और कोल्हान क्षेत्रों की जनसांख्यिकी 'घुसपैठियों के कारण बदल रही है'। चंपई सोरेन ने कहा, 'मैंने लगातार इस मुद्दे और धर्म परिवर्तन के खिलाफ अपनी आवाज उठाई है लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाला सत्तारूढ़ गठबंधन इन गंभीर मामलों पर चुप है। घुसपैठिए आदिवासियों और मूल निवासियों को उनके अधिकारों से वंचित कर रहे हैं।'

अब आईआईटी बॉम्बे ने तुर्की का बहिष्कार किया, विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन किया रद्द

मुंबई (एजेंसी)। भारत में तुर्की के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला जारी है। देश में हर तुर्की उत्पाद का बहिष्कार किया जा रहा है। भारत से तुर्की को संगमरमर और सेब का व्यापार बंद करने की घोषणा के बाद देश के कई बड़े संगठनों ने भी तुर्की के साथ अपने अनुबंध रद्द कर दिए हैं। आईआईटी बॉम्बे भी इस सूची में शामिल हो गया है। आईआईटी मुंबई ने तुर्की विश्वविद्यालयों के साथ सभी समझौते रद्द कर दिए हैं। यह निर्णय तुर्की और भारत के बीच वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। आईआईटी बॉम्बे ने कहा है कि तुर्की के साथ शैक्षणिक सहयोग अगली सूचना तक निलंबित रहेगा। आईआईटी बॉम्बे ने छात्रों और शिक्षकों से तुर्की से संबंधित किसी भी आदान-प्रदान या शोध कार्यक्रम के बारे में आधिकारिक जानकारी निलंबित कर दी है। इससे पहले आईआईटी रुड़की, जेएनयू और जामिया मिलिया इस्लामिया जैसे संस्थानों ने भी तुर्की संस्थानों के साथ अपना सहयोग समाप्त कर दिया है। आईआईटी बॉम्बे के अधिकारियों का कहना है कि यह निर्णय देश की सुरक्षा और हितों को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से लिया गया है। मालूम हो कि तुर्की पर पाकिस्तान की सैन्य सहायता देने का आरोप है, जिसके कारण पूरे भारत में इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और पूरे देश में तुर्की का बहिष्कार अभियान चलाया जा रहा है।

ग्वालियर हाईकोर्ट में बाबा साहेब की मूर्ति को लेकर हुआ विवाद : वकीलों और भीम आर्मी कार्यकर्ताओं में झड़प, पुलिस तैनात

ग्वालियर(एजेंसी)। ग्वालियर हाईकोर्ट बेंच परिसर में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्ति स्थापना को लेकर शनिवार को तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। मूर्ति लगाने की मांग को लेकर पहुंचे भीम आर्मी कार्यकर्ताओं और वकीलों के बीच कहासुनी हाथापाई तक पहुंच गई। देखते ही देखते हाईकोर्ट परिसर रणभूमि में बदल गया, जिससे कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद के दौरान एक वकील ने भीम आर्मी के एक कार्यकर्ता के साथ मारपीट की, जिसके बाद वहां मौजूद अन्य कार्यकर्ताओं और वकीलों के बीच धक्का-मुक्की और नारेबाजी शुरू हो गई। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस बल को तुरंत मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने परिसर को खाली कराया और स्थिति को नियंत्रण में लिया। बताया जाता है कि कुछ वकील जहां बाबा साहेब की मूर्ति स्थापना का समर्थन कर रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ बार एसोसिएशन का एक वर्ग कह रहा है कि न्यायालय परिसर को राजनीतिक और वैचारिक मुद्दों से दूर रखना चाहिए।

गिरिराज सिंह का आरोप- कांग्रेस को देशहित से नहीं, सिर्फ सत्ता से मतलब

बेगूसराय (एजेंसी)। आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को स्पष्ट करने के लिए सांसदों का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश जाएगा। आतंकवाद पर भारत के वैश्विक आउटरीच प्रतिनिधिमंडलों में कांग्रेस सांसद शशि थरूर को शामिल किए जाने को लेकर कांग्रेस से ही आवाज उठाए जाने लगी है।

इस बीच केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश की वह पार्टी बनकर रह गई है जिसके अंदर सकारात्मक देशहित पर कोई जुबान ही नहीं खुलती। कोई सकारात्मक राजनीति हो, पॉजिटिव राजनीति हो ये चुप रहते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस केवल निगेटिव राजनीति करती है। देश के बाहर भी ये भारत को बदनाम करते हैं। अब विदेशों में प्रतिनिधिमंडल जा रहा है और उसमें अगर शशि थरूर हैं तो इसमें राजनीति किस बात की है? शशि थरूर भी कांग्रेस के ही हैं। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई इसमें दिखती है। कांग्रेस के अंदर अंदरूनी लोकतंत्र भी नहीं है और यह घटिया राजनीति पर उतर आई है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि पाकिस्तान आज आतंकी देश बनकर रह गया है। भारत की सेना के शौर्य ने यह दिखा दिया है कि इस आतंकी देश को बर्बाद होने से कोई रोक नहीं सकता है। लेकिन भारत का जो दुश्मन देश पाकिस्तान है, उसका जो साथ देता है, उसके प्रति भी देश की जनता में आक्रोश है। चाहे कोई भी देश हो, दुश्मन की मदद करने वाला देश भारत का हितकर नहीं हो सकता है, तुर्की हो या जो भी हो।

केंद्र सरकार ने विदेश जाने वाले सात सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों में शामिल सभी सदस्यों के नाम तय कर दिए हैं। ये प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों और अन्य प्रमुख साझेदार देशों का दौरा करेंगे और देश की आतंकवाद विरोधी नीति, सैन्य कार्रवाइयों और ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देंगे।

भतीजे पर एक बार फिर भरोसा, मायावती ने आकाश आनंद को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने एक बार फिर भतीजे आकाश आनंद को पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी दी है। मायावती ने आकाश आनंद पर भरोसा जताते हुए फिर बसपा का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसको लेकर एक बयान भी जारी किया है।

इस बयान में बताया गया है कि बसपा अध्यक्ष मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया है, साथ ही उन्हें देश में पार्टी के आगे के कार्यक्रम भी दिए गए। उम्मीद है कि इस बार वह पार्टी और मूवमेंट के हित में, हर प्रकार की सावधानी बरतते हुए, पार्टी को मजबूत बनाने में अपना सराहनीय योगदान देंगे।

बयान में आगे बताया गया है कि पार्टी सुप्रीमो मायावती ने रविवार को बसपा ऑल इंडिया की हुई एक अहम बैठक में देशभर में संगठन की मजबूती और जनाधार को

सर्वसमाज में बढ़ाने के लिए दिए गए कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा करने के साथ ही 22 अप्रैल को घटित हुए पहलगाम आतंकी हमले के संदर्भ में पाकिस्तान के विरुद्ध 'ऑपरेशन सिंदूर' की गौरवमय सैनिक कार्रवाई के लिए भारतीय सेना की सराहना की।

उन्होंने कहा कि जन और देशहित को प्रभावित होने से बचाने के लिए सरकार द्वारा अपराध नियंत्रण की तरह आतंकी-निरोधक उपाय भी जरूरी हैं, ताकि सुहागों को उजड़ने से बचाने का दायित्व निभाया जा सके और इस क्रम में पाकिस्तान द्वारा परमाणु धमकी या ब्लैकमेलिंग को नहीं सहने की भारत सरकार की चेतावनी उचित कदम है। साथ ही, कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका और अन्य किसी भी तीसरे पक्ष की दखल को स्वीकार नहीं करने की राष्ट्रीय सहमति पर सख्ती से अमल करते रहना जरूरी है क्योंकि इस खास मुद्दे पर भी देश को अपने अलावा किसी और पर भरोसा नहीं करना चाहिए, तो यह बेहतर होगा। बसपा केंद्रीय कार्यालय 29 लोधी एस्टेट में ऑल इंडिया की हुई बड़ी बैठक को संबोधित करते हुए मायावती ने आतंकी घटनाओं को विकास में बाधक बताते हुए कहा कि पहलगाम आतंकी हमले की चुनौतियों से निपटने के मामले में सेना और पूरे देश ने जो परिपक्वता दिखाई है, उसका नतीजा है कि पाकिस्तान को उसकी भाषा में सेना ने सबक सिखाया है और आगे ऐसा नहीं करने के लिए कड़ी चेतावनी भी दी जा रही है। ऐसे में यह केंद्र सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह अपने सुरक्षा उपायों से देश में घातक आतंकी घटनाएं अब किसी भी कीमत पर आगे नहीं होने दे। इसके साथ ही, उन आपराधिक जातिवादी और सांप्रदायिक तत्वों पर भी जरूर लगाम लगाएं, जो अपनी संकीर्ण, घृणित और विषैली भाषा और हरकतों से देश में शांति और आपसी भाईचारे के माहौल को जानबूझकर प्रदूषित करने में लगे रहते हैं।

उन्होंने कहा कि पहले विदेश सचिव और फिर उसके बाद सेना की वरिष्ठ महिला अफसर को लेकर मध्य प्रदेश के एक वरिष्ठ मंत्री द्वारा की गई संकीर्ण सोच वाली अशोभनीय टिप्पणी ऐसी प्रवृत्तियां हैं, जिनको पार्टी स्तर पर भी सख्ती के साथ निपटना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के स्वतः संज्ञान लेकर राज्य के उक्त वरिष्ठ मंत्री के खिलाफ पुलिस एफआईआर दर्ज कराकर कानून का राज स्थापित करने के प्रयास का स्वागत है।

दानिश के चक्कर में फंसी और पाकिस्तान के लिए जासूसी करने लगी ज्योति मल्होत्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिसार की ट्रैवल ब्लॉगर ज्योति मल्होत्रा को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि इस मामले में ज्योति की गिरफ्तारी कई खुफिया इनपुट के बाद हुई है। ज्योति के बनाए एक वीडियो में वह नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में आयोजित इफ्तार डिनर में शामिल हुई थी। यह वीडियो ज्योति की पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ कथित संलिप्तता का सबसे पुख्ता सबूत बन गया। ज्योति यहां पाक दूतावास के एक अधिकारी से ऐसे मिलती दिख रही है। इस मुलाकात से पता चला कि ज्योति उस अधिकारी से पहले भी मिल चुकी है। उस अधिकारी का नाम अहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश है। इस पूरे मामले में मुख्य रूप से अहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश का नाम सामने आया है, जिसे भारत सरकार ने जासूसी के आरोपों में पर्सोना नॉन ग्राटा (अवांछित व्यक्ति) घोषित कर 13 मई को देश से निष्कासित कर दिया था।

अहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश पाकिस्तान उच्चायोग में एक अधिकारी था। भारतीय खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक, दानिश जासूसी गतिविधियों में

संलिप्त था और उसने भारत की संवेदनशील जानकारी लीक की थी, जिसमें भारतीय सेना की गतिविधियों से संबंधित जानकारी शामिल थी। उसकी गतिविधियों के कारण भारत सरकार ने उसे पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित किया और 13 मई 2025 को 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया। जांच के अनुसार, ज्योति मल्होत्रा ने पहली बार 2023 में एक प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान की यात्रा की थी। वहां उसकी मुलाकात दानिश से हुई। भारत लौटने के बाद, उसने दानिश के साथ संपर्क बनाए रखा। दानिश की सिफारिश के बाद, उसने पाकिस्तान की दूसरी यात्रा की, जहां उसका परिचय अली अहसान से हुआ। अली ने ज्योति की पाकिस्तान में रहने और यात्रा की व्यवस्था की और उसे पाकिस्तानी खुफिया और सुरक्षा अधिकारियों, जैसे शकीर और राणा शाहबाज से मिलवाया। ज्योति ने शकीर का नंबर अपने फोन में जट रंधावा के नाम से सेव किया था ताकि संदेह से बचा जा सके। अधिकारियों ने संकेत दिया कि उसने बाद में इन गुर्गों को संवेदनशील खुफिया जानकारी भेजना करना शुरू कर दिया।

ज्योति मल्होत्रा की संदिग्ध गतिविधियां

जांच के अनुसार, ज्योति ने पाकिस्तान की चार से अधिक बार यात्रा की थी, जिसमें 2023 में दो यात्राएं शामिल हैं। उसने व्हाट्सएप, टेलीग्राम और स्नैपचैट जैसे एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स के जरिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखा। अधिकारियों का दावा है कि ज्योति ने भारतीय सैन्य ठिकानों और गतिविधियों से संबंधित संवेदनशील जानकारी शेयर की, जिसमें हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित जानकारी भी शामिल थी।

मैं पाकिस्तान नहीं जहन्नुम जाना ज्यादा पसंद करुंगा

बॉलीवुड के दिग्गज राइटर जावेद अख्तर ने कही दिल की बात

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के दिग्गज राइटर जावेद अख्तर ने बुक लॉन्च इवेंट में कहा कि अगर उनके पास पाकिस्तान और जहन्नुम यानी नरक में से किसी एक जगह जाने की चॉइस होगी तो वह जहन्नुम जाना ज्यादा बेहतर समझेंगे। जावेद अख्तर मुंबई में आयोजित बुक लॉन्च इवेंट में बोल रहे थे जहां उन्होंने बताया कि उन्हें भारत और पाकिस्तान दोनों तरफ से गालियां मिलती हैं। जावेद अख्तर ने कहा कि उन्हें जो कुछ मिला है वो यहीं से ही मिला है और मुंबई, महाराष्ट्र की कर्मभूमि है जिसने उन्हें आज इतना कुछ दिया है।

जावेद अख्तर ने कहा कि तो नतीजा क्या होता है कि अगर आप एक तरफ से बात कर रहे हैं तो आप कुछ लोगों को नाखुश करेंगे, लेकिन अगर हर तरफ से बात कर रहे हैं तो बहुत ज्यादा लोगों को नाखुश करेंगे। कभी आप मिलिएगा अलग तो मैं आपको दिखाऊंगा अपना ट्विटर, अपना व्हाट्सएप...जिसमें मुझे दोनों तरफ से गालियां मिलती हैं। ऐसा नहीं है कि मैं बहुत थैंकलेस हूं। बहुत से लोग तारीफ भी करते हैं, बहुत से लोग हिम्मत भी बढ़ाते हैं।

उन्होंने कहा लेकिन यह भी सच है कि मुझे इधर का एक्सट्रीमर भी गाली देता है और उधर का एक्सट्रीमर भी। यही सही है, अगर इनमें से एक ने गाली देना बंद कर दिया तो मुझे परेशानी हो जाएगी कि मैं क्या गड़बड़ कर रहा हूं। तो ये कहते हैं कि तू तो काफिर है और जहन्नुम में जाएगा। वह कहते हैं कि जिहादी..पाकिस्तान चला जा। अब अगर मेरे पास चॉइस सिर्फ पाकिस्तान और जहन्नुम, यानि नरक का हो। तो मैं नरक ही जाना पसंद करूंगा। अगर यही बस चॉइस है।

जावेद अख्तर ने कहा कि मैं सिर्फ साढ़े उन्नीस साल का था जब मुंबई आया था आज जो कुछ बना, जो कुछ मुझे मिला, जहां भी पहुंचा, यह सब मुंबई की, महाराष्ट्र की कर्मभूमि से मिला। बता दें कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान जावेद अख्तर के बयान काफी चर्चा में रहे थे। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले जावेद अख्तर राजनीतिक और समसामयिक मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखते हैं। कई लोग उनकी बातों को लेकर उन्हें ट्रोल करते हैं लेकिन वह किसी की भी परवाह किए बगैर अपना काम करते हैं।

संसद में अमित शाह ने ओवैसी को लेकर कही बात अब सच साबित हुई

-ओवैसी को ऑल पार्टी डेलिगेशन में शामिल करने पर पुराना वीडियो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद पर भारत का रुख बताने और पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए भारतीय डेलिगेशन का गठन सुर्खियों में है। इस टीम में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को भी शामिल किया है। ओवैसी को विपक्ष लगातार बीजेपी की बी टीम बताकर घेरता रहा है, लेकिन अब जब मोदी सरकार ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है, तो बहस छिड़ गई है।

इस बीच सोशल मीडिया पर एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि सांसद ओवैसी ने अमित शाह से ही पूछ लिया कि 'मैं किसकी टीम का हिस्सा हूं।' उनके इस सवाल को सुनकर लोकसभा में मौजूद सभी लोग हंस पड़ते हैं, फिर अमित शाह इसका हल्के-फुल्के अंदाज में जवाब देते हुए कहते हैं, ऐसा है ओवैसी जी मैं तो चाहता हूं कि आप अपनी स्वयं टीम बनाओ और वो (विपक्षी) परेशान है इसलिए मैं कहता हूं कि आप अपनी टीम बनाओ- आपके मुद्दे हमेशा ही अलग रहते हैं।

अमित शाह ने यह बात संसद में कब कही थी, इसकी तारीख तो नहीं बताई जा सकती है, लेकिन आज टीम मोदी में ओवैसी का नाम शामिल करने के बाद यह क्लिप एक बार फिर वायरल हो रही है। लोग कह रहे हैं कि शाह की बात सच हो गई। ओवैसी पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही पाकिस्तान के खिलाफ बोल रहे हैं और लगातार उस पर हमले कर रहे हैं। केंद्र सरकार की तरफ से कई देशों के दौरे पर भेजे जा रहे ऑल पार्टी डेलिगेशन में शामिल किए जाने पर ओवैसी ने कहा कि एक के सदस्य के तौर पर यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए उनके संदेश का सार होगा।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पाले आतंकवादियों के हाथों लंबे समय से निर्दोष लोगों की हत्या के बारे में दुनिया को बताना होगा। वहीं ओवैसी ने बीजेपी के 'बी टीम' कहे जाने के आरोपों को खारिज कर दिया है। ओवैसी ने कहा कि बीजेपी की सत्ता में वापसी मेरी वजह से नहीं, बल्कि विपक्ष की नाकामी की वजह से हुई है। ओवैसी ने कहा कि अगर मैं सिर्फ पांच सीटों पर चुनाव लड़ूं और बीजेपी की सीटें घटकर 240 रह जाएं तो फिर मुझे कैसे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है?

ओवैसी ने आरएसएस पर भी हमला बोलते हुए कहा कि, आरएसएस की मंशा भारत को एक धार्मिक राज्य बनाने की है। वो बहुलवाद खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कोर्ट में जो केस फाइल किए जा रहे हैं, उनके पीछे

आरएसएस समर्थकों का हाथ है। अब जब ओवैसी को केंद्र सरकार की ओर से प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया गया है, तो विपक्ष के आरोपों को नया मुद्दा मिल गया है। हालांकि इसे एक संसदीय प्रक्रिया का हिस्सा भी कहा जा सकता है, जिसमें कई दलों के सांसदों को विदेश यात्राओं पर भेजा जाता है।

जमीतुल उलमा हिंद के मदनी हॉल में भव्य मेगा जॉब फेयर का आयोजन, सैकड़ों युवाओं को मिला रोजगार का सुनहरा अवसर

प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति, दिल्ली और आस-पास के क्षेत्रों से भारी संख्या में युवाओं ने दिए इंटरव्यू

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के केंद्र में स्थित जमीयत उलमा-ए-हिंद के ऐतिहासिक मदनी हॉल में एक शानदार 'मेगा जॉब फेयर' का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमियों और क्षेत्रों से जुड़े सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया।

यह रोजगार मेला हमदर्द लर्निंग एंड वेलफेयर सोसाइटी ,एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (ए एम पी) ,वर्किंग जर्नलिस्ट क्लब और जामिया हमदर्द के सहयोग से आयोजित किया गया था। खास बात यह रही कि इसमें प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क था और इसे सभी धर्मों और समुदायों के युवाओं के लिए खोला गया था, जिसे प्रतिभागियों ने सराहा।

जॉब फेयर की विशेषताएं: इस फेयर में राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर की नामी कंपनियों ने हिस्सा लिया और इंजीनियरिंग, टेलीकम्युनिकेशन, हॉस्पिटैलिटी, बीपीओ, लॉजिस्टिक्स सहित अन्य क्षेत्रों में एंट्री लेवल से लेकर अनुभवी पदों तक के लिए सीधी भर्तियाँ कीं। उम्मीदवारों के सीधे इंटरव्यू लिए गए और मौके पर ही शॉर्टलिस्टिंग की गई।

यह रोजगार ड्राइव 10वीं पास से लेकर पोस्ट ग्रेजुएट स्तर के उम्मीदवारों के लिए आयोजित की गई थी। आयोजन की खास बात यह थी कि यहां नियोक्ताओं और नौकरी चाहने वालों को आमने-सामने बैठाकर उसी समय इंटरव्यू और चयन की प्रक्रिया संपन्न की गई।

उद्घाटन और प्रमुख वक्तव्य:इस मेगा जॉब फेयर का उद्घाटन जमीयत उलमा-ए-हिंद के महासचिव मौलाना हकीमुद्दीन कासमी ने किया। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा,

●यह जॉब फेयर युवाओं को बेहतर रोजगार देने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आगे भी हम ऐसे आयोजनों को आयोजित करते रहेंगे।

मौलाना कासमी ने कंपनियों के प्रतिनिधियों से बातचीत की और नौकरियों, वेतन व सुविधाओं की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि यह फेयर न केवल रोजगार का माध्यम बना बल्कि युवाओं के लिए एक प्रैक्टिकल ट्रेनिंग ग्राउंड भी साबित हुआ।

हकीम साहब के मिशन पर चल रही संस्थाः हमदर्द समिति के कार्यकारी सचिव शौकत मुफ़्ती ने बताया कि संस्था के संस्थापक हकीम अब्दुल हमीद ने 1972 में बीईबी (BEB) की स्थापना की थी, जिसका उद्देश्य बेरोजगार लोगों को ट्रेनिंग देकर रोजगार से जोड़ना था।

आज यह संस्था हमदर्द लर्निंग एंड वेलफेयर सोसाइटी बन चुकी है और जामिया हमदर्द के चांसलर हमाद अहमद, हामिद अहमद और साजिद अहमद के मार्गदर्शन में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन देश के अन्य हिस्सों में भी किए जाएंगे।

ट्रेनिंग और तैयारी कार्यक्रमः एएमपी (AMP) के वरिष्ठ नेता फारूक अहमद सिद्दीकी ने बताया कि पहले से रजिस्टर्ड उम्मीदवारों के लिए निःशुल्क एम्प्लॉयबिलिटी ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन भी किया गया था, जिसमें उन्हें इंटरव्यू की तैयारी, सीवी निर्माण और कम्युनिकेशन स्किल्स में प्रशिक्षित किया गया।

अगले दो महीनों में दिल्ली की सडकों पर उपलब्ध होंगी 500 नई इलेक्ट्रिक बसें: सिंह

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली में बसों की कमी से हो रही लोगों को दिक्कत के बीच परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने दिल्ली में नई ई-बसों की उपलब्धता को लेकर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और पीएमआई इलेक्ट्रो मोबिलिटी, स्विच मोबिलिटी, जेबीएम जैसी प्रमुख बस कंपनियों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि हम सार्वजनिक परिवहन को तेजी से बदल रहे हैं। अगले दो महीनों में दिल्ली की सडकों पर 500 ई-बसें चलेंगी और साल के अंत तक 1000 और बसें इसमें जुड़ेंगी, जिससे लोगों को साफ-सुथरी और बेहतर यात्रा का विकल्प मिलेगा। मंत्री ने कहा कि इन नई इलेक्ट्रिक बसों की शुरूआत दिल्ली को देश की ई-कैपिटल बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश देते हुए कहा कि नई इलेक्ट्रिक बसों को जल्द से जल्द दिल्ली की सडकों पर उतारा जाए राजधानी में प्रदूषण रहित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और मजबूत हो। इस बैठक के दौरान परिवहन विभाग ने अवगत कराया कि विभिन्न बस डिपो पर सिविल कार्यों एवं इलेक्ट्रिकरण की प्रक्रिया तीव्र गति से अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। मंत्री ने बस कॉनसेशनर्स को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे इलेक्ट्रिक बसों की डिलीवरी में तेजी लाएं और सभी प्रमुख डिपो में ईवी चार्जिंग इंस्टॉलेशन सुनिश्चित करें इंफ्रास्ट्रक्चर का त्वरित विकास सुनिश्चित करें। जिससे ई-बसों का कुशल संचालन समयबद्ध तरीके से संभव हो सके। दिल्ली के मौजूदा पब्लिक ट्रांसपोर्ट नेटवर्क में देवी इलेक्ट्रिक बसों को प्रभावी रूप से शामिल करने के लिए एक सुव्यवस्थित रूट रेशनलाइजेशन प्लान लागू किया जा रहा है। प्रारंभिक चरण में ये ई-बसें लगभग 12 किलोमीटर के छोटे रूट्स पर चलाई जा रही हैं, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां 12-मीटर लंबी बसों का संचालन चुनौतीपूर्ण होता है। इस रेशनलाइजेशन के जरिए देवी बसें जो लास्ट-माइल कनेक्टिविटी की सुविधा देती हैं, दिल्ली वासियों को विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में लाभ पहुंचाएंगी। मंत्री ने जोर देकर कहा कि देवी बसों और उनके रूट्स के बारे में अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि लोग इस पर्यावरण अनुकूल परिवहन विकल्प को अपनाने के लिए प्रेरित हो सकें। मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि रूट रेशनलाइजेशन और जागरूकता बढट्टे से देवी बसों की लास्ट-माइल कनेक्टिविटी और बेहतर होगी, जिससे दिल्ली के हर यात्री को स्वच्छ और सुविधाजनक परिवहन सुविधा मिल सकेगी।

दिल्ली में नालों की सफाई शुरू न करने वाले ठेकेदारों को नोटिस जारी

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली में बारिश से पहले नालों की सफाई की सुस्त रफ्तार पर पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने शुक्रवार को नाराजगी जताई है। अभी तक नालों की सफाई शुरू नहीं करने वाले ठेकेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। दिल्ली में नालों की सफाई का अभी तक 20 फीसदी काम पूरा हुआ है। मंत्री ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए नालों की सफाई की समय सीमा घटाकर 15 जून के बजाए 30 मई कर दी है। साथ ही अधिकारियों को हिदायत दी है कि किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दिल्ली में लोक निर्माण विभाग को अपने करीब 2800 किलोमीटर नालों की सफाई करनी है। नालों की सफाई में पारदर्शिता लाने और जिम्मेदारी तय करने के लिए कई शर्तों में बदलाव किया है। पहले नालों के हिसाब से उसकी सफाई का काम दिया जाता था। इस बार सरकार ने पूरी दिल्ली के नालों को 35 पैकेज में बांटकर सफाई का काम अलग-अलग ठेकेदारों को दिया है। पहले यह काम सिर्फ सीजन के लिए दिया जाता था, लेकिन इस बार इसे दो साल के लिए दिया गया है। इसके बाद भी दिल्ली के 5 से 7 जोन ऐसे हैं जहां सफाई शुरू नहीं हो पाई है। बीते दिनों नालों की सफाई कार्य की प्रगति को लेकर हुई समीक्षा बैठक में मंत्री प्रवेश वर्मा ने सुस्त रफ्तार पर नाराजगी जताई। उन्होंने उन ठेकेदारों को नोटिस भी जारी किया है जिन्होंने सफाई शुरू नहीं की है या फिर धीमी गति से काम कर रहे हैं। अधिकारियों और ठेकेदारों, दोनों को नालों की सफाई में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है।

भाई की हत्या का बदला लेने के लिए शख्स पर फायरिंग

नई दिल्ली/एजेंसी। वसंत विहार इलाके में रंजिश का बदला लेने के लिए एक युवक ने दोस्तों के साथ मिलकर एक ट्रक चालक पर फायरिंग कर दी। हालांकि पीड़ित बच गया और ट्रक से कूद कर भाग कर गया। आरोपियों के जाने के बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। फिलहाल पुलिस आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी का प्रयास शुरू कर दिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित 23 वर्षीय मनीष शर्मा अपने परिवार के साथ नाला कैम्प रंगपुरी पहाड़ी इलाके में रहता है। वह पेशे से ट्रक चालक है। पीड़ित ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि 10 मई की दोपहर वह अपने भाई धर्मेन्द्र के साथ ट्रक लेने पहुंचे तो पता लगा उनके एक ट्रक में पंचर हैं। दोनों टायर बदल लगे।

डीएसजीएमसी ने छात्रों के लिए लगाया करियर गाइडेंस और काउंसलिंग मेला 2025 मंत्री ने की तारीफ

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) ने आज गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब में 12वीं क्लास पास करने वाले छात्रों के लिए 'करियर गाइडेंस एवं काउंसलिंग मेला 2025' का आयोजन किया। दिल्ली के मंत्री आशीष सूद ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार के "बड़े प्रयास" की "सराहना" की जानी चाहिए। मंत्री आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी धार्मिक कामों के साथ-साथ समाजसेवा के बड़े कामों में जुटी रहती है। हर वर्ष करियर काउंसिलिंग कैंप का आयोजन किया जाता है। जैसे-जैसे नए मौके आए हैं, वैसे-वैसे बच्चों के बीच कंफ्यूजन भी बढ़ा है। अनेक सवाल बच्चों के सामने रहते हैं, उन सवालों को पार करने में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा आयोजित करियर काउंसिलिंग कैंप काफी मदद करता है। यह एक बड़ी पहल है।" सूद ने इस बात पर भी जोर दिया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के साथ मिलकर काम करेगी ताकि डीएसजीएमसी के स्कूलों में कार्यरत टीचर्स की क्षमता का निर्माण किया जा सके। आशीष सूद ने संवाददाताओं से कहा, "यह एक बहुत बड़ा प्रयास है। इसकी सराहना की जानी चाहिए। सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हम डीएसजीएमसी के स्कूलों में पढ़ाने वाले टीचर्स के अंदर क्षमता निर्माण के लिए दिल्ली सरकार के साथ सहयोग करने में कमेटी का सहयोग करेंगे।"सीबीएसई ने मंगलवार को 10वीं और 12वीं क्लास के नतीजे जारी किए थे। 12वीं में इस बार 88.39 फीसदी छात्र पास हुए, जो पिछले साल से 0.41 फीसदी ज्यादा है। इस साल सीबीएसई 12वीं की परीक्षा में 91 फीसदी लड़कियां पास हुई हैं, जो लड़कों से 5.94 फीसदी ज्यादा है। वहीं, 10वीं में इस बार कुल 93.66 फीसदी छात्र पास हुए हैं, जो पिछले साल से 0.06 फीसदी ज्यादा हैं।

सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में 95 फीसदी लड़कियां पास हुईं, जो लड़कों से 2.37 फीसदी ज्यादा है। सीबीएसई ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया था कि इस बार 22,388,27 छात्र परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 20,95,467 छात्र पास हुए। क्षेत्र के आधार पर तिरुवनंतपुरम ने सबसे अधिक पास प्रतिशत हासिल किया, जहां 99.70% छात्र परीक्षा में पास हुए, जबकि असम का गुवाहाटी सबसे निचले स्थान पर रहा, जहां 84.14% छात्र परीक्षा में पास हुए।

सिक्किम की परम्पराएं देश के लिए गौरव का विषयः सीएम

नई दिल्ली/एजेंसी। देश के विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवसों को उत्साहपूर्वक ढंग से मनाने की श्रृंखला को आगे बढ़ाने हुए शुक्रवार को दिल्ली सचिवालय में सिक्किम दिवस के अवसर पर कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग द्वारा एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सिक्किम राज्य की गौरवशाली सांस्कृतिक धरोहर, जीवंत परम्पराएं एवं ऐतिहासिक विरासत को प्रदर्शित करना था। साहित्य कला परिषद से जुड़े लगभग 20 कलाकारों ने सिक्किम के लोकनृत्य, लोक संगीत और पारंपरिक कलाओं की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। इस कार्यक्रम ने सिक्किम की विविध सांस्कृतिक छवियों को जीवंत कर दिया। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में सिक्किम के नागरिक बड़ी संख्या में निवास करते हैं, जो अपनी मेहनत, समर्पण और कर्मठता से न केवल अपने राज्य बल्कि पूरे देश की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। सिक्किम न केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि वहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, शांतिप्रिय जीवनशैली और विकास के प्रति समर्पण ने पूरे देश के लिए एक मिसाल कायम की है। दिल्ली सरकार ने ये निर्णय लिया है कि प्रत्येक राज्य के स्थापना दिवस को बड़े धूमधाम से मनाया जायेगा। इस विशेष दिन पर, मैं सिक्किमवासियों की खुशहाली, स्वास्थ्य और निरंतर प्रगति की कामना करती हूं। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि सिक्किम न केवल सांस्कृतिक दृष्टि से बल्कि पर्यटन, सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी भारत का प्रमुख राज्य है। दिल्ली और सिक्किम के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक सहयोग लगातार सशक्त हो रहा है और आने वाले वर्षों में यह साझेदारी और प्रगाढ़ होगी।

सरोजनी नगर में दस दिवसीय विकसित भारत ग्रीष्मकालीन कला कार्यशाला का आयोजन

नई दिल्ली/एजेंसी। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने शुक्रवार को सरोजनी नगर स्थित नवयुग स्कूल में आयोजित 10 दिवसीय विकसित भारत ग्रीष्मकालीन कला कार्यशाला का उद्घाटन किया। यह कार्यशाला 16 से 25 मई तक, पंचतंत्र की कहानियों के विषय पर आधारित हैं और कक्षा 5वीं से 11वीं तक के छात्रों के लिए आयोजित की गई है। उद्घाटन के बाद चहल ने कहा कि हमने एनडीएमसी के स्कूली छात्रों को देश के विभिन्न राज्यों की कलाओं से अवगत कराने के लिए देश के कोने-कोने से प्रसिद्ध कलाकारों को आमंत्रित किया है, ताकि हमारे छात्र देश के विभिन्न क्षेत्रों की कलाओं का अनुभव कर सकें और उसे अपने ज्ञान में शामिल कर सकें। कुलजीत सिंह चहल ने आगे कहा कि कला एक ऐसी विधा है जिसकी अपनी सार्वभौमिक भाषा होती है। जिसे हर कोई कहीं भी समझ सकता है। दुनिया की अनेक भाषाएं और उनके अनुभव कला के माध्यम से ही पूरे विश्व में एक समान रूप से समझे जाते हैं। यही कला की सर्वोच्च शक्ति है। चहल ने कहा कि आज का भारत न केवल विकसित भारत बनने की ओर अग्रसर है, बल्कि एक वीर भारत भी बन रहा है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता इसी वीर भारत का प्रमाण है। आगे चहल ने घोषणा की कि सरोजनी नगर स्थित नवयुग स्कूल परिसर में जल्द ही एक आर्ट गैलरी का निर्माण भी किया जाएगा। उन्होंने सीबीएसई कक्षा 10वीं और 12वीं के परिणामों में 100 और 99 प्रतिशत अंक लाने वाले छात्रों को भी सम्मानित भी किया। इसी क्रम में एनडीएमसी के सलाहकार (संस्कृति) हर्षवर्धन ने कहा कि कला रंगों की दुनिया है, जो दुनिया को खुशनुमा बनाती है और हमारे स्वभाव और प्रवृत्ति में ऊर्जा लाती है। रंग हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं, जो तनाव को दूर करने का काम करते हैं। इस कार्यशाला में देश के महान कलाकार बच्चों को कला के विभिन्न रूपों के अपने अनुभव से अवगत कराएंगे ताकि बच्चे रंगों और आकृतियों के माध्यम से कैनवास पर अपनी कल्पनाओं को साकार कर सकें। वहीं इस कार्यशाला में दस स्कूलों के 120 छात्रों के लिए प्रमुख कलाकारों के साथ दैनिक सत्र, समूह कला परियोजनाएं और व्यक्तिगत पोर्टफोलियो, कला प्रशंसा, कहानी कहने के तत्व और अंतिम दिन प्रदर्शनी जैसी गतिविधियां शामिल रहेंगी ।

दिल्ली में बिना लाइसेंस शराब परोसने वाले होटल-रेस्तरां पर कार्रवाई होगी

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली में बिना लाइसेंस लिए होटलों और रेस्तरां में शराब परोसने के दर्जनों मामले आबकारी विभाग के सामने आए हैं। ऐसे दो दर्जन से ज्यादा होटल-रेस्तरां के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के साथ विभाग ने दिल्ली पुलिस के लाइसेंसिंग विभाग को उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा है। उन्हें कहा गया है कि ऐसे रेस्तरां को दिए गए खाना परोसने का लाइसेंस भी रद्द किया जाए। कई स्थानों पर छापेमारी में दिल्ली की जगह गुरुग्राम की शराब बेचने के मामले भी सामने आए हैं। आबकारी विभाग के सूत्रों ने बताया कि बीते दो माह के दौरान शनिवार एवं रविवार को कई होटल और रेस्तरां में एक्साइज विभाग की तरफ से छापेमारी की जा रही है। इस दौरान पाया गया कि दिल्ली में बड़ी संख्या में रेस्तरां एवं होटल बिना एक्साइज लाइसेंस के ही शराब परोस रहे हैं। दिल्ली में शराब परोस रहे लगभग हर दूसरे होटल-रेस्तरां के पास इसके लिए लाइसेंस नहीं है। लेकिन स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से वह बिना किसी रोकटोक रेस्तरां में ग्राहकों को शराब परोस रहे हैं। विभाग ने पाया कि ऐसे होटल एवं रेस्तरां का लाइसेंस भी जांचा नहीं जा रहा। इसे लेकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की तरफ से दिल्ली पुलिस के लाइसेंसिंग विभाग को पत्र लिखा गया है।

उन्हें ऐसे होटल एवं रेस्तरां की सूची भी सौंपी गई है जहां छापेमारी के दौरान एक्साइज के लाइसेंस नहीं मिले हैं। लाइसेंसिंग विभाग के अधिकारियों से कहा गया है कि वह ऐसे रेस्तरां में खाना परोसने के लिए दिए गए लाइसेंस को भी रद्द करें ताकि उन्हें पूरी तरह से बंद किया जा सके। इसके साथ ही उन पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी कार्रवाई के लिए कहा गया है जिनके क्षेत्र में ऐसे रेस्तरां चल रहे थे।

सफदरजंग अस्पताल में कैंसर का होगा सटीक इलाज

नई दिल्ली/एजेंसी। सफदरजंग अस्पताल में कैंसर मरीजों को जल्द इलाज की आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। यह संभव होगा अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी मशीन की बदौलत। इस मशीन को जल्द अस्पताल में लगाने की तैयारी है। इस सुविधा के शुरू होने के बाद कैंसर के मरीजों को अधिक प्रभावी इलाज मिल सकेगा। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, तीन महीने में यह सुविधा शुरू हो जाएगी। इसके तहत लीनियर एक्सलरेटर मशीन लगाई जाएगी, जो कैंसर कोशिकाओं को बहुत ही सटीकता से नष्ट करने में सक्षम है। यह स्वस्थ कोशिकाओं को बचाते हुए सिर्फ कैंसर की कोशिकाओं पर वार करती है। इस पहल का उद्देश्य मरीजों को समय पर बेहतर इलाज मुहैया कराने के साथ निजी अस्पतालों के महंगे खर्च से बचाना है।

सफदरजंग में बच्चों के लिए दो नई डायलिसिस मशीनें शुरू

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। सफदरजंग अस्पताल के बाल किडनी रोग विभाग में शुक्रवार को दो नई हेमोडायलिसिस मशीनों का उद्घाटन किया गया। ये मशीनें जेके सीमेंट की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पहल ह्यआधारशिला रीनल केयर प्रोजेक्ट के तहत प्रदान की गई हैं। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संदीप बंसल समेत कई डॉक्टर मौजूद थे। इस मौके पर आधारशिला ट्रस्ट की न्यासी नीना जॉली और जेके सीमेंट की सीएसआर प्रमुख शिल्पा भी मौजूद रहीं। बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप देबता ने बताया कि नई मशीनों से बच्चों के किडनी रोगों के इलाज में तेजी आएगी।

छोटे और मझौले व्यापारियों का पुर्नउत्थान करे सरकार : यादव

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली में ट्रेड वेलफेयर बोर्ड के गठन को लेकर सवाल उठाते हुए कांग्रेस दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने सरकार ने बोर्ड का गठन करने से पहले छोटे और मझौले व्यापारियों का पुर्नउत्थान करने की मांग की है। शुक्रवार को देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली की भाजपा सरकार की अन्य घोषणाओं की तरह व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए घोषित किया गया ट्रेड वेलफेयर बोर्ड भी कागजों में सिमट कर न रह जाए। उन्होंने कहा कि सबसे पहले दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम को उन सभी हजारों दुकानों और व्यापारिक संस्थानों को डी-सील किया जाए क्योंकि इनके बंद होने के कारण लाखों लोगों की जीविका प्रभावित हुई है।

यादव ने कहा कि दिल्ली में छोटे व्यापारियों और दुकानदारों का व्यापार लम्बे समय से ठप पड़ा है और हालात यह है कि दुकानदारों के पास दुकान का किराया और अपने कर्मचारियों को वेतन देने के लिए मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रेड वेलफेयर बोर्ड व्यापारियों के लिए कहीं विनाशकारी न बन जाए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह वही भाजपा है कि जो एक तरफ तो ट्रेड वेलफेयर बोर्ड स्थापित करने की बात करती है और दूसरी तरफ जब भाजपा 15 वर्ष दिल्ली नगर निगम में थी, उस समय दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में उन्होंने 2000 से अधिक दुकानों को सील किया था, ऐसे में व्यापारी भाजपा सरकार पर अपने हितों को लेकर कैसे विश्वास कर सकते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि ट्रेड वेलफेयर बोर्ड में विभिन्न राजनीतिक दलों के व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों को रखा जाए ताकि दिल्ली में व्यापारी वर्ग के हितों के लिए कार्य हो सके और किसी की अनदेखी न हो। उन्होंने कहा कि बोर्ड को निर्णय लेने अधिकार भी दिए जाए ताकि वह एक कमजोर और निष्क्रिय बोर्ड बनकर न रह जाए। उन्होंने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार की गलत तरीके से जीएसटी को लागू करने की नीति ने व्यापारियों पर प्रहार किया था जिसके कारण उनके व्यापार में काफी गिरावट दर्ज हुई थी। ऐसे में भाजपा सरकार द्वारा बनाए जाने वाले ट्रेड वेलफेयर बोर्ड पर दिल्ली के व्यापारी कैसे विश्वास कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा छोटे और मझोले व्यापारियों को चुनाव के दौरान उनके वोट और फंड के लिए याद करती है जबकि भाजपा सरकारों का एजेंडा केवल कुछ चुनिंदा अमीर पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने का रहा है।

आईआईटी दिल्ली में तीन नए ऑनलाइन पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम की शुरुआत

नई दिल्ली/एजेंसी। आईआईटी दिल्ली ने तीन नए ऑनलाइन पाठ्यक्रम की शुरूआत की है। इसमें स्वास्थ्य देखभाल उत्पाद विकास और प्रबंधन, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) प्रौद्योगिकी, क्वांटम और एआई एकीकरण के साथ उन्नत संचार इंजीनियरिंग में ऑनलाइन पीजी डिप्लोमा कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम के लिए आईआईटी दिल्ली के प्रतिष्ठित संकाय द्वारा अग्रणी उद्योग विशेषज्ञों के सहयोग से आयोजित इंटरैक्टिव ऑनलाइन सत्र आयोजित होंगे। संस्थान की ओर से ऑनलाइन पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों की शुरूआत को लेकर आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने कहा, यह कार्यक्रम पेशेवरों को हमारे समय की कुछ सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल औरअंतर्दृष्टि से लैस करने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

देश पर संकट के समय शब्दों में संयम व गंभीरता हो, देवर्षि नारद जयंती पर विश्व संवाद केंद्र चितौड़ प्रांत ने किया 6 पत्रकारों का सम्मान

मनोज कुमार चोर्डिया

राजस्थान: विश्व संवाद केन्द्र चित्तौड़ प्रांत की ओर से देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर रविवार को कोटा में श्रीनाथपुरम स्थित शिव ज्योति कॉन्वेंट स्कूल सभागार में प्रांत स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें चित्तौड़ प्रांत के अंतर्गत शामिल 14 जिलों से विभिन्न श्रेणियों में चयनित 6 पत्रकारों को 11-11 हजार रुपये नकद पुरस्कार व प्रतीक चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आम्बेकर ने कहा कि देवर्षि नारद पत्रकारिता में भारतीय परंपरा के आदर्श पर्याय बने। आज समाज अपने आसपास और दुनिया में क्या हो रहा है, यह जानने के लिए उत्सुक रहता है। जनता को सही सूचना, सही समय पर सही जगह तक पहुंचाना पत्रकारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। हम अपनी उद्देश्यपरक सूचनाओं से पाठक की प्रवृत्ति को सकारात्मक बना सकते हैं। पत्रकार जो लिख रहे हैं, नारदजी की तरह उसकी गहराई में जाएं। आज विधा के साथ तकनीकी स्किल भी जुड़ गया है।

उन्होंने कहा कि ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल के दौरान भारतीय सेना ने आक्रमण की सटीक क्षमता से दुनिया के सामने भारत का गौरव बढ़ाया है। देश पर संकट के समय हम क्या दिखाएं, क्या नहीं दिखाएं, इस मुद्दे पर राष्ट्रहित में पूरी गंभीरता रखनी होगी। हम देशहित के विरुद्ध कोई जानकारी नहीं दें। घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत नहीं करें। समाचारों में जानकारी को परिष्कृत किया जाए। समाज में विद्वेष न फैले, इसके लिए सोशल मीडिया पर सही जानकारी देखने के बाद ही आगे बढ़ें।

आम्बेकर ने कहा कि अभी देश में उत्साह, गर्व और स्वाभिमान का वातावरण है। यही वातावरण सभी क्षेत्रों में देश को आगे बढ़ाएगा। देश में एकता व सद्भाव बनाए रखने के लिए पत्रकारिता की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। नए भारत के निर्माण में हमें पुरानी संस्कृति एवं विरासत को आम सहमति से जोड़कर आगे बढ़ना है, क्योंकि आम सहमति से ही लोक जागरण होता है। राममंदिर बनने से पूर्व 40 वर्ष तक लोक जागरण जारी रहा। आज भारत को एक मजबूत राष्ट्र बनाने के लिए सहमति बनाने का कार्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कर रहा है। उन्होंने भाषा को लेकर हो रहे विवादों पर भी कहा कि हर देश अपनी भाषा के साथ आगे बढ़ रहा है, इस तथ्य को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। हमारे समाज में अपनी भाषा के प्रति इतना विश्वास स्थापित हो ताकि हम अपनी भाषा को और समृद्ध बना सकें। नए भारत के निर्माण में नई तकनीक के साथ भारतीय संस्कृति का समावेश भी हो।

भारतीय पत्रकारिता नैतिकता पर टिकी मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त राजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि टेक्नोलॉजी के इस दौर में पत्रकारिता के सामने चुनौतियां ज्यादा हैं। जर्नलिज्म नॉलेज और विश्लेषण पर आधारित है। समाज की दशा और दिशा पर लिखकर हम जनमत बनाते हैं। समाचारों में नेगेटिव सूचनाओं के साथ अच्छाई को भी सामने लाकर हम रिफॉर्म कर सकते हैं। आज के समाचार पत्र सीएसआर के तहत जनहित में कई उपयोगी अभियान चलाकर सामाजिक उत्तरदायित्व भी बखूबी निभा रहे हैं। अन्य देशों की तुलना में भारतीय पत्रकारिता आज भी नैतिकता पर टिकी है।

वीएमओयू में पत्रकारिता विभाग के प्रमुख प्रो. सुबोध कुमार ने कहा कि आज के डिजिटल युग में पत्रकारों को पल-पल की ताजा जानकारी देनी होती है। सोशल मीडिया पर अधिकांश कंटेंट कचरे की तरह आगे बढ़ता रहता है, इसलिये प्रिंट मीडिया की जिम्मेदारी बड़ी होती है। प्रिंट मीडिया में छपे शब्दों का महत्व बना रहता है, इसलिये शब्दों का चयन सावधानी से करें।

शिव ज्योति एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन महेश गुप्ता ने समारोह की अध्यक्षता की कोटा विभाग प्रचार प्रमुख चंद्रशेखर साहू ने बताया कि आवेदन करने वाले सभी प्रतिभागी पत्रकारों को ई-प्रशस्ति पत्र भेजकर सम्मानित किया जाएगा। इनको मिला देवर्षि नारद पत्रकार सम्मान विश्व संवाद केन्द्र चित्तौड़ प्रांत के सचिव प्रवीण कोटिया ने बताया कि सम्मान समारोह में उत्कृष्ट फोटो जर्नलिस्ट श्रेणी में हिमांशु शर्मा (अजमेर), उत्कृष्ट स्तंभकार श्रेणी में विवेक वैष्णव (चित्तौड़), प्रिंट मीडिया श्रेणी में क्रिश जायसवाल (छीपाबड़ौद), डिजिटल मीडिया श्रेणी में मनीष गौतम (कोटा), महिला पत्रकार श्रेणी में कृतिका शाह (प्रतापगढ़) एवं कंटेंट क्रिएटर (यूट्यूब) श्रेणी में प्रवीण मीणा (इटावा) को पुरस्कृत किया गया। समारोह में कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़, अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, ब्यावर, प्रतापगढ़ व सलूम्बर जिले के पत्रकार शामिल हुए। इस अवसर पर निर्णायक मंडल में शामिल राजेन्द्र लालवानी, एसपी मित्तल, कौशल मूंदड़ा का भी सम्मान किया गया।

बरेली के प्रेमनगर में हुई बुजुर्ग से मारपीट

छत्र पाल

उत्तर प्रदेश: बरेली के प्रेमनगर क्षेत्र में बुजुर्ग से मारपीट की घटना को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद प्रशासन हरकत में आया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के संज्ञान में आते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद प्रेमनगर पुलिस ने तेजी दिखाते हुए 29 वर्षीय आरोपी सिद्धार्थ पांडेय को गिरफ्तार कर लिया।

सिद्धार्थ, शाहबाद का रहने वाला है, जिसे 15 मई की रात करीब 2 बजे प्रेमनगर क्षेत्र से हिरासत में लिया गया। थाना प्रभारी प्रेमनगर के अनुसार, आरोपी पर शांति भंग की धाराओं में कार्रवाई की गई है और विधिक प्रक्रिया प्रचलित है।

पुलिस प्रशासन ने दो टूक कहा है कि बुजुर्गों या किसी भी नागरिक के साथ इस प्रकार की हिंसा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस मामले में पुलिस की त्वरित कार्रवाई से समाज में एक सख्त और सकारात्मक संदेश गया है। नागरिकों से की अपील पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि उनके आसपास कोई हिंसा, अभद्र व्यवहार या अनुचित गतिविधि हो तो उसकी सूचना तुरंत नजदीकी थाने में दें। समय रहते दी गई जानकारी से बड़ी घटनाओं को रोका जा सकता है।

उत्तर प्रदेश: गलत आचरण रखने वाले हेड मास्टर की बहाली के खिलाफ ग्रामीणों ने लगाए गंभीर आरोप

रजनेश श्रीवास्तव

उत्तर प्रदेश: बरेली प्राथमिक विद्यालय सहजनपुर हेतराम, ब्लाक भुता, जिला बरेली में तैनात हेडमास्टर को गंभीर आरोपों में अमानवीय व्यवहार के कारण विभाग से सस्पेंड कर दिया गया था, जिसकी जांच रामनगर बी.ई.ओ. राजेश कुमार को सौंपी गई थी। अब ग्रामीणों का आरोप है कि पहले बी.ई.ओ. द्वारा जांच को लगातार लटकाकर रखा गया, बाद में अधिकारियों और मीडिया द्वारा लगातार संज्ञान में लेने के बाद कल बी.ई.ओ. रामनगर द्वारा जांच के लिए गए, लेकिन सिर्फ खानापूर्ति कर हेड मास्टर से मिलीभगत के कारण फर्जी ग्रामवासियों के नाम अपने बचाव में एक प्रार्थना पत्र ले लिया गया, जिसमें ग्रामवासियों के फर्जी हस्ताक्षर अंकित करा लिए गए।

जिसके फलस्वरूप ग्रामवासियों और मीडिया द्वारा सौंपे गए साक्ष्यों को दरकिनार कर आख्या तैयार की जा रही है, जिसके तहत हेड मास्टर की पुनः उसी स्कूल में बहाली की जा रही है।

वास्तविक आरोपों में, जिसमें महिला रसोईया के साथ गलत आचरण, स्कूल परिसर में धूम्रपान का इस्तेमाल को अनदेखा कर मिड डे मील के बारे में जानकारी मांगी गई, जो हेड मास्टर पर लगाए गए संगीन आरोपों के विपरीत है। ग्रामवासियों का कहना है कि हेड मास्टर को उसके आचरण के तहत, जिसके सारे साक्ष्य अंकित हैं, इसके फलस्वरूप इसके ऊपर सख्त कार्रवाई की जाए और इसे पुनः उसी स्कूल में बहाली न दी जाए। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि जांच अधिकारी और हेड मास्टर की मिलीभगत है।

कहीं न कहीं राजनीतिक दबाव के कारण जांच अधिकारी हेड मास्टर को पुनः बहाली कर उसी विद्यालय में भेजने की तैयारी में लगे हुए हैं। जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि हेड मास्टर को दोबारा तैनाती मिली, तो ग्रामीणों द्वारा धरना दिया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन होगी।

कबड्डी प्रतियोगिता के शुभारंभ समाजसेवी हरविंदर सिंह पन्नू द्वारा, सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता 2025 गांव में हुयी आयोजित

हरविंदर सिंह

राजस्थान: कबड्डी प्रतियोगिता के शुभारंभ में मुख्य अतिथि युवा नेता समाजसेवी हरविंदर सिंह पन्नू 40पीएस ने भाग लिया, डॉक्टर बी आर अंबेडकर साहब के चित्र पर श्रद्धांजलि दी और आह्वान किया कि आज युवा बच्चे गेम्स प्रतियोगिता में भाग लेकर अपना फ्यूचर बनाएं और नशे की प्रवृत्ति से दूर रहें। ग्रामीण बच्चों को और प्यारी बच्चियों को जी-जान के साथ कबड्डी प्रतियोगिता खेलते हुए देखा। मेरी ओर से उनके उज्जवल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं। टूनार्मेंट में लगभग 20 टीमों ने भाग लिया और दो लड़कियों की टीमों ने भी भाग लिया। पुरुष वर्ग की दो फाइनल टीमों में जैतसर और 7 एलसी के खिलाड़ियों ने फाइनल जीता।

पहला इनाम 5100 और दूसरा इनाम 4100 रखा गया। टूनार्मेंट का आयोजन दीपू और 24 एनपी समस्त ग्रामवासियों द्वारा किया गया, जिसमें युवा नेता समाजसेवी हरविंदर सिंह पन्नू 40पीएस ने टूनार्मेंट में खिलाड़ी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। साथ में युवा नेता समाजसेवी हरविंदर सिंह पन्नू को टूनार्मेंट कमेटी द्वारा एचडी वॉलपेपर नाल सम्मानित किया गया और धन्यवाद किया गया कि आप पहुंचे। बहुत-बहुत धन्यवाद हरविंदर पन्नू, समय-समय पर खिलाड़ियों को हौसला देते रहते हैं और उन्हें कहते हैं कि नशे से दूर रहें और अपने माता-पिता का नाम रोशन करें और अपने क्षेत्र का नाम रोशन करें। हरविंदर पन्नू के साथ मनप्रीत औलाख, डॉ. मांगीलाल, शिंदा 32 वाला, लखा 34 वाला, बागु, सूखा 34 वाला आदि नौजवान साथी पहुंचे।

वाघोडिया नगर में ऑपरेशन सिन्दूर के तहत वाघोडिया तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया

विजय देवेन्द्रभाई मकवाना

गुजरात: भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत माता और हमारे तिरंगे को सम्मान और गौरव दिलाया है और पूरे भारत में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया है। वाघोडिया में भी वाघनाथ महादेव से तिरंगा यात्रा शुरू हुई। वाघोडिया विधानसभा के विधायक धर्मेंद्रसिंह वाघेला, भारतीय जनता पार्टी के वडोदरा जिला अध्यक्ष रसिकभाई प्रजापति, वडोदरा जिला पंचायत के कार्यकारी अध्यक्ष नीलेशभाई पुराणी, साथ ही बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता और ग्रामीण इस तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। तिरंगा यात्रा में महिलाओं ने सिंदूर भरकर भारतीय सेना को श्रद्धांजलि दी।

कबड्डी प्रतियोगिता 2025 के शुभारम्भ में समाजसेवी हरविंदर सिंह ने लिया हिस्सा

हरविंदर सिंह

राजस्थान: जय भीम कबड्डी प्रतियोगिता सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता 2025 गांव 24 ठढ, रायसिंहनगर कबड्डी प्रतियोगिता के शुभारंभ में मुख्य अतिथि युवा नेता समाजसेवी हरविंदर सिंह पन्नू 40पीएस ने भाग लिया। डॉक्टर बी आर अंबेडकर साहब के चित्र पर श्रद्धांजलि दी और आह्वान किया कि आज युवा बच्चे गेम्स प्रतियोगिता में भाग लेकर अपना फ्यूचर बनाएं और नशे की प्रवृत्ति से दूर रहें।

ग्रामीण बच्चों को और प्यारी बच्चियों को जी-जान के साथ कबड्डी प्रतियोगिता खेलते हुए देखा। मेरी ओर से उनके उज्जवल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं। टूनार्मेंट में लगभग 20 टीमों ने भाग लिया और दो लड़कियों की टीमों ने भी भाग लिया। पुरुष वर्ग की दो फाइनल टीमों में जैतसर और 7 एलसी के खिलाड़ियों ने फाइनल जीता। पहला इनाम 5100 और दूसरा इनाम 4100 रखा गया।

टूनार्मेंट का आयोजन दीपू और 24 एनपी समस्त ग्रामवासियों द्वारा किया गया, जिसमें युवा नेता समाजसेवी हरविंदर सिंह पन्नू 40पीएस ने टूनार्मेंट में खिलाड़ी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। साथ में युवा नेता समाजसेवी हरविंदर सिंह पन्नू को टूनार्मेंट कमेटी द्वारा एचडी वॉलपेपर से सम्मानित किया गया और धन्यवाद किया गया कि आप पहुंचे।

बहुत-बहुत धन्यवाद हरविंदर पन्नू, समय-समय पर खिलाड़ियों को हौसला देते रहते हैं और उन्हें कहते हैं कि नशे से दूर रहें और अपने माता-पिता का नाम रोशन करें और अपने क्षेत्र का नाम रोशन करें। हरविंदर पन्नू के साथ मनप्रीत औलाख, डॉ. मांगीलाल, शिंदा 32 वाला, लखा 34 वाला, बागु, सूखा 34 वाला आदि नौजवान साथी पहुंचे।

बलरामपुर के ब्लॉक हरैया के हसनापुर में जल टंकी निर्माण रुकने से दिखी आशा की किरण

विजय कुमार (यूपी)

उत्तर प्रदेश: ब्लॉक हरैया सतघरवा के ग्रामसभा हसनापुर में मेसर्स दास इकोप्रोटेक्शन द्वारा कार्य शुरू किया गया था, लेकिन एक वर्ष से अधिक समय से जल जीवन मिशन टंकी निर्माण रुका हुआ था, जिसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर कई बार करने पर भी कार्य नहीं हो रहा है। शिकायत संदर्भ संख्या इस प्रकार हैं: 40018224020503, 40018225001929, 40018225005806, 40018225007665। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से आग्रह किया है कि कार्य शीघ्रता से पूरा कराने की कृपा करें। ग्रामीण: विजय कुमार शुक्ला, रामगोपाल मिश्रा, शिवमगन शुक्ला, देवीदत्त मिश्र, दीपक कुमार शुक्ला, संदीप मिश्र, सुखदेव प्रसाद मिश्रा, संतोष तिवारी, मदन मिश्र, मुकेश मिश्रा, विनोद तिवारी, शिवा तिवारी, धर्मेंद्र मिश्र, सर्वेश मिश्रा, अनंतराम, बबलू मिश्रा, प्रवीन मिश्र और अन्य लोग।

उत्तर प्रदेश: दहेज की खातिर एक और बेटी की हत्या, इलाके में शोक का माहौल

छत्र पाल

उत्तर प्रदेश: भमोरा क्षेत्र के बल्लिया में एक बिन पिता की बेटी को दहेज लोभियों ने मार डाला। मामला बल्लिया कस्बा के आंगन लाल बाल्मीकि की बेटी दुर्गा की दहेज की खातिर हत्या का आरोप उसके ससुराल वालों पर लगाया गया है। तीन भाई और तीन बहनों में चार नंबर की संतान 20 वर्षीय बेटी दुर्गा की हत्या उसके पति अभिषेक, सास कांति देवी, ससुर वेदप्रकाश, फुफेरे देवर राजा, तनु, रवि पुत्रगण विक्की, अर्चना उर्फ कल्लो पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए थाना भमोरा में तहरीर दी गई है। मृतक के भाई अमर बाबू ने अपनी छोटी बहन दुर्गा की शादी दो वर्ष पहले पड़ोस के रहने वाले वेद प्रकाश के बेटे अभिषेक से की थी। शादी के बाद दो वर्ष तक बच्चे न होने का ताना मारते थे, साथ ही मृतक दुर्गा से दहेज की मांग करते थे। मृतक की मां कमलेश की तरफ से थाने में दहेज हत्या की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के बाद शव को मायके वालों को अंतिम संस्कार के लिए दे दिया गया है। आरोपी सभी मृतक के ससुराल वाले नामजद आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।

मीरजापुर के ग्राम दुहौवा में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक ने चौपाल का किया आयोजन

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: मीरजापुर आज दिनांक 17 मई 2025 को ग्राम दुहौवा में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक द्वारा चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें शाखा विंध्याचल के ग्रामीणों ने भाग लिया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विंध्याचल शाखा के सहायक प्रबंधक श्री राम कुमार पांडे उपस्थित रहे।

चौपाल में उपस्थित ग्राहकों को वित्तीय परामर्शदाता श्री वीरेंद्र कुमार मौर्य द्वारा बैंक की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई तथा ग्राहकों की विभिन्न समस्याओं का समाधान भी किया गया। उक्त चौपाल में काफी संख्या में ग्रामीणों एवं समूह की महिलाओं ने भाग लिया।

राजनीति में इस वक्त सत्ता और साख की टक्कर ने तूल पकड़ लिया, माफिया खामियाजा भुगतना पड़ रहा

छत्र पाल

उत्तर प्रदेश: बरेली से भाजपा सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार और उनके भतीजे दुष्यंत गंगवार को माफिया कहने का खामियाजा अब पूर्व ब्लॉक प्रमुख के पति चौधरी आराम सिंह को भुगतना पड़ रहा है। उत्तराखंड में दिए गए एक बयान के बाद अब पूरा घटनाक्रम कानूनी मोड़ ले चुका है। सांसद के भतीजे दुष्यंत ने मानहानि और धमकी देने के आरोप में देवरनियां थाने में एफआईआर दर्ज करा दी है।

यह मामला महज एक टिप्पणी का नहीं है, बल्कि भाजपा की अंदरूनी राजनीति और गुटबाजी की एक परत को भी उजागर करता है। दुष्यंत गंगवार की पत्नी दमखोदा ब्लॉक प्रमुख हैं और वह खुद भी राजनीतिक रूप से सक्रिय हैं। वहीं चौधरी आराम सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख के पति हैं और खुद को पुराने भाजपा कार्यकताओं में गिनवाते हैं।

बहेड़ी में एक कार्यक्रम के दौरान चौधरी आराम सिंह ने सांसद के भतीजे दुष्यंत गंगवार पर बेहद तीखी टिप्पणी करते हुए उन्हें भूमाफिया बच्चा माफिया और दुर्योधन कह डाला। इतना ही नहीं, उन्होंने सांसद छत्रपाल सिंह पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह अपने भतीजे को राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण।

गुलजार हाउस के पास एक बिल्डिंग में भीषण आग लगी है, घटना में 17 लोगो की हुयी दर्दनाक मौत

संदीप कुमार

उत्तर प्रदेशः इस घटना में झुलसने से 17 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए हैं। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया है।

हालांकि मौके पर राहत व बचाव कार्य अभी जारी है। घटना रविवार की सुबह करीब पांच से छह बजे के बीच की है। अभी तक आग के कारणों का पता नहीं चल सका है।

आशंका है कि इमारत में लगी एसी में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। फिलहाल मौके पर फायर ब्रिगेड की 11 गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हैं। वहीं घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए 10 एंबुलेंस भी बुलाई गई हैं। फायर ब्रिगेड के मुताबिक काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू तो पा लिया गया है। हालांकि इतने प्रयास के बाद भी आग में फंसे 17 लोगों को नहीं बचाया जा सका। 14 लोगों का किया रेस्क्यू

दमकल कर्मियों के मुताबिक अब तक जिन लोगों को बाहर निकाला गया है, उनमें तीन बच्चों सहित 14 लोग शामिल हैं। यह सभी बुरी तरह झुलसे हुए हैं। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां इनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक इस इमारत में 30 से अधिक लोग रह रहे थे। इनमें ज्यादातर किराएदार थे।

अचानक निकली चिंगारी

पुलिस के मुताबिक, इमारत में आग के कारणों का पता लगाया जा रहा है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक रात में बहुत गर्मी थी और मकान में लगे सभी एसी चल रहे थे। इसकी वजह से मकान की वायरिंग गर्म हो गई। इसी दौरान वायरिंग में आग लग गई और इसमें से निकली चिंगारी ने देखते ही देखते भयानक रूप ले लिया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को बाहर भागने का भी मौका नहीं मिला।

मंगल सूत्र पहनाने के तुरंत बाद दूल्हे की हार्ट अटैक से हुई मौत, शादी वाले दिन हुई दुल्हन विधवा

संदीप कुमार

उत्तर प्रदेशः कर्नाटक के बागलकोट जिले में शनिवार को शादी समारोह के दौरान बेहद दुखद घटना घटी। 25 वर्षीय दूल्हे प्रवीण ने अभी अपनी दुल्हन के गले में मंगलसूत्र बांधकर विवाह की रस्म पूरी की ही थी, अचानक उसके सीने में दर्द होने लगा। इस बारे में शिकायत के तुरंत बाद वह बेहोश होकर गिर पड़ा। यह देखकर उसके परिवार वाले और दोस्त हैरान रह गए। यह घटना बागलकोट के जमखंडी कस्बे की है। शादी समारोह में मौजूद लोगों ने बताया, 'मंगलसूत्र बांधने के बाद प्रवीण को असहज महसूस हुआ और कुछ ही देर में वह जमीन पर गिर गया। आनन-फानन में उसे नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।'

प्रवीण की मृत्यु का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है। फिलहाल, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। इस घटना के चलते पूरे समुदाय के लोग शोक में डूब गए और नवविवाहित दुल्हन के लिए यह पल भारी दुख में बदल गया। गौरतलब है कि यह कोई पहली घटना नहीं है जब ऐसी त्रासदी हुई। जब उत्सव का माहौल मातम में बदल गया। इसी साल फरवरी में मध्य प्रदेश में संगीत समारोह के दौरान ऐसी घटना हुई। 23 वर्षीय महिला को मंच पर हार्ट अटैक आया और उसकी मृत्यु हो गई। इसी तरह दिसंबर 2024 में उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में ऐसा हादसा हुआ था। 14 वर्षीय छात्र की खेल प्रतियोगिता की तैयारी के दौरान हार्ट अटैक से मृत्यु हो गई थी।

राजमहल में रेलवे अधोसंरचना को मिला नया आयाम, राजमहल स्टेशन का पुनर्विकास कार्य प्रगति पर

सोनू कुमार

झारखण्डः साहिबगंज, राजमहल पूर्वी रेलवे के मालदा मंडल द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत राजमहल रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का अवलोकन शुक्रवार को एक विशेष मीडिया टूर के माध्यम से कराया गया। इस दौरे का नेतृत्व मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) यतीश कुमार ने किया, जिनके साथ मंडल के वरिष्ठ अधिकारीगण भी मौजूद थे। इस अवसर का मुख्य उद्देश्य मीडिया को पुनर्विकास कार्यों की वर्तमान स्थिति, तकनीकी विशेषताओं एवं भविष्य की योजनाओं से अवगत कराना था। विदित हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अगस्त 2023 में इस परियोजना की आधारशिला वर्चुअल माध्यम से रखी गई थी। एनएसजी-5 श्रेणी में शामिल राजमहल रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास प्रथम चरण में जारी है। इस स्टेशन को अत्याधुनिक सुविधाओं

और विश्वस्तरीय संरचनाओं से युक्त किया जा रहा है। प्रमुख विशेषताएंः आधुनिक एवं आकर्षक अग्रभाग (फेसिंग) का निर्माण, प्लेटफॉर्म का विस्तार एवं परिसंचारी क्षेत्र का सुदृढ़ीकरण, प्रतीक्षालय एवं शौचालय सुविधाओं का नवीनीकरण, बड़े साइनेज, वीडियो वॉल तथा स्थानीय सांस्कृतिक कलाकृतियों से सुसज्जित इंटीरियर, दिव्यांगजनों हेतु विशेष सुविधा एवं रैम्प। डीआरएम श्री यतीश कुमार ने बताया कि ह्वराजमहल स्टेशन का नया डिजाइन स्थानीय सांस्कृतिक विरासत एवं ऐतिहासिक धरोहरों से प्रेरित है, जिससे यात्रियों को एक नया अनुभव मिलेगा। स्टेशन के आधुनिकीकरण से पर्यटन और व्यापार को भी बल मिलेगा।ह्व मीडिया टूर के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों ने परियोजना की तकनीकी एवं कार्यान्वयन से जुड़ी बारीकियों को साझा किया।

पंजाबः रेहड़ी-फड़ी वाले ने निगम अधिकारी और सोशल मीडिया एक्टिविस्ट पर लगाया ब्लैकमेलिंग का आरोप

दविंदर कुमार शर्मा

पंजाबः फगवाड़ा 16 मई फगवाड़ा में पिछले कुछ समय से सरकारी कर्मचारियों और सोशल मीडिया पर सक्रिय स्वयंभू पत्रकारों की मिलीभगत से भोले-भाले लोगों को ठगने के कई मामले सामने आए हैं। ऐसा ही मामला फगवाड़ा के बसंत नगर की गली नंबर 3 निवासी काला पुत्र बैज नाथ के साथ भी देखने को मिला है। पीड़ित काला ने एस.पी. रुपिंदर कौर भट्टी और ए.डी.सी. डा. अक्षिता गुप्ता को ज्ञापन सौंपकर बताया कि खुद को पत्रकार कहने वाले कुछ लोग नगर निगम के एक अधिकारी से मिलीभगत कर रेहड़ी-पटरी वालों को ब्लैकमेल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग पहले अपने गिरोह के एक स्वयंभू पत्रकार साथी के माध्यम से मुख्यमंत्री पंजाब के पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हैं। फिर वह शिकायत निगम अधिकारी हरप्रीत सिंह के पास

पहुंचती है। उस शिकायत के आधार पर हरप्रीत सिंह संबंधित रेहड़ी वाले को सरकारी जगह पर किया अवैध कब्जा छोड़ने के लिए धमकाता है।

फिर उनका साथी पत्रकार वहां पहुंचता है और मामले को निपटाने के बदले में रेहड़ी-पटरी वाले से पैसे की मांग करता है। उसने बताया कि उस पत्रकार ने उससे भी कहा कि हरप्रीत सिंह से उसकी सेटिंग है और वह पांच हजार रुपये में शिकायत रफा-दफा करवा देगा। पीड़ित ने न्याय की मांग करते हुए कहा कि वह बीमार रहता है और रेहड़ी लगाकर किसी तरह अपने बच्चों का पालन-पोषण कर रहा है। इस दौरान समाज सेवक विजय कुमार और शिवसेना यूबीटी पंजाब के प्रेस सचिव कमल सरोज ने कहा कि कुछ तथाकथित पत्रकार और सरकारी कर्मचारी शहर की छवि खराब कर रहे हैं।

उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरे शहर के अवैध कब्जे दरकिनार कर केवल किसी एक रेहड़ी-पटरी वाले को परेशान करना सरासर गलत है। इस पूरे मामले की गहराई से जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बात की भी जांच होनी चाहिए कि निगम कर्मचारी हरप्रीत सिंह के पास कितनी शिकायतें पहुंची और उसने कितने मामलों में सेटिंग की है। उन्होंने साफ कहा कि जब तक इस पूरे गोरखधंधे का पदार्फाश नहीं हो जाता, वे चुप नहीं बैठेंगे। तस्वीरः फगवाड़ा में एडीसी डा. अक्षिता गुप्ता को ज्ञापन देते समय पीड़ित के साथ समाज सेवक विजय, बसंत नगर, शिवसेना नेता कमल सरोज व अन्य।

जैविक खेती से होगा घातक बीमारियों का खात्मा, किसानो को मिली बड़ी राहत

मांगी लाल

राजस्थानः कृषि को प्राकृतिक स्वरूप में लौटाने और किसानों को रासायनिक खेती के दुष्परिणामों से अवगत कराने हेतु ग्राम पंचायत मुख्यालय हरियाढाणा में एक दिवसीय किसान जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कृषि विभाग जोधपुर के दिशा-निर्देशन में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किसानों ने भागीदारी की। कुल 125 किसानों ने पंजीकरण करवा कर जैविक खेती की ओर अपने रुझान को बताया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और किसान सेवा केंद्र हरियाढाणा के संयोजक डॉक्टर राजू राम ने कहा कि आज की रासायनिक खेती न केवल मिट्टी

की उर्वरता समाप्त कर रही है, बल्कि मनुष्य के स्वास्थ्य पर भी गंभीर दुष्परिणाम डाल रही है। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के प्रयोग से मिट्टी में मौजूद लाभकारी केंचुए और छोटे-छोटे जीव मर जाते हैं, जिससे भूमि बंजर होती जा रही है। बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। उन्होंने किसानों को जैविक उर्वरकों जैसे जर्मी पोस्ट, कंपोस्ट, गोबर की खाद, हरी खाद, केंचुआ खाद, जीवामृत और जैविक उर्वरकों को उपयोग में लेने की जानकारी दी।

पी एस इंटरनेशनल स्कूल पलिया में अभिभावक-शिक्षक संवाद का हुआ आयोजन

अभिषेक कुमार यादव

उत्तर प्रदेशः पलिया पी एस इंटरनेशनल स्कूल के प्रांगण में अभिभावक-शिक्षक संवाद का आयोजन हुआ। इस आयोजन में मासिक टेस्ट और छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। पैरेंट्स मीटिंग में बच्चों की प्रगति और विद्यालय की गतिविधियों पर चर्चा की गई। अभिभावकों ने सक्रिय भागीदारी की और अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए चर्चा की। इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना था। विद्यालय के चेयरमैन, अमित कुमार यादव ने कहा कि शिक्षा वह माध्यम है, जिससे राष्ट्र निर्माण की नींव मजबूत होती है। प्रधानाचार्य ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ता है और शिक्षकों का योगदान भी सराहनीय होता है, जो नई पीढ़ी को दिशा देने का कार्य करते हैं। विद्यालय के चेयरमैन ने सभी अभिभावकों को यह भरोसा दिलाया कि आप लोगों के बच्चों के भविष्य के लिए विद्यालय शिक्षा को जितना आगे ले जा सकता है, उतना लेकर जाएगा।

राणापुर के 115 और थांदला के 400 सिविल डिफेंस वॉलिंटियर्स का प्रशिक्षण संपन्न हुआ

आरिफ मोहम्मद

मध्य प्रदेशः झाबुआ सिविल डिफेंस की कंट्रोलर कलेक्टर नेहा मीना के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे सिविल डिफेंस वॉलिंटियर्स के प्रशिक्षण में 14 मई 2025 को तहसील राणापुर के 115 और तहसील थांदला के 400 सिविल डिफेंस वॉलिंटियर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड ने प्रशिक्षण में सिविल डिफेंस व उसकी 12 सेवाओं की जानकारी देते हुए हवाई हमले या आपात स्थिति में सायरन बजाने पर क्या करना है, आग बुझाने, मलवे में दबे घायलों को निकालकर उन्हें प्राथमिक उपचार देकर एंबुलेंस तक ले जाने की इमरजेंसी मैथड की सिखलाई दी गई। उन्हें भूकंप व बाढ़ के

दौरान बचाव कार्य करने की जानकारी भी दी गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र राणापुर की बीएमओ एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र थांदला की मेडिकल टीम द्वारा प्राथमिक उपचार तथा सीपीआर का प्रशिक्षण दिया गया।

इस प्रशिक्षण में थांदला के एसडीओपी श्री रविंद्र राठी, तहसीलदार राणापुर श्री सुखदेव डावर, थाना प्रभारी, सीएमओ नगर पालिका, पुलिस व राजस्व विभाग के अधिकारी तथा थांदला के नागरिक भारी संख्या में उपस्थित थे। प्रशिक्षणार्थियों ने इस प्रशिक्षण को काफी उपयोगी बताया।

उत्तर प्रदेशः वट वृक्ष की पूजा करने से पति की दीर्घायु व संतान सुख की होती है प्राप्ति

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेशः 26 को दोपहर 12:11 से शुरू होगी, 27 मई सुबह 8:31 बजे होगा समापन। हिंदू धर्म में धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वटवृक्ष की पूजा करने से पति की दीघार्यु और संतान सुख की प्राप्ति होती है। यह व्रत विधि पूर्वक किया जाता है, जिससे साधक को भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस वर्ष यह पूजा 26 मई, सोमवार को किया जाएगा। वट सावित्री व्रत महिलाओं के लिए एक विशेष पर्व माना जाता है। यह व्रत विशेष रूप से महिलाओं द्वारा ज्येष्ठ अमावस्या के दिन रखा जाता है। मान्यताओं के अनुसार, महिलाएं इस दिन वटवृक्ष के नीचे विधि-विधान से पूजा करें, तो इससे न केवल पति की प्रगति के रास्ते खुलते हैं बल्कि घर की

आमदनी भी बढ़ सकती है। पंचांग के अनुसार इस वर्ष अमावस्या तिथि की शुरूआत 26 मई को दोपहर 12:11 बजे से होगी और इसका समापन 27 मई को सुबह 8:31 बजे होगा।

चूंकि अमावस्या तिथि का प्रभाव दिन में रहेगा, इसलिए वट सावित्री व्रत 26 मई को रखा जाएगा। इस दिन सुहागिन महिलाओं को सौंदर्य और श्रृंगार का सामान भेंट में देना अत्यंत शुभ माना गया है। इससे वैवाहिक संबंधों में मिठास आती है और पति-पत्नी के बीच प्रेम बना रहता है। वट सावित्री व्रत के दिन कम से कम 11 विवाहित महिलाओं को सुहाग का सामान उपहार स्वरूप देना अत्यंत फलदायी माना गया है।

दुद्धी तहसील क्षेत्र के धनौरा गांव निवासी पुरोहित पं. त्रिभुवन तिवारी ने बताया कि परिवार की आर्थिक संकट, कर्ज, इसके साथ ही वैवाहिक जीवन में तनाव से मुक्ति के लिए इस दिन माता लक्ष्मी को पीले रंग की 11 कौड़ियां अर्पित करने की परंपरा है। यदि पीली कौड़ियां उपलब्ध न हों तो सफेद कौड़ियों पर हल्दी लगाकर अर्पित किया जा सकता है। इस उपाय से आर्थिक अर्चना से मुक्ति मिलने की संभावना होती है। यह पूजा स्त्री या उनके पति दोनों कर सकते हैं। इस दिन पति-पत्नी दोनों मिलकर घी का दीपक जलाकर वट वृक्ष की 11 बार परिक्रमा करने से दांपत्य जीवन में सामंजस्य बढ़ता है।

पादरा कसबा में गैर कानूनी दबाव हटाया गया

100 करोड़ रुपये की सरकारी जमीन खोली गई

विजय देवेन्द्रभाई मकवाना

गुजरातः वडोदरा जिले के पादरा नगर में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हटाने के लिए चल रहे अभियान में पिछले एक महीने में लगभग 100 करोड़ रुपये की बेशकीमती जमीन मुक्त कराई गई है। जिला प्रशासन ने कहा कि सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने का अभियान जारी रहेगा। शासकीय सर्वे क्रमांक की भूमियों पर दबाव हटाने हेतुकलेक्टर डॉ. अनिल धमेलिया और निवासी अपर कलेक्टर बी.एस. पटेल ने निर्देश दिए हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, वडोदरा ग्रामीण प्रांतीय अधिकारी राजेश चौहान और पादरा मामलतदार एच.जे. गोहिल ऐसे दबावों पर बुलडोजर चला रहे हैं। पिछले एक माह के दौरान इसी प्रक्रिया के तहत पादरा कसबा की तीन अलग-अलग सरकारी जमीनों

से दबाव हटाया गया है। पादरा कसबा में सर्वे नंबर 561 और 562, कैनाल प्लॉट नंबर 8, 39 और 57 से पूरी तरह से 37,935 वर्ग मीटर भूमि को हटा दिया गया है, जिसका बाजार मूल्य लगभग 68.28 करोड़ रुपये है। इसी प्रकार सर्वे नंबर 67/1/ए और फाइनल प्लॉट नंबर 55 से 9,954 वर्ग मीटर जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया है, जंत्री के अनुसार इस जमीन की कीमत 17.91 करोड़ रुपये बनती है। इसके अलावा सर्वे नंबर 1351 और फाइनल प्लॉट नंबर 56 के ऊपर की 5,166 वर्ग मीटर जमीन से दबाव हटा दिया गया है। इस जमीन का बाजार मूल्य लगभग 8.29 करोड़ रुपये है। इस प्रकार कुल 53,055 वर्ग मीटर शासकीय भूमि को सिस्टम द्वारा कब्जा मुक्त कराया गया है, जिसका कुल बाजार मूल्य 95.49 करोड़ रुपये है।

संपादकीय

'बदजुबान' नेता-मंत्री

मंत्री और नेता 'बदजुबान' क्यों होने लगते हैं? वे आपत्तिजनक ही नहीं, अश्लील, शर्मनाक और मयार्दाहीन भाषा क्यों बोलने लगते हैं? उच्च न्यायालय को उसे ह्यगटर की भाषाह्ण क्यों करार देना पड़ता है? वे निजी हमले भी करते हैं और देश की संप्रभुता, एकता, अखंडता के लिए खतरनाक बोली भी बोलते हैं। यह कानूनन मानहानि ही नहीं, देशद्रोह की परिधि में भी आना चाहिए। मप्र के जनजातीय कल्याण मंत्री और 8 बार के निर्वाचित विधायक विजय शाह तो आदतन और सिलसिलेवार 'गालीबाज' रहे हैं। न जाने क्यों भाजपा अभी तक उन्हें ढो रही है? सिर्फ चुनाव जीतना ही राजनीति नहीं होता। राजनीति के सामाजिक और वैचारिक मूल्य भी होने चाहिए। भाषा अभद्र नहीं होनी चाहिए।

दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी के महासचिव एवं वरिष्ठ सांसद रामगोपाल यादव ने खुलासा किया है कि एयर मार्शल एवं वायुसेना ऑपरेशन के महानिदेशक एके भारती 'यादव' हैं और विंग कमांडर व्योमिका सिंह हरियाणा की 'जाटव' हैं। इन दोनों सैन्य अधिकारियों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की कार्रवाई को देश को ब्रीफ किया था। उनके साथ कर्नल सोफिया कुरैशी भी थीं, जिनके खिलाफ मप्र के मंत्री ने 'जहर उगला' था। उन्हें 'आतंकियों की बहन' तक करार दिया था। सवाल है कि इन दोनों नेताओं को बदजुबानी कर क्या हासिल हुआ? सेना और सैनिक का कोई जाति-धर्म नहीं होता। वे सिर्फ 'भारतीय' होते हैं। बेशक मप्र के मंत्री ने बाद में कई बार माफी भी मांग ली, लेकिन वह निर्लज्जता की हंसी भी हंसते रहे। यह हमारे लोकतंत्र के नेताओं-मंत्रियों का चरित्र है। मंत्री विजय शाह का दूसरों के प्रति बदजुबानी का पुराना इतिहास रहा है। उन्होंने 2013 में मप्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की पत्नी तक को नहीं छोड़ा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर फब्तियां कसीं। चलो, इसे राजनीति के खाते में डाल देते हैं। किन्नर समुदाय का मजाक उड़ाया और अब आतंकवाद तथा मुस्लिम की आड़ में ऐसे अपशब्दों का प्रयोग किया है, जिन्हें हमारी नैतिकता लिखने से रोकती है। दरअसल यह अलगाववादी सियासत है। भाजपा में एक तबके की सोच यह है कि मुसलमानों को जितनी गालियां दोगे, हिंदुओं के उतने ही वोट मिलेंगे। यह गलतफहमी है। मप्र उच्च न्यायालय की जबलपुर बेंच ने कर्नल सोफिया के प्रति मंत्री की बदजुबानी का स्वतः संज्ञान लिया है।

अब सुप्रीमकोर्ट से राष्ट्रपति मुर्मू की भिडंत

> सुप्रीम कोर्ट की जिस पीठ ने फैसला सुनाया था उसमें जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और आर. महादेवन भी शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था, राज्यपाल को किसी विधेयक पर तीन महीने के भीतर निर्णय लेना होगा। इस समय सीमा में या तो स्वीकृति दें या पुनर्विचार हेतु लौटा दें। यदि विधानसभा पुनः विधेयक पारित करती है तो राज्यपाल को एक महीने मे उसकी स्वीकृति देनी होगी।

-राकेश अचल-

लगता है कि सरकार और भाजपा के बडे नेता सुप्रीमकोर्ट को चैन से नही बैठने देंगे। सुप्रीमकोर्ट से पहले भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और बाद में उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड ने मुठभेड की थी। दुबे ने सीजेआई को देश में चल रहे तमाम गृहयुद्धों के लिए जिम्मेदार ठहराया था और धनकड ने राज्यपालों के अधिकारों को सीमित करने पर आपत्ति जताई थी। अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी सुप्रीम कोर्ट के 8 अप्रैल के ऐतिहासिक फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई है। राष्ट्रपति ने इस फैसले को संवैधानिक मूल्यों और व्यवस्थाओं के विपरीत बताया और इसे संवैधानिक सीमाओं का अतिक्रमण करार दिया।

संविधान की अनुच्छेद 143(1) के तहत राष्ट्रपति ने सर्वोच्च न्यायालय से 14 संवैधानिक प्रश्नों पर राय मांगी है। यह प्रावधान बहुत कम उपयोग में आता है, लेकिन केंद्र सरकार और राष्ट्रपति ने इसे इसलिए चुना क्योंकि उन्हें लगता है कि समीक्षा याचिका उसी पीठ के समक्ष जाएगी जिसने मूल निर्णय दिया और सकारात्मक परिणाम की संभावना कम है।

सुप्रीम कोर्ट की जिस पीठ ने फैसला सुनाया था उसमें जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और आर. महादेवन भी शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था, राज्यपाल को किसी विधेयक पर तीन महीने के भीतर निर्णय लेना होगा। इस समय सीमा में या तो स्वीकृति दें या पुनर्विचार हेतु लौटा दें। यदि विधानसभा पुनः विधेयक पारित करती है तो राज्यपाल को एक महीने मे उसकी स्वीकृति देनी होगी। यदि कोई विधेयक राष्ट्रपति के पास भेजा गया हो तो राष्ट्रपति को भी तीन महीने के भीतर निर्णय लेना होगा।

राष्ट्रपति नेश्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने इस फैसले को संविधान की भावना के प्रतिकूल बताया और कहा कि अनुच्छेद 200 और 201 में ऐसा कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है। राष्ट्रपति ने कहा, संविधान में राष्ट्रपति या राज्यपाल के विवेकाधीन निर्णय के लिए किसी समय-सीमा का उल्लेख नहीं है। यह निर्णय संविधान के संघीय ढांचे, कानूनों की एकरूपता, राष्ट्र की सुरक्षा और शक्तियों के पृथक्करण जैसे बहुआयामी विचारों पर आधारित होते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि यदि विधेयक तय समय तक लंबित रहे तो उसे मंजूरी प्राप्त माना जाएगा। राष्ट्रपति ने इस अवधारणा को सिरे से खारिज किया और कहा, ह्लमंजूर प्राप्त की अवधारणा संवैधानिक व्यवस्था के विरुद्ध है और राष्ट्रपति तथा राज्यपाल की शक्तियों को सीमित करती है।ह्व उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जब संविधान स्पष्ट रूप से राष्ट्रपति को किसी विधेयक पर निर्णय लेने का विवेकाधिकार देता है तो फिर सुप्रीम कोर्ट इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप कैसे कर सकता।

राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट की अनुच्छेद 142 के तहत की गई व्याख्या और शक्तियों के प्रयोग पर भी सवाल उठाए हैं । इसके तहत न्यायालय को पूर्ण न्याय करने का अधिकार मिलता है। राष्ट्रपति ने कहा कि जहां संविधान या कानून में स्पष्ट व्यवस्था मौजूद है वहां धारा 142 का प्रयोग करना संवैधानिक असंतुलन पैदा कर सकता है।परोक्ष रुप से राष्ट्पति की चिंता पूरी भाजपाऔर संघ की चिंता है।

हमेशा मौन रहने वाली राष्ट्रपति मुर्मू ने एक और महत्वपूर्ण सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारें संघीय मुद्दों पर अनुच्छेद 131 (केंद्र-राज्य विवाद) के बजाय अनुच्छेद 32 (नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा) का उपयोग क्यों कर रही हैं। उन्होंने कहा, ह्लराज्य सरकारें उन मुद्दों पर रिट याचिकाओं के माध्यम से सीधे सुप्रीम कोर्ट आ रही हैं। यह संविधान के अनुच्छेद 131 के प्रावधानों को कमजोर करता है।ह्व

सवाल ये है कि सरकार एक एककर सभी संवैधानिक प्रमुखों का इस्तेमाल सुप्रीमकोर्ट से टकराने के लिए क्यों कर रही है? हमारी राष्ट्रपति मानें या न मानें हैं तो रबर स्टेंप ही। हां उन्हे हस्तक्षेप का अधिकार संविधान ने जरूर दिया है। उनके पास सरकारी विधेयकों को लौटाने का हक भी है। इस हक का इस्तेमाल दही- मिश्री खिलाने वाले हाथ कभी नहीं करते। ज्ञानी जैल सिंह जैसे राष्ट्रपति जरूर सुप्रीमकोर्ट से टकराने के बजाय सरकार से टकराने का साहस रखते थे। बहरहाल बात ये है कि क्या छह महीने के लिए देश के मुख्य न्यायाधीश बने जस्टिस बीआर गवई साहब राष्ट्रपति महोदया की आपत्तियों का निराकरण कर पाएंगे या फिर गेंद छह माह बाद आने वाले अपने उत्तराधिकारी के पाले में डालकर बच निकलेंगे?

राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू एक भद्र महिला हैं, वे धनकड की तरह बडबड नहीं करतीं। उनकी इसी विनम्रता का लाभ परोक्ष रूप से अपनी राजनीति के लिए करती रही है। देश में जितने भी विधानसभा चुनाव हाल के वर्षों में हुए सरकार ने चुनाव से पहले राष्ट्रपति को उन राज्यों के आदिवासी अंचलों में भेजा। मप्र, झारखंड के राष्ट्रपति के दौरे इसका प्रमाण हैं। हमें उम्मीद करना चाहिए कि हमारी राष्ट्रपति महोदया अपना राजनीतिक इस्तेमाल नहीं होने देंगी।

बयानबाजी से बाज आयें बड़बोले नेता

-विनोद कुमार सिंह-

सम्पूर्ण विश्व का ध्यान इन दिनों भारत पर टिकी हुई है। विशेषकर अन्तराष्ट्रीय राजनीति विशेलषज्ञों का, विगत दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत पाक युद्ध से जो स्थिति उत्पन्न हुई थी। जिसमें हमारी पराक्रमी सेनाओं नें आतंकी के आकाओं पाकिस्तान के सरजमीं में घुस कर उनके ठिकानों जमींदोष कर दिया है। जिसके बाद हमारे सेनाओं व देश-विदेशों में की जय जयकार हो रही थी, तभी मध्य प्रदेश के एक बड़ बोले भाजपा के कैबनेट मंत्री नें एक जन सभा में गैर जिम्मेदार ब्यान बाजी का बेसुरा राग अलाप दिया। यह मामला मध्य प्रदेश के उच्च न्यायलय में पहुँच गया। परिणाम की गंभीरता को भापते हुए कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी को लेकर भाजपा मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने दिया।

उच्च न्यायलय ने पुलिस महानिदेशक को आदेश दिया कि आज शाम 6 बजे तक एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया और चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर न्यायालय की अवमानना अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी। वही मंत्री के वकील ने तर्क दिया कि अदालत का आदेश पूरी तरह से अखबारों की रिपोर्टों पर आधारित था। अदालत ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता(बीएनएस)की धारा 196, जो धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी भड़काने वाले भाषणों या कार्यों को दंडित करती है, इस मामले में प्रथम दृष्टया लागू होती है। मध्य प्रदेश में मंगलवार को उस समय राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। राज्य के आदिवासी मामलों के मंत्री विजय शाह ने ऑपरेशन सिंदूर पर मीडिया को जानकारी देने वाली दो महिला सैन्य अधिकारियों में से एक कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में टिप्पणी की। कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने टिप्पणी को 'शर्मनाक और अश्लील' कहा। विपक्ष की ओर से व्यापक निंदा और अपनी ही पार्टी के भीतर आलोचना के बाद उन्होंने मंगलवार को माफी मांगी।

कर्नल सोफिया कुरैशी का स्पष्ट संदर्भ देते हुए शाह ने कहा, "जिन्होंने हमारी बेटियों को विधवा बनाया, हमने उन्हें सबक सिखाने के लिए उनकी अपनी बहन को भेजा। ऑपरेशन सिंदूर के शुरू होने के बाद से कुरैशी ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिस्री के साथ मीडिया को कई बार जानकारी दी थी। वही राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी कर्नल सोफिया कुरैशी के प्रति अपमान जनक टिप्पणियों की कड़ी निंदा की है तथा समाज से सशस्त्र बलों में सेवारत महिलाओं के प्रति सम्मान दिखाने का आह्वान किया है। हालांकि एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणी मध्य प्रदेश के मंत्री द्वारा कर्नल कुरैशी के खिलाफ की गई टिप्पणी से उपजे जनाक्रोश के बाद आई है। उन्होंने कहा, "यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ जिम्मेदार व्यक्तियों द्वारा ऐसे बयान दिए जा रहे हैं जो महिलाओं के प्रति अपमानजनक और अस्वीकार्य हैं। इससे न केवल हमारे समाज में महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचती है, बल्कि देश की उन बेटियों का भी अपमान होता है जो देश की सुरक्षा में अहम भूमिका निभा रही हैं।

आप को बता दे कि उच्च न्यायालय के आदेश पर मंत्री पर एफ आई आर दर्ज होने के बाद उन्होंने सर्वोच्च न्यायलय का दरवाजा खटखटाया। जहाँ विजय शाह के द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए गए विवादित बयान पर सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई है। इसके साथ सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के द्वारा दिए गए एफआईआर के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। जिसके बाद मंत्री विजय शाह की मुश्किलें बढ़ीं, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप एक मंत्री है, ऐसे संवेदन शील वक्त में एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को सोच समझकर बोलना चाहिए। सीजेआई ने कहा कि आप जानते हैं ना कि आप कौन हैं? इस पर विजय शाह ने वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल ने माफी मांग ली है। मीडिया ने उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया है। उनके वकील ने कहा कि हाई कोर्ट ने ऑर्डर पास करने से पहले हमें नही सुना गया। सीजेआई ने कहा कि आप हाई कोर्ट के समक्ष क्यों नहीं गए?जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सर्वविदित रहे कि विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर एक बयान दिया था। उन्होंने एक जनसभा में कर्नल सोफिया कुरैशी का नाम लेकर विवादित बयान दिया था।

इस पूरे मामले पर विवाद गहराने के बाद विजय शाह ने आजतक से बातचीत के दौरान माफी मांगते हुए कहा था कि मैं सपने में भी कर्नल सोफिया बहन के बारे में गलत नहीं सोच सकता। न ही मैं सेना के अपमान की बातें सपने में सोच नही सकता हुँ। सोफिया बहन ने जाति और धर्म से ऊपर उठकर देश की। इसी बीच एक और विवाद खड़ा हुआ जब मध्य प्रदेश केउपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने एक सभा में अपने बड़ बोलेपन कह दिया कि ह्लपूरा देश और सेना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चरणों में नतमस्तक है। जो हमारी भारतीय सेना की गरिमा पर सीधा प्रहार था। देश की सेना एक संवैधानिक संस्था है, तीनों सेना के महामहिम राष्ट्रपति होता, जिसका स्पष्ट उल्लेख संविधान में वर्णित है। देश की सेना न किसी राजनीतिक दल की है, न किसी व्यक्ति विशेष की होती है। जो अपने राष्ट्र के प्रति समर्पित होती है। उसका समर्पण संविधान, राष्ट्र और उसकी अखंडता के प्रति है किसी नेता या सरकार के प्रति नहीं। सम्पूर्ण विपक्ष ने इस पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि भाजपा अपनी ह्यव्यक्ति पूजाह्ण की राजनीति में सेना जैसे पवित्र संस्थान को भी लपेटने से नहीं चूकती।

उत्तर प्रदेश में भी राजनीतिक बयानबाजी ने नई हदें पार कीं जब समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने भारतीय वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह के लिए जातिसूचक टिप्पणी की। बल्कि यह सामाजिक ताने-बाने को भी छिन्न-भिन्न करने वाली थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने इसे सेना और समाज दोनों का अपमान करार दिया। भाजपा के कई अन्य नेताओं ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी। वहीं, रामगोपाल यादव ने बाद में सफाई दी कि उन्होंने ऐसा किसी दुर्भावना से नहीं कहा, लेकिन सवाल फिर वही उठता है क्या इतने वरिष्ठ नेता को यह नहीं पता कि सार्वजनिक मंच से जातिसूचक शब्द कहना सामाजिक और संवैधानिक दोनों स्तरों पर अपराध है? भारतीय राजनीति के गलियारों मे चिंता व चिन्तन होने लगा है कि राजनीतिक दल अपने नेताओं को केवल चुनाव जिताने वाली मशीनें न समझें, बल्कि उन्हें संवैधानिक जिम्मेदारी, नेता अपनी भाषा की मयार्दा और सामाजिक समरता व संतुलन का पाठ पढ़ाएं।

नेताओं के बिगड़े बोल से आहत होती राष्ट्रीयता

-ललित गर्ग-

सेना के शौर्य पर सम्मान की बजाय अपमान के बिगड़े बोल को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ जाना स्वाभाविक है। कर्नल सोफिया और विंग कमांडर ब्योमिका सिंह के संबंध में क्रमशः मंत्री विजय शाह और सपा महासचिव राम गोपाल यादव द्वारा की गई टिप्पणियों पर राजनीतिक विवाद और कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। बड़ा प्रश्न है कि क्या धर्म और जाति के नाम पर वोट के लिए सेना और सेना से जुड़ी बेटियों के सम्मान को चोट पहुंचाई जाना उचित है? चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष वाणी का संयम अपेक्षित है। भारतीय राजनीति में बिगड़े बोल, असंयमित भाषा एवं कड़ावपन की मानसिकता चिन्ताजनक है। ऐसा लगता है ऊपर से नीचे तक सड़कछाप भाषा ने अपनी बड़ी जगह बना ली है। यह ऐसा समय है जब शब्द सहमे हुए हैं, क्योंकि उनके दुरूपयोग की घटनाएं लगातार जारी हैं।

जब देश पहलगाम की त्रासद घटना एवं उसके बाद पाकिस्तान से बदला लेने की शौर्य की महत्वपूर्ण घटना के मोड़ पर खड़ा है, तब कुछ नेताओं के बिगड़े बोल बहुत दुखद और निंदनीय हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के एक मंत्री विजय शाह एवं समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। विजय शाह को राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की मांग तेज हो गई है। कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विजय शाह की विवादास्पद टिप्पणी एक ऐसा दाग है, जिसे आसानी से नजरंदाज नहीं किया जा सकता। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और मामला भी दर्ज हो गया, तो आश्चर्य नहीं। देश के नेताओं व मंत्रियों को ऐसी हल्की और स्तरहीन बातों से परहेज करना चाहिए।

नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि राजनीतिक स्तर पर आदर्श स्थिति हो, अनुशासन एवं संयम हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और इसी से देश एक आदर्श लोकतंत्र को स्थापित करने में सक्षम हो सकेगा। युद्ध जैसे माहौल में सेना एवं उसके नायकों का मनोबल बढ़ाने की बजाय उनके साहस एवं पराक्रम पर छींटाकशी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। चर्चा में बने रहने के लिए ही सही, राजनेताओं के विवादित बयान गाहे-बगाहे सामने आ ही जाते हैं, लेकिन ऐसे बयान एक ऐसा परिवेश निर्मित करते हैं जिससे राजनेताओं एवं राजनीति के लिये घृणा पनपती है। यह सही है कि शब्द आवाज नहीं करते, पर इनके घाव बहुत गहरे होते हैं और इनका असर भी दूर तक पहुंचता है और देर तक रहता है। इस बात को राजनेता भी अच्छी तरह जानते हैं इसके बावजूद जुबान से जहरीले बोल सामने आते ही रहते हैं।

यह चिंताजनक है कि इधर के वर्षों में कुछ भी बयान दे देने की बुरी आदत बढ़ रही है। बिगड़े बोल वाले नेता बेलगाम हो रहे हैं। कोई दो राय नहीं कि पहले राजनीतिक दलों और उसके बाद सरकारों को इस मोर्चे पर अनुशासन एवं वाणी संयम का बांध बांधना चाहिए। विजय शाह करीब आठ बार चुनाव जीत चुके हैं, मतलब, अनुभवी नेता हैं, तो क्या वह चर्चा में रहने के लिए बिगड़े बोल का सहारा लेते हैं? सर्वोच्च न्यायालय में खिंचाई के बाद अब वह सफाई देने में लगे हैं। उन्होंने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से बाहर ले जाया गया और उनका मकसद कर्नल कुरैशी की बहादुरी की प्रशंसा करना था। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी मेरी सगी बहन से भी बढ़कर हैं। वह माफी भी मांग रहे हैं, तो साफ है कि उनका पद खतरे में है। अगर वह पहले ही सावधानी बरतते या गलती होते ही माफी मांग लेते, तो मामला इतना नहीं बढ़ता। विजय शाह का मामला थमा भी नहीं है कि मध्य प्रदेश के ही उप- मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भी बिगड़े बोल को अंजाम दे दिया है। उनका मानना है कि देश की सेना प्रधानमंत्री के सामने नतमस्तक है। वास्तव में, ऐसी गलतबयानी से किसी के भी सम्मान में वृद्धि नहीं होती है। देश अभी-अभी एक संघर्ष से निकला है। यह एकजुटता और परस्पर समन्वय बढ़ाने के लिए संभलकर बोलने का समय है। राष्ट्रीय एकता एवं राजनीतिक ताने-बाने को ध्वस्त कर रहे जहरीले बोल की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।

संकीर्णता एवं राजनीति का उन्माद एवं 'हेट स्पीच' के कारण न केवल विकास बाधित हो रहा है, सेना का मनोबल प्रभावित हो रहा है, बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता भी खण्ड-खण्ड होने के कगार पर पहुंच गयी है। राजनेताओं के नफरती, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ बोलों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ी टिप्पणियां की है। भाषा की मयार्दा सभी स्तर पर होनी चाहिए। कई बार आवेश में या अपनी बात कहने के चक्कर में शब्दों के चयन के स्तर पर कमी हो जाती है और इसका घातक परिणाम होता है। मुद्दों, मामलों और समस्याओं पर बात करने की बजाय जब नेता एक-दूसरे पर निजी हमले करने लगें तो यह उनकी हताशा, निराशा और कुंठा का ही परिचायक होता है। यह आज के अनेक नेताओं की आदत सी बन गई है कि एक गलती या झूठ छिपाने के लिए वे गलतियों और झूठ का अंबार लगा देते हैं। क्या यह सत्ता का अहंकार एवं नशा है? संसद में गलती एक बार अटल बिहारी वाजपेयी से भी हुई थी, उन्होंने तत्काल सुधार करते हुए कहा था कि चमड़े की जुबान है, फिसल जाती है। बेशक, अच्छा नेता वही होता है, जो गलतियां नहीं करता और अगर गलती हो जाए, तो तत्काल सुधारता है।

जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि उनके अच्छे-बुरे बोल व गलत-सही कारनामे इतिहास में दर्ज हो रहे हैं।

बलूचिस्तान की आजादी की जंग

-संजय सिन्हा-

बलूचिस्तान में पाकिस्तान से आजादी के लिए जंग ने जोर पकड़ ली है। बलूच नेताओं ने जगह जगह विरोध प्रदर्शनों को काफी तेज कर दिया है। पाकिस्तान की सेना की तरफ से जबरन गायब किए गये लोगों और मानवाधिकार का उल्लंघन करने का हवाला देते हुए कई बलूच नेताओं ने बलूचिस्तान की आजादी का ऐलान कर दिया है। जिसके बाद माना जा रहा है कि पाकिस्तान की सेना एक बार फिर से बलूच के लोगों का कत्लेआम कर सकती है। बलूचिस्तान के स्वतंत्रता सेनानियों की तरफ से बलूचिस्तान के लिए अलग से राष्ट्रीय ध्वज और बलूचिस्तान का अलग नक्शा जारी किया गया है जिनमें बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग दिखाया गया है। सोशल मीडिया पर लगातार 'बलूचिस्तान रिपब्लिक' ट्रेंड कर रहा है।

ऑल इंडिया रेडियो की रिपोर्ट के मुताबिक बलूचिस्तान की प्रमुख बलूच कार्यकर्ता और लेखक मीर यार बलूच ने कहा है कि 'पाकिस्तान के कब्जे वाले बलूचिस्तान में आजादी की मांग को लेकर लोग सड़कों पर उतर आए हैं और राष्ट्रव्यापी आंदोलन किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'बलूचों ने देशव्यापी प्रदर्शन का ऐलान कर दिया है कि बलूचिस्तान, पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है। इसके अलावा मीर यार बलूच ने इंटरनेशनल कम्युनिटी और यूनाइटेड नेशंस से 'बलूचिस्तान लोकतांत्रिक गणराज्य' को एक संप्रभु राज्य के रूप में मान्यता देने का भी आग्रह किया है। वहीं अफगानिस्तान की निर्वासित सांसद मरियम सोलायमानखिल ने पाकिस्तान की सेना की बलूचों का जबरन अपहरण करने और उनसे क्रूरता करने की आलोचना की है। पाकिस्तान की सेना बलूचों के साथ काफी खतरनाक व्यवहार कर रही है। उन्होंने पाकिस्तानी सेना की कार्रवाई को 'जबरन उपनिवेशीकरण, जबरन कब्जा' करार दिया है जबकि पाकिस्तान दावा करता है कि वो आतंकवाद विरोधी अभियान चला रहा है। उन्होंने एक भारतीय समाचार एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि 'मुझे लगता है कि हर कोई उस सैन्य तानाशाही से तंग आ चुका है जिसके तहत वे रह रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा, 'बलूचिस्तान में हमारे पास डॉ. महंग बलूच जैसे शांतिपूर्ण अहिंसक कार्यकर्ता हैं जो जेल में हैं लेकिन ओसामा बिन लादेन और लश्कर ए तैयबा के नेताओं जैसे लोगों को देश में आजादी से घूमने की इजाजत है।

आपको बता दें कि बलूचिस्तान, पाकिस्तान का दक्षिण-पश्चिमी प्रांत है जो सबसे ज्यादा खनिज संपन्न प्रांत होने के बाद भी सबसे ज्यादा गरीब है। पाकिस्तान इन इलाकों की खनिज संपदा को बेचती है और उसका इस्तेमाल पाकिस्तान की सेना का पेट भरने और पाकिस्तानी पंजाब के डेवलपमेंट में खर्च होता है। बलूचिस्तान में चलने वाले ज्यादातर चीनी प्रोजेक्ट्स में भी पाकिस्तानी पंजाब के लोग ही काम करते हैं। लिहादा बलूचिस्तान सालों से आजादी की मांग कर रहा है। बलूच विद्रोही अकसर पाकिस्तानी पंजाब के लोगों का कत्ल करते रहते हैं। इस प्रांत में चीनी प्रोजेक्ट्स पर भी हमले होते रहते हैं। बलूच विद्रोही बलूचिस्तान की खनिज संपदा में बलूच लोगों के हिस्से की मांग करते हैं। बलूच लिबरेशन आर्मी भी एक स्वतंत्रता सेनानी संगठन है, जो बलूचिस्तान की आजादी की मांग कर रहा है। बलूच फ्रीडम फाइटर्स ने दो महीने पहले बलूचिस्तान में 450 से ज्यादा लोगों ले जारी ट्रेन को अगवा कर लिया था। पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत बलूचिस्तान आजादी की लड़ाई और भू-राजनीतिक खेल का केंद्र है। यहां एक ओर बलूच लोग दशकों से स्वतंत्रता के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तो दूसरी ओर चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा यानी सीपीईसी के जरिए चीन ने अरब सागर तक अपनी पहुँच बनाने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया है। हाल के भारतीय सैन्य अभियान, 'ऑपरेशन सिंदूर' (7 मई 2025), में चीन ने पाकिस्तान का खुलकर साथ दिया जो सीपीईसी को बचाने और भारत के सामने नयी चुनौती पेश करने की कोशिश थी। 1947 में बँटवारे के समय बलूचिस्तान चार रियासतों - कलात, खरन, लास बेला, और मकरान - से बना था। 11 अगस्त 1947 को, भारत की आजादी से चार दिन पहले, कलात के खान मीर अहमद यार खान ने बलूचिस्तान को स्वतंत्र घोषित किया लेकिन यह आजादी केवल 227 दिन चली। 28 मार्च 1948 को, जिन्ना के आदेश पर पाकिस्तानी सेना ने कलात पर कब्जा कर लिया और खान को जबरन विलय के दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने को मजबूर किया जबकि मोहम्मद अली जिन्ना ने स्वयं ब्रिटिशों के सामने कलात की स्वतंत्रता का केस लड़ा था। बलूच इसे धोखा मानते हैं और तब से विद्रोह कर रहे हैं। बलूचिस्तान अब पाकिस्तान से ज्यादा चीन का युद्धक्षेत्र बन गया है, क्योंकि यहाँ उढएउ (चीन पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरीडोर) का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। सीपीईसी 2015 में शुरू हुई 62 अरब डॉलर की परियोजना, चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का हिस्सा है। इसका लक्ष्य चीन के शिनजियांग को ग्वादर पोर्ट (बलूचिस्तान) से जोड़ना है।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षो से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

ताजा खबर

संक्षिप्त

सुरक्षा गार्ड की पत्थर मारकर हत्या

झारखंड। झारखंड के धनबाद जिले के केंदुआडीह थाने से सनसनीखेज घटना की खबर आ रही है. दरअसल, यहां सुरक्षा गार्ड की पत्थर से कूचकर हत्या कर दी गई. खून से लथपथ मिला शव जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान श्री राम कंपनी के सुरक्षा गार्ड 45 वर्षीय मिथलेश रवानी के रूप में हुई है. मृतक मिथलेश रवानी केंदुआडीह थाने से कुछ दूरी पर श्रीराम कंपनी द्वारा रखे गए पाइप की देखभाल करता था। शुक्रवार की सुबह स्थानीय लोगों ने खून से लथपथ शव को देखा और पुलिस को सूचना दी. वहीं, घटना की सूचना मिलते ही केंदुआडीह पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी. केंदुआडीह थाना प्रभारी प्रमोद पांडेय ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है. अपराधी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

पंजाब से भागे छह हत्यारे मंडी में काबू, बस स्टैड पर दबोचे

मंडी। पंजाब से हत्या मामले में फरार हुए छह आरोपियों को मंडी पुलिस ने काबू किया है। ये आरोपी पंजाब में एक छात्र को चाकू मारकर वहां से फरार हुए थे। पंजाब एलपीयू यूनिवर्सिटी में इन छात्रों ने 25 वर्षीय एक युवक की छुरा घोंपकर हत्या कर दी है। वहीं एक घायल बताया जा रहा है। ये सभी आरोपी यूपी-बिहार के रहने वाले हैं। आरोप हैं कि इन्होंने कुछ छात्राओं को शराब के नशे में छेड़ दिया और उनके मोबाइल नंबर मांगे। इतने में मोहम्मद वदा और अहमद ने जब इन्हें, रोका तो इन युवकों ने इन दोनों पर चाकू चला दिया, जिसमें एक की मौत हो गई है और एक घायल है। वारदात को अंजाम देने के बाद यह मंडी की ओर फरार हो गए थे। पंजाब पुलिस ने मंडी पुलिस को इस बारे सूचित किया था कि पंजाब से हत्या के आरोपी मंडी फरार हुए हैं, जिस पर मंडी पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर नाके लगा दिए। इन छह आरोपियों को सदर पुलिस की टीम ने मंडी बस अड्डे में पकड़ा है। जहां यह बस के माध्यम से पंहुचे थे और यहां से कहीं और जगह निकलने क ी फिराक पर थे। इस बीच पुलिस ने बस अड्डे में रेड की और इन्हें पकड़ लिया। इसके बाद सभी का मेडिकल करवाया गया और गुरुवार शाम को इन्हें पंजाब पुलिस को हैंडओवर कर दिया गया है। आरोपियों की पहचान अजीत निवासी यूपी, मोहम्मद शोएब निवासी जम्मू, अभय राज निवासी बिहार, विद्या गर्ग निवासी यूपी, विकास निवासी बिहार और यूपी के कुंवर अमर प्रताप शामिल हैं। सचिन हिरेमठ, सहायक पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पंजाब से फरार छह युवकों की मंडी की ओर भागने की जानकारी मिली थी। मंडी पुलिस ने मंडी बस अड्डे से इन्हें डिटेन किया है और इन्हें पजांब पुलिस को सौंप दिया है।

अलीगढ़ में साइबर ठगी गैंग का खुलासा, नोएडा से सीखी थी डिजिटल ठगी की तरकीबें

अलीगढ़। एक साइबर ठग गैंग पहले मोबाइल चोरी करता था और फिर चुराए गए फोन के यूपीआई का इस्तेमाल कर पीड़ितों के बैंक खातों से पैसे निकाल लेता था. उत्तर प्रदेश की अलीगढ़ पुलिस ने एक अंतरजनपदीय साइबर ठग गैंग का खुलासा कर चार शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. यह गैंग पहले मोबाइल चोरी करता था और फिर चुराए गए फोन के यूपीआई का इस्तेमाल कर पीड़ितों के बैंक खातों से पैसे निकाल लेता था. पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने दिल्ली में साइबर ठगी की ट्रेनिंग ली थी, जिसके बाद उन्होंने इस हाईटेक अपराध को अंजाम देना शुरू किया.

थाना रोरावर और जनपदीय साइबर सेल की संयुक्त कार्रवाई में चारों आरोपियों को धर दबोचा गया और उनके पास से चार मोबाइल फोन और 1090

रुपये बरामद किए गए.

घटना का मुकदमा थाना रोरावर में मुकदमा संख्या 131/2025, धारा 305(डु) बीएनएस और 66(सी) आईटी एक्ट के तहत दर्ज किया गया था. पीड़ित की शिकायत के अनुसार, उनकी दुकान से मोबाइल चोरी कर यूपीआई के जरिए 17,000 रुपये निकाले गए थे. मुख्य आरोपी रिजवान ने पूछताछ में खुलासा किया कि वह और उसके साथी मोबाइल चोरी कर यूपीआई से पैसे निकालते थे और फिर फोन को दूसरे जिलों में बेच देते थे. रिजवान ने बताया कि नोएडा में कुछ लोगों से उसने यह तकनीक सीखी और पहले भी वह कई बार जेल जा चुका है. एसपी क्राइम ममता कुरील ने कहा कि साइबर ठगी से बचने के लिए यूपीआई उपयोगकर्ताओं को जागरूक रहना होगा. उन्होंने सलाह दी कि डेट ऑफ बर्थ जैसे साधारण पासवर्ड का इस्तेमाल न करें, क्योंकि ठग आसानी से इन्हें क्रैक कर लेते हैं. इस मामले में भी साधारण पासवर्ड के कारण 17,000 रुपये की ठगी हुई, लेकिन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपियों के खातों को फ्रीज कर दिया. पीड़ित को जल्द रकम वापस की जाएगी. गिरफ्तार आरोपियों में रिजवान (28), इमरान (23), फैसल (22), और समीर (22) शामिल हैं. पुलिस ने इन्हें जेल भेज दिया है और आगे की जांच जारी है.

आम के बाग में युवक की हत्या

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले के नौगावां सादात स्थित आम के बाग में एक युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। हत्यारे ने युवक का सिर धड़ से अलग कर दिया। पहचान छिपाने की नीयत से वह सिर को अपने साथ ले गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। काफी तलाश के बाद भी मृतक का सिर नहीं मिला। फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। एएसपी और सीओ ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

फिलहाल पुलिस ने सिर कटे शव को पोस्टमार्टम हाउस स्थित मोर्चरी में रखवा दिया है।यह मामला नौगांवा सादात थानाक्षेत्र के मोहल्ला हाता रोड स्थित आम की बाग का है। यहां पर कस्बे के रहने वाले मुदस्सिर का आम बाग है। बृहस्पतिवार की सुबह स्थानीय लोग आम के बाग से गुजरे तो उन्होंने पेड़ों के बीच गड्ढे में बिना सिर की नग्न अवस्था में लाश पड़ी देखी। लोगों ने नजदीक से जाकर देखा तो मृतक का शव धड़ से अलग था और सिर गायब था।

मामले की सूचना मिलते ही थोड़ी देर में लोगों की भीड़ जमा हो गई। जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष सुनील कुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और जांच पड़ताल की। एसपी अमित कुमार आनंद के निर्देश पर फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की टीम भी मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। जानकारी मिलते ही सीओ अवधभान भदोरिया भी मौका पर पहुंच गए।

पुलिस ने स्थानीय लोगों से मृतक के बारे में जानकारी हासिल की तो सभी ने पहचानने से इनकार कर दिया। कई घंटे की मशक्कत के बाद मृतक का सिर पुलिस के हाथ नहीं लगा। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हाउस पर मोर्चरी में रखवा दिया। बाद में पुलिस ने बिजनौर, मुरादाबाद और अमरोहा के सभी थानों में मृतक की पहचान के लिए गुमशुदगी चेक कराने के लिए कहा है।अपर पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार सिंह ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 40 साल है। देखने में लग रहा है कि शव करीब छह से आठ दिन पुराना है। हत्या करने के बाद सुनसान इलाके में शव को फेंका गया है। जिस आम के बाग में शव को फेंका गया, यह पूरा इलाका सुनसान है। यहां लोगों का आना-जाना बेहद कम है।

सोन नदी के किनारे महिला का शव मिलने से हड़कंप

बिहार। सीवान के मैरवा थाना क्षेत्र के तिथरा टोला हनुमानगंज में सोन नदी के पुल के नीचे एक महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। अपराधियों ने उसकी हत्या कर शव को पुल के नीचे फेंक दिया। शुक्रवार की सुबह अर्धनग्न अवस्था में शव देखते ही इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने महिला के साथ गलत काम की भी आशंका जताई है। उनका कहना है कि रात में यह पुल असामाजिक तत्वों का अड्डा बन जाता है, जिसके कारण इलाके में आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस पर गश्त नहीं करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पुलिस की लापरवाही के कारण अपराधी बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दे रहे हैं। मृतका की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीवान सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि शव को 72 घंटे तक अस्पताल में रखा जाएगा, ताकि उसकी पहचान हो सके। अगर परिजन शव की पहचान कर लेते हैं तो शव उन्हें सौंप दिया जाएगा। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और महिला की पहचान करने के साथ ही हत्या के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

अवैध संबंधों का खूनी अंत, पत्नी ने रची खौफनाक साजिश

खन्ना। पंजाब के खन्ना से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है. यहां गांव सोहियां में अवैध संबंधों के चलते एक 40 साल के शख्स की हत्या कर दी गई. मृतक बहादुर सिंह भोला की पत्नी जसवीर कौर ने अपने प्रेमी सुखप्रीत सिंह के साथ मिलकर उसकी जान ले ली.

वारदात के बाद से दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए. पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर उनकी तलाश तेज कर दी है. मिली जानकारी के अनुसार आरोपी सुखप्रीत सिंह मृतक के साथ काम करता था. कामकाज के सिलसिले में सुखप्रीत का भोला के घर आना-जाना था. इसी दौरान उसका भोला की पत्नी जसवीर कौर से मेलजोल बढ़ा और दोनों के बीच अवैध संबंध बन गए. यह संबंध अक्सर घर में झगड़े का कारण बनते थे और स्थिति लगातार तनावपूर्ण बनी हुई थी. बहादुर सिंह की 7 साल की एक बेटी भी है. वह अपनी पत्नी को गलत काम करने से रोक रहा था और इसका असर बच्ची पर पड़ने की बात भी कहता था. लेकिन पत्नी हरकतों से बाज नहीं आई.

मौके पर मौजूद भोला के साथी इंद्रजीत सिंह ने बताया कि वह भोला के पास काम करता था औप उसके घर में ही रहता था. बुधवार की रात को घर में बहादुर सिंह भोला अपनी पत्नी, बेटी संग मौजूद था. घर की लॉबी में इंद्रजीत सिंह अपनी पत्नी समेत सोया था.आधी रात को भोला की चीख सुनी तो इंद्रजीत जाग गया. उसने देखा कि सुखप्रीत वहां था. उन्होंने बैड पर सो रहे भोला के सिर में किसी भारी चीज से हमला कर दिया था. इंद्रजीत ने दीवार फांदकर पड़ोसियों को बुलाया. वे भोला को मलौद सिविल अस्पताल लेकर गए. वहां से उसे लुधियाना रेफर किया. इसी बीच भोला की मौत हो गई.

डीएसपी हेमंत मल्होत्रा ने बताया कि गुरुवार को इस अवैध संबंध ने खूनी मोड़ ले लिया.जसवीर कौर और सुखप्रीत सिंह ने मिलकर योजना के तहत बहादुर सिंह की हत्या कर दी. वारदात के समय बहादुर सिंह घर में ही मौजूद था. दोनों ने मिलकर उसके सिर पर लोहे की रॉड से वार किया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई.हत्या के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए. पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और हत्या की जांच शुरू कर दी है.डीएसपी मल्होत्रा ने बताया कि फरार आरोपियों की तलाश में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की जा रही है. पुलिस का दावा है कि जल्द ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

मंडी में पानी के लिए खूनी झड़प

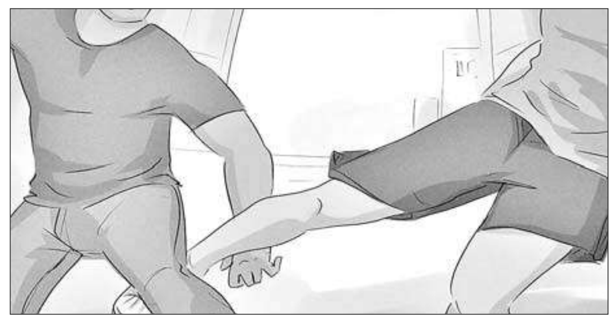

मंडी। मंडी शहर में दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना पेश आई है। घटना मंगलवार रात 11 बजे की है। शहर के स्कूल बाजार के समीप पानी के स्त्रोत के पास कुछ महिलाएं पानी भरने को लेकर आपस में उलझ पड़ी। वहीं आपसी कहासुनी मारपीट तक आ पंहुची। जिसके बाद अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं द्वारा अपने परिजनों को बुलाया गया। कुछ ही देर में 20 के करीब लोग मौके पहुंच गए, फिर यह बहसबाजी लड़ाई में बदल गई। दोनों पक्षों के बीच खूब मारपीट हुई । अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों द्वारा तीन लोगों को खूब पीटा गया। इस मारपीट में अल्पसंख्यक समुदाय के भी पांच लोग घायल हुए हैं, जिनमें महिला भी शामिल हैं। बता दें कि मंडी शहर की पैलेस कालोनी का एक परिवार बाजार में अपने किसी काम के चलते फीस विवाद में 34 छात्रों की निष्कासी पर आतिशी ने ष्टरू से कार्रवाई की मांग की आया था।

घर जाती बार स्कूल बाजार में प्राकृतिक जल स्त्रोत से पानी भरने के लिए पैलेस कलोनी के भगत राम चौहान ने गाड़ी रोकी और उनकी पत्नी दुष्यंता चौहान पानी भरने के लिए उतरी। वहां पहले से ही कुछ महिलाएं पानी भर रही थी, जिन्होंने दुष्यंता को पानी भरने से रोका और उसका हाथ पकड़ लिया। जब बेटे दिग्विजय ने देखा तो वह भी अपने पिता के साथ गाड़ी से उतरा और दोनों पक्षों में बहसबाजी शुरू हो गई। दोनों पक्ष उत्तेजित हो गए और फिर यह बहस मारपीट तक आ पहुंची। दोनों पक्षों द्वारा मारपीट मामले में शहरी चौकी मंडी में शिकायत पत्र दिया गया है, जिसमें एक पक्ष के तीन लोग और अल्पसंख्यक पक्ष के पांच लोग शामिल हैं।

12 वर्षीय बालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से सनसनी

बिहार। बिहार के रोहतास जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक 12 वर्षीय बालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बालक का शव बगीचे से बरामद किया गया, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई। वहीं परिजनों ने पुरानी रंजिश में हत्या का आरोप लगाया है। जानकारी के लिए बता दें कि घटना जिले के करगहर थाना क्षेत्र के करूप गांव की है। मृतक की पहचान जिले के नोखा थाना क्षेत्र के बिशनपुरा निवासी चुनमुन बिंद के पुत्र छोटू कुमार (12) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि चुनमुन बिंद मजदूरी करता है और कभी-कभी उसका बेटा छोटू भी ट्रैक्टर से मिट्टी उतारने जाता था।

पुरानी रंजिश में की गई हत्या- पिता मृतक के पिता ने गांव के ही जितेंद्र महतो पर हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पुरानी रंजिश में छोटू की हत्या की गई है और इसे दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया गया है। उन्होंने दावा किया कि शव को जलाने का प्रयास किया गया है। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही करगहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस भी मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है।

2 साल के बेटे को नहर में फेंकने के आरोप में महिला गिरफ्तार

हरियाणा। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि एक महिला ने अपने दो साल के बेटे को एक तांत्रिक द्वारा यह विश्वास दिलाए जाने के बाद कि वह एक %जिन्न% है, नहर में फेंक दिया और साजिश रचने वाली महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। इससे पहले दिन में पुलिस ने गोताखोरों की मदद से आगरा नहर से बच्चे का शव बरामद किया। पुलिस ने बताया कि बच्चे का शव पोस्टमार्टम के बाद उसके पिता को सौंप दिया गया। पुलिस ने सैनिक कॉलोनी निवासी मेघा नामक महिला और पश्चिम बंगाल के भगतपुर की मूल निवासी और वर्तमान में यहां सैनिक कॉलोनी में रहने वाली तांत्रिक महिला मीता भाटिया को गिरफ्तार किया है। प्रवक्ता ने बताया कि पूछताछ के दौरान महिला तांत्रिक ने खुलासा किया कि वह तंत्र-मंत्र विद्या में विश्वास करती है और बच्चे की मां उसके पास आती थी। उसने मेघा से कहा था कि उसका दो साल का बेटा एक जिन्न से पैदा हुआ है और वह उसके परिवार को नष्ट कर देगा। उन्होंने बताया, आरोपी मेघा ने खुलासा किया कि तांत्रिक महिला ने उससे कहा था कि उसका बेटा एक जिन्न है, जो पूरे परिवार को बर्बाद कर देगा, जिसके कारण उसने अपने बेटे को आगरा नहर में फेंककर मार डाला। प्रवक्ता ने बताया कि दोनों को शहर की एक अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। महिला ने रविवार शाम को अपने बेटे को आगरा नहर में फेंक दिया था। इस संबंध में बीपीटीपी थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

प्रेम सिंह पर चाकू से हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

पंजाब। सीपीआई (एम) कार्यकर्ता की हत्या के सिलसिले में वांछित 27 वर्षीय व्यक्ति गुरुवार को शहीद भगत सिंह नगर जिले के बेहराम में पुलिस की गोलीबारी में घायल हो गया। घायल व्यक्ति की पहचान बलजीत सिंह के रूप में हुई है, जो 9-10 मई की रात को मंडाली गांव के प्रेम सिंह पर चाकू से हमला करने के बाद फरार हो गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मेहताब सिंह के अनुसार, एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस टीमों ने बेहराम में छापेमारी की और एसबीएस नगर और होशियारपुर की अंतर-जिला सीमा के पास बलजीत की गतिविधियों पर नज़र रखी। एसएसपी ने कहा, पुलिस को देखते ही बलजीत ने गोलियां चला दीं, जिसके बाद पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। एक गोली उसके बाएं पैर में लगी। उसे तुरंत इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया।

जांच के दौरान, यह पता चला कि बलजीत को मंडाली गांव के धर्मिंदर सिंह ने पुरानी रंजिश के चलते प्रेम सिंह की हत्या करने के लिए किराए पर लिया था, जो वर्तमान में कनाडा में रह रहा है। एसएसपी के अनुसार, हिस्ट्रीशीटर बलजीत के खिलाफ जालंधर के गोराया थाने में हत्या का एक और विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास के छह मामले समेत सात एफआईआर दर्ज हैं। घटना के समय वह जमानत पर बाहर था। 10 मई को बलजीत और धर्मिंदर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 (हत्या) और 61(2) (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने गुरुवार को बलजीत के खिलाफ पुलिस पर फायरिंग करने के आरोप में बीएनएस की धारा 109 (हत्या का प्रयास) और आर्म्स एक्ट के तहत बेहराम थाने में नई एफआईआर दर्ज की।

ममेरे और मौसेरे भाईयों ने की दरिंदगी, किशोरी की मिली लाश

यूपी। मैनपुरी में बेवर थाना क्षेत्र के ग्राम कांसेपुर बंबा के निकट फांसी पर लटकी मिली छात्रा की गला घोंटकर हत्या की गई थी। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। छात्रा से रेप भी हुआ इसकी आशंका जताई गई है। इसकी पुष्टि के लिए छात्रा की स्लाइड तैयार करके जांच के लिए भेजी गई है। एक दिन पूर्व गुरुवार को उसका का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला था। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 17 वर्षीय छात्रा गुरुवार की सुबह स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी। लेकिन वह स्कूल नहीं पहुंची। दोपहर 1:30 बजे के करीब उसका शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। डॉक्टरों के पैनल ने शव का पोस्टमार्टम किया और अपनी रिपोर्ट दी। जिसमें छात्रा की गला घोंटकर हत्या किए जाने की बात सामने आई। पिता के अनुसार फर्रुखाबाद के मोहम्मदाबाद निवासी साले ने उसे फोन करके जानकारी दी कि उसकी बेटी कांसेपुर बंबा के पास है। वह मौके पर पहुंचे तो वहां बेटी पेड़ पर लटकी मिली।

अधिकारी-पुलिस के सामने हां में हां, परामर्श केंद्र से निकलते ही पत्नी को छोड़कर फुर्र हुआ पति

यूपी। आगरा में परिवार परामर्श केंद्र में पति-पत्नी के बीच का झगड़ा सुलझाने की कोशिश की जाती है। मामलों को निपटाने के लिए दोनों पक्ष की बात सुनी गई। ऐसा ही एक मामला परिवार परामर्श केंद्र में आया। दोनों के बीच सुलह भी करवाई लेकिन फिर भी पति पत्नी को गेट पर छोड़कर चला गया। बताया जा रहा है कि काउंसलिंग के दौरान पति पत्नी के साथ रहने को तैयार हो गया। दोनों के बीच समझौता करा दिया गया। बाहर निकलते ही पति पत्नी को गेट पर छोड़कर चला गया।

जानकारी के अनुसार कलवारी निवासी रजनी ने जगदीशपुरा थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। उसने पुलिस को बताया कि 25 अगस्त 2013 को गांव अंगूठी निवासी मेहरूद्दीन के साथ निकाह हुआ था। शादी के बाद पति दहेज की मांग को लेकर उत्पीड़न किया करता था। पति ने मारपीट करके घर से निकाल दिया। उसने पति के खिलाफ पुलिस से शिकायत कर दी। पुलिस ने मामले में जांच करी और फिर मामला परिवार परामर्श केंद्र में आया। परिवार परामर्श केंद्र में दोनों को बुलाकर उनके पक्ष सुने गए।

मामला सुलझाने के लिए दोनों की कई बार काउंसलिंग हुई। परिवार परामर्श केंद्र के अधिकारियों के समझाने के बाद पति अपनी पत्नी को साथ रखने के लिए तैयार हो गया। लेकिन जैसे ही वे काउंसलिंग के बाद साथ रहने का वादा करके परिवार परामर्श केंद्र से बाहर आए। पति गालियां देने लगा और पुलिस वालों के सामने ही पत्नी को गेट पर ही छोड़कर चला गया। इंस्पेक्टर जगदीशपुरा आनंदवीर सिंह ने बताया साक्ष्यों के आधार पर आरोपित पति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है और जल्द पति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

डिलिवरी बॉय आया और टिकटॉक लाइव के दौरान ब्यूटी इन्फ्लुएंसर को मारी गोली, मौके पर मौत

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको के जलिस्को राज्य में हुई एक हृदय विदारक घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। मंगलवार को 23 वर्षीय लोकप्रिय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और मॉडल वेलेरिया मार्केज़ की एक ब्यूटी सैलून में टिकटॉक लाइवस्ट्रीम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना जापोपान, जलिस्को शहर में घटी, जो ग्वाडलजारा के बाहरी इलाके में स्थित है। जलिस्को राज्य के अधिकारियों ने बुधवार को घटना की पुष्टि की। बताया जा रहा है कि वेलेरिया अपने लाइवस्ट्रीम के दौरान डिलीवरी बॉय से बात कर रही थीं, तभी अचानक उन्हें गोली मार दी गई। हमलावर ने उसके सीने और सिर में गोली मारी, जिसके बाद वह तुरंत गिर पड़ी। इस भयावह घटना ने एक बार फिर मेक्सिको में हिंसा और असुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आश्चर्य की बात यह है कि इस हत्या के कुछ ही घंटों बाद उसी क्षेत्र में एक और हाई-प्रोफाइल हत्या हुई। मेक्सिको की पीआरआई पार्टी के पूर्व सांसद लुइस आर्मंडो कॉर्डोवा डिआज़ की एक कैफे में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इन दोनों घटनाओं से जापान और आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई है। वेलेरिया के सोशल मीडिया अकाउंट उनके प्रशंसकों और अनुयायियों के शोक और गुस्से भरे संदेशों से भर गए हैं। लोग इस नृशंस हत्या की निंदा कर रहे हैं और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। लाइवस्ट्रीम के दौरान वेलेरिया की हत्या न केवल उसके प्रियजनों के लिए, बल्कि पूरे मेक्सिको के लिए एक बड़ा सदमा है। स्थानीय लोग और सोशल मीडिया यूजर्स सरकार से इस मामले में सख्त कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस और जांच एजेंसियां ??हत्या के पीछे के मकसद का पता लगाने और हमलावर की तलाश में जुटी हैं।

आईएमएफ से पाक को 1.02 अरब डॉलर की दूसरी किस्त

इस्लामाबाद, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान के लिए विस्तारित निधि सुविधा कार्यक्रम के तहत 1.023 अरब अमेरिकी डॉलर की दूसरी किस्त जारी कर दी है। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने बुधवार को यह जानकारी दी। दूसरी किस्त का वितरण ऐसे दिन हुआ जब आईएमएफ पाकिस्तान के आगामी बजट पर वर्चुअल चर्चा कर रहा है। क्षेत्र में सुरक्षा चिंताओं के कारण इस्लामाबाद में आईएमएफ के मिशन की यात्रा में देरी हुई है। आईएमएफ की ओर से इस हस्तांतरण के बाद 7 अरब डॉलर की विस्तारित निधि सुविधा (ईएफएफ) के तहत कुल वितरण लगभग 2.1 अरब डॉलर हो गया है। पाकिस्तानी सरकार 2 जून को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करने की योजना बना रही है। पाकिस्तान आईएमएफ बेलआउट पैकेज पर बहुत अधिक निर्भर है। पिछले साल जब वह दिवालिया होने के कगार पर था तब आईएमएफ ने उसे 3 अरब डॉलर रुपये देकर बचाया था। आईएमएफ के मुताबिक फंड का सदस्य बनने के बाद 25 बेलआउट लोन मिल चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि विभिन्न सरकारों ने आईएमएफ को अलविदा कहने की घोषणा की, लेकिन अब तक वे अपना वादा पूरा करने में विफल रहीं।

दुनिया के सबसे खुशहाल देश फिनलैंड पर मंडराने लगे मुसिबतों के बादल

हेल्सिंकी, एजेंसी। दुनिया के सबसे खुशहाल देश का खिताब जीत चुके फिनलैंड को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। अब वह एक नए खतरे में है। रूस की हालिया सैन्य गतिविधियों ने यूरोप को चिंतित कर दिया है। हुआ यह है कि उपग्रह चित्रों से पता चला है कि रूस ने फिनलैंड की सीमा के बहुत करीब चार महत्वपूर्ण स्थानों पर बड़ी संख्या में सैनिकों और सैन्य उपकरणों को तैनात किया है। यूक्रेन पर हमले के बाद यह दूसरी बार है जब रूसी गतिविधियां इतने बड़े पैमाने पर दर्ज की गई हैं। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्वीडन के राष्ट्रीय प्रसारक एसवीटी और सैटेलाइट कंपनी प्लैनेट लैब्स द्वारा जारी तस्वीरों में यह खुलासा हुआ है। इसमें कहा गया है कि रूस ने चार स्थलों अर्थात् कामेनका, पेट्रोज़ावोडस्क, सेवेरोमोर्स्क-2 और ओलेन्या पर एक बड़ा आंदोलन शुरू किया है। कामेन्का फिनलैंड की सीमा से सिर्फ 35 मील की दूरी पर है, जहां फरवरी से अब तक 130 से अधिक सैन्य टेंट स्थापित किए जा चुके हैं। ऐसा माना जाता है कि यहां 2,000 तक सैनिक तैनात किये जा सकते हैं। पेट्रोज़ावोडस्क में तीन विशाल सैन्य भंडारण हॉल तैयार किए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक में लगभग 50-50 बख्तरबंद वाहन रखे जा सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इन हॉलों का निर्माण वास्तविक सैन्य ताकत को छिपाने के लिए किया गया होगा। साथ ही, सेवेरोमोर्स्क-2 पर भारी हेलीकॉप्टर उड़ान भी देखी गई है, जिससे यह बेस रूसी हवाई अभियानों का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। चौथा स्थान ओलेन्या है, जिसे यूक्रेन ने पहले ही हमलों के स्रोत के रूप में पहचाना है और जहां नई गतिविधियां भी देखी गई हैं। इस संपूर्ण सैन्य गतिविधि का समय भी बहुत मायने रखता है। फ़िनलैंड और स्वीडन हाल ही में नाटो का हिस्सा बन गए हैं। और यही कारण है कि रूस इतना नाराज है। फिनलैंड अप्रैल 2023 में और स्वीडन मार्च 2024 में नाटो में शामिल हो गए। रूस ने पहले ही चेतावनी दी थी कि वह जवाबी कार्रवाई करेगा।

ट्रंप के कारण फेल होती दिख रही रूस-यूक्रेन शांति वार्ता, पुतिन ने क्यों बनाई दूरी?

मास्को, एजेंसी। व्लादिमीर पुतिन ने जब हाल ही में तुर्की में वोलोडिमिर जेलेंस्की के साथ शांति वार्ता में शामिल होने पर अपनी सहमति दी तो दुनिया को लगा कि रूस और यूक्रेन के बीच वर्षों से जारी संघर्ष का अंत हो सकता है। लेकिन अब जो खबर सामने आ रही है वह परेशान करने वाली है। कहा जा रहा है कि पुतिन ने तुर्की में प्रस्तावित यूक्रेन-रूस शांति वार्ता में फिलहाल शामिल होने से साफ इनकार कर दिया है। वहीं, जेलेंस्की ने भी अपनी स्थिति साफ करते हुए कहा है कि जब तक पुतिन नहीं आते हैं तो वह भी इस वार्ता में शामिल नहीं होंगे। पुतिन के इस निर्णय के पीछे मुख्य वजह यह मानी जा रही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इस वार्ता में शामिल होने की कोशिश कर रहे थे। अगर दोनों देशों के बीच सहमति बनती है तो वह इसका श्रेय लेने की कोशिश करते। सूत्रों का मानना है कि पुतिन ट्रंप को कूटनीतिक स्तर पर किसी भी तरह की बढ़त नहीं देना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने न केवल खुद को इस वार्ता से दूर रखा, बल्कि अपने वरिष्ठ राजनयिकों को भी वार्ता में शामिल नहीं होने दिया। हालांकि, डिप्टी स्तर के कुछ मंत्रियों और अधिकारियों को जरूर भेजने की बात कही है। 14 मई को क्रेमलिन द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, रूस ने शांति वार्ता के लिए अपने प्रतिनिधिमंडल की सूची जारी कर दी है। इसमें ना तो पुतिन शामिल हो रहे हैं और ना ही विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव। रूसे ने किसी वरिष्ठ अधिकारी को भी इसमें भेजना का फैसला टाल दिया है। हालांकि एक प्रतिनिधिमंडल भेजने की बात जरूर कही है। जिसमें राष्ट्रपति के सलाहकार और प्रचार रणनीतिकार व्लादिमीर मेडिंस्की, उप विदेश मंत्री मिखाइल गैलुजिन, सैन्य खुफिया प्रमुख इगोर कोस्त्युकोव और उप रक्षा मंत्री अलेक्जेंडर फोमिन शामिल होंगे।

पुतिन के अलावा किसी से बात नहीं करेंगे जेलेंस्की : पुतिन के इस फैसल पर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने तुर्की में व्लादिमीर पुतिन के साथ संभावित बैठक से पहले यह कहकर दांव बढ़ा दिया कि वह राष्ट्रपति के अलावा किसी अन्य रूसी प्रतिनिधि से बातचीत नहीं करेंगे। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पुतिन से मिलने के आग्रह के बाद ही तुर्की की यात्रा करेंगे। सीएनएन ने जब उनसे बैठक के एजेंडे के बारे में पूछा तो जेलेंस्की ने कहा कि युद्धविराम समझौते के अलावा कुछ भी विफल ही साबित होगा। ऐसे में अगर दोनों देशों के प्रमुख के बगैर यह वार्ता होती भी है तो इसका खास संदेश नहीं जाएगा।

यह भी एक कारण : हालांकि एक तर्क भी दिया जा रहा है कि पुतिन द्वारा स्वयं को वार्ता से दूर रखना इस बात का संकेत हो सकता है कि रूस फिलहाल वार्ता को केवल एक औपचारिक प्रक्रिया के रूप में देख रहा है, ना कि वास्तविक समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम है।

पुतिन ने की थी सीधी वार्ता की पेशकश : इससे पहले, पश्चिमी और यूरोपीय नेताओं की ओर से किसी शर्त के एक महीने के युद्ध विराम को लागू करने की पेशकश की थी, जिसे रूस ने खारिज कर दिया था। इसके साथ ही रूस ने यूक्रेन पर 100 से अधिक ड्रोन भी दागे। पुतिन ने 11 मई को इस प्रस्ताव के बजाय तुर्किये में सीधे बातचीत की पेशकश की थी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने जोर देकर कहा था कि रूसी प्रतिनिधिमंडल बिना किसी पूर्व शर्त के इस्तांबुल में बातचीत के लिए तैयार रहेगा।

जेलेंस्की ने जताया रूस के इरादों पर संदेह : जेलेंस्की ने रूस के इरादों पर भी संदेह जताया था। साथ ही कहा था कि रूसी राष्ट्रपति की पेशकश अविश्वसनीय प्रतीत होती है। उन्होंने यह भी कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी वार्ता में भाग लेने पर विचार कर रहे हैं। बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए ज़ेलेंस्की ने कहा था कि हमने तुर्किये में वार्ता के प्रारूप के बारे में टीम के साथ कई बैठकें कीं। मैं यह देखने का इंतजार कर रहा हूं कि रूस से कौन आएगा। इसके बाद ही मैं तय करूंगा कि यूक्रेन को कौन से कदम उठाने चाहिए। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि अब तक, मीडिया में उनके द्वारा दिए गए संकेत अविश्वसनीय हैं। रूस केवल युद्ध और हत्याओं को बढ़ा रहा है। मैं हर देश, हर नेता को धन्यवाद देना चाहता हूं जो अब रूस पर दबाव डाल रहा है, ताकि गोलाबारी आखिरकार बंद हो जाए, ताकि सार्थक बातचीत उस स्तर पर हो सके जहां वास्तविक निर्णय लिए जा सकें।

बड़े युद्ध की तैयारी में हैं दोनों देश : दोनों देश गर्मी में फिर से बड़े युद्ध की तैयारी में हैं। 1,000 किलोमीटर लंबी सीमा रेखा पर अब तक दोनों ओर से हजारों सैनिक मारे जा चुके हैं। वॉशिंगटन स्थित थिंक टैंक इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर ने सोमवार को कहा कि रूस तेजी से नए सैनिकों की भर्ती कर रहा है ताकि अग्रिम मोर्चे पर पकड़ बनी रहे। रूस ने अमेरिका और यूरोपीय नेताओं की ओर से की गई युद्धविराम की पेशकश को खारिज किया, पुतिन कई बार जेलेंस्की की सरकार की वैधता पर सवाल उठा चुके हैं, क्योंकि उनके अनुसार जेलेंस्की का कार्यकाल पिछले साल खत्म हो चुका है। हालांकि, यूक्रेन का संविधान कहता है कि मार्शल लॉ के दौरान चुनाव नहीं कराए जा सकते। 2022 में यूक्रेन सरकार ने एक आदेश पारित किया था, जिसके तहत पुतिन से किसी भी तरह की बातचीत पर रोक लगा दी गई थी। लेकिन अमेरिका दोनों देशों पर युद्ध खत्म करने के लिए दबाव बना रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोमवार को ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और पोलैंड के विदेश मंत्रियों से लंदन में बातचीत की, ताकि युद्धविराम और शांति वार्ता को लेकर चर्चा हो सके। इन यूरोपीय देशों ने रूस को चेतावनी दी है कि अगर वह युद्धविराम नहीं मानता, तो उस पर और कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे, लेकिन अब तक नए प्रतिबंधों की कोई घोषणा नहीं की गई है।

पंजाबी मूल के चार नेता कनाडा में बनाए गए मंत्री, खालिस्तानी सोच से दूर; भारत के साथ मजबूत होंगे संबंध

ओटावा, एजेंसी। पंजाबी मूल के चार मंत्रियों को कनाडा में मंत्री बनाए जाने से भारत के साथ बेहतर रिश्तों की उम्मीद जगी है। दरअसल इस वक्त भारत और कनाडा के रिश्ते अपने सबसे निचले स्तर पर हैं। लेकिन कार्नी के मंत्रिमंडल और पंजाबियों की दी गई अहमियत से अब रिश्तों को नई उम्मीद की किरण के तौर पर देखा जा रहा है। खास बात यह है कि जो मंत्री पंजाबी मूल के हैं और अब कार्नी मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं वो खालिस्तानी विचारधारा से पूरी तरह से दूर हैं। कनाडा में रह रहे पंजाबी समुदाय के लोगों का मानना है कि कनाडा की सरकार में खालिस्तानी विचारधारा को दरकिनार कर नए संबंधों की शुरूआत करने की बेहतर पहल है। कनाडा में अनीता आनंद, मनिंदर सिद्धू, रूबी सहोता और रणदीप सराय को मंत्री बनाया गया है। कनाडा में पंजाबी समुदाय से ताल्लुक रखने वाले पंजाबी सिख संगठन इन कनाडा के सरदार हरजोत सिंह कहते हैं कि विदेश मंत्री अनिता आनंद ने तो गीता पर हाथ रखकर मंत्री पद की सौगंध खाई।

बलूच नेता ने पाकिस्तान से आजादी का ऐलान किया: कहा- बलूचिस्तान पाकिस्तान का हिस्सा नहीं

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूच नेता मीर यार बलूच ने बुधवार को पाकिस्तान से बलूचिस्तान की आजादी का ऐलान किया। उन्होंने इसके पीछे दशकों से बलूच लोगों के मानवाधिकार हनन, किडनैपिंग और हिंसा का हवाला दिया। मीर यार बलूच ने एक्स पोस्ट में कहा- बलूचिस्तान के लोगों ने अपना राष्ट्रीय फैसला दे दिया है और दुनिया को अब चुप नहीं रहना चाहिए। आओ हमारा साथ दो। उन्होंने लिखा कि बलूच लोग सड़कों पर हैं और यह उनका राष्ट्रीय फैसला है कि बलूचिस्तान पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है और दुनिया अब और मूक दर्शक नहीं रह सकती। उन्होंने भारत और ग्लोबल समुदाय से बलूचिस्तान की आजादी के लिए मान्यता और समर्थन मांगा। पाकिस्तान पीओके के लोगों को ढाल जैसे इस्तेमाल कर रहा मीर यार ने भारतीय मीडिया, यूट्यूबर्स और भारतीय बुद्धिजीवियों से अपील की कि वो बलूचों को पाकिस्तान के लोग न कहें। हम पाकिस्तानी नहीं, बलूचिस्तानी हैं। पाकिस्तान के अपने लोग पंजाबी हैं, जिन्हें कभी हवाई बमबारी, किडनैपिंग या नरसंहार का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) पर भारत के रुख का समर्थन किया। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान पर इस इलाके को खाली करने के लिए दबाव डालने की अपील की। मीर यार ने कहा- भारत पाकिस्तानी सेना को हरा सकता है। अगर पाकिस्तान ने ध्यान नहीं दिया, तो खूनखराबे के लिए सिर्फ पाकिस्तानी सेना के लालची जनरल जिम्मेदार होंगे, क्योंकि इस्लामाबाद पीओके के लोगों को ढाल के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। बलूचिस्तान को विदेशी ताकतों की मदद के कब्जा किया गया मीर यार बलूच के मुताबिक दुनिया को बलूचिस्तान पर पाकिस्तान के दावों को स्वीकार नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान को विदेशी ताकतों की मदद से जबरन कब्जा किया गया था। बलूचिस्तान में लंबे वक्त से मानवाधिकार हनन हो रहा है। पाकिस्तानी सेना और पुलिस लोगों पर हमले करती है। यहां विदेशी मीडिया की पहुंच बहुत सीमित है, इस वजह से बलूचिस्तान से जुड़ी खबरें बाहर नहीं आ पाती हैं। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) एक संगठन है जो पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की स्वतंत्रता के लिए लड़ रहा है। इसकी स्थापना 2000 के दशक की शुरुआत में हुई और इसे कई देशों द्वारा आतंकी संगठन भी घोषित किया गया है।

गाजा में बच्चों की मौत के लिए अमेरिका जिम्मेदार, सीनेट बाधित करने के आरोप में कारोबारी कोहेन हिरासत में

वाशिंगटन, एजेंसी। एंड जेरी के सह संस्थापक और प्रगतिशील कार्यकर्ता और बेन बेन कोहेन को अमेरिकी सीनेट की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में हिरासत में ले लिया गया है। ये वाकया तब हुआ जब स्वास्थ्य सचिव रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर मेडिकेड में कटौती करने के लिए प्रस्ताव ला रहे थे, उसी दौरान प्रदर्शनकारियों के समूह में शामिल बेन कोहेन ने गाजा में जारी नरसंहार और भुखमरी के शिकार बच्चों के लिए अपना विरोध जताया।

अमेरिकी सीनेट की कार्यवाही के दौरान जब स्वास्थ्य सचिव रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर अपने विभाग के बजट प्रस्ताव की जानकरी दे रहे थे। उसी दौरान कोहेन ने उन्हें रोकते हुए अपना विरोध जताया। कोहेन ने चिल्लाते हुए कहा कि कांग्रेस गाजा में बच्चों को मारने के लिए बम खरीदने के लिए भुगतान करती है, जबकि यहां सांसद निम्न आय वाले परिवारों के लिए स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम का प्रस्ताव रखते हैं। उन्होंने सीनेटरों से आग्रह करते हुए यह भी कहा कि वे इस्राइल पर गाजा में भुखमरी के शिकार बच्चों तक भोजन और रसद पहुंचाने के लिए दबाव डालने की भी अपील की। इसी दौरान, सीनेट में मौजूद सुरक्षा बलों ने कोहेन को रोकते हुए आनन-फानन में उन्हें हथकड़ी पहनाई और सीनेट से बाहर ले गए।

गाजा मुद्दे पर ट्रंप प्रशासन के खिलाफ कोहेन : हालांकि कुछ देर बाद कोहेन को रिहा कर दिया गया। अपनी रिहाई के बाद पत्रकारों से वार्ता करते हुए कोहेन ने गाजा मुद्दे पर अमेरिकी सरकार के कदमों का विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह निंदनीय है कि अमेरिका ने इस्राइल के लिए 20 बिलियन डॉलर को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि अधिकांश अमेरिकी इस बात से नाराज हैं कि उनके पैसे का दुरुपयोग किया जा रहा है। कोहेन ने कहा कि हजारों लोगों के नरसंहार को स्वीकार करना और उसमें सहभागी होना, मनुष्य होने के नाते हमारी मूल भावना पर आघात है। साथ ही यह अमेरिका की मान्यताओं के भी खिलाफ है। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने बजट का आधा हिस्सा युद्ध पर खर्च करता है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि अगर आप उस धन का आधा हिस्सा भी दुनिया में जीवन को बेहतर बनाने में खर्चेंगे तो जंग नहीं होगी। आगे बोलते हुए बेन कोहेन ने जंग शांत करने के लिए वार्ता और कूटनीति पर जोर दिया।

भारत की कार्रवाई जरूरी थी, अफगान नेता की दो टूक; पाक-आईएसएस को आतंकवाद का पनाहगार बताया

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अफगानिस्तान की निर्वासित सांसद मरियम सोलेमंखिल ने ऑपरेशन सिंदूर को वाजिब बताया है। उन्होंने कहा कि भारत का ऑपरेशन सिंदूर जरूरी था, क्योंकि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता है और कश्मीर में निर्दोष लोगों की जान लेता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत ने जो किया वह जरूरी था। पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कश्मीर में घुसपैठ की और निर्दोष लोगों की जान ली। आप इसे इतनी आसानी से नहीं जाने दे सकते। भारत जैसा पलटवार किया, वह बहुत जिम्मेदाराना है। वे आतंकवाद की चौकियों, आतंकवादी शिविरों, उन जगहों पर हमला कर रहे थे, जहां सेना पाकिस्तान में आतंकवादियों को और भी ज्यादा पनपने में मदद कर रही है। अफगान नेता सोलेमंखिल ने कहा कि पाकिस्तान दशकों से झूठ फैला रहा है। सरकार और आईएसआई भी यही काम करते हैं। उन्होंने कहा, भारत उन्हीं मुद्दों को उठा रहा है, जिन पर वह पिछले 77 साल से बोल रहा है। पाकिस्तान वही झूठ फैला रहा है। वह ऑनलाइन ट्रोल फर्मों से, अपने पेड मीडिया प्रवक्ताओं का इस्तेमाल कर रहा है। वे अपने आईएसआई, अपने नेतृत्व, साथ ही अपने विदेश मंत्री से भी वे झूठ फैलवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अमेरिका को बलि का बकरा बनाता है और आतंकवादियों को पनाह देता है तथा दुनिया को धमकाता है। उन्होंने कहा, वे ध्यान भटका रहे हैं, आतंकवादियों का समर्थन करने, उन्हें तैयार करने, उन्हें अपनी सीमाओं के भीतर आतंकवादियों को पनाह देने के लिए मजबूर करने के लिए अमेरिका को दोषी ठहरा रहे हैं। दुनिया को परमाणु विनाश की धमकी दे रहे हैं। यह पूरी तरह से हास्यास्पद है। मुझे लगता है कि दुनिया बहुत स्पष्ट रूप से समझ रही है कि भारत कौन है? कैसे वह एक आर्थिक शक्ति है? जो दुनिया के भले के लिए सभी की मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपने लोगों को भी आतंकवाद से डराता है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान अब आतंकवाद के लिए जाना जाता है। वे अपने ही लोगों के बीच आतंकवाद फैला रहे हैं। बुधवार को बलूच प्रतिनिधि मीर यार बलूच ने क्षेत्र में दशकों से जारी हिंसा, जबरन गायब किए जाने और मानवाधिकारों के उल्लंघन का हवाला देते हुए पाकिस्तान से स्वतंत्रता की घोषणा की। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान के लोगों ने अपना राष्ट्रीय फैसला दे दिया है और दुनिया को अब चुप नहीं रहना चाहिए।

इंडो-पैसिफिक में पाकिस्तान का इस्तेमाल कर रहा ड्रैगन, भरोसे लायक नहीं: ब्रिटिश लेखक डेविड वेंस

लंदन, एजेंसी। भारत के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पाकिस्तान के समर्थन पर चीन चौतरफा घिरता नजर आ रहा है। अब ब्रिटिश राजनीतिक लेखक डेविड वेंस ने इसे लेकर चीन की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए चीन पाकिस्तान का छद्म रूप से इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए यह भी कहा कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता है।

एक साक्षात्कार में डेविड वेंस ने कहा कि चीन इस क्षेत्र में पाकिस्तान को एक प्रॉक्सी के रूप में संचालित करता है। इसलिए, चीन पर किसी भी मामले में भरोसा नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप को यह समझना चाहिए था। उन्होंने कहा कि ट्रंप को यह समझना होगा कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत चीन के खिलाफ पश्चिम के लिए एक सुरक्षा कवच है। इसलिए जितना संभव हो उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ भारत की मदद करनी चाहिए, यह बेहतर होगा। वेंस ने कहा कि चीन के पाकिस्तान के साथ निहित स्वार्थ हैं और वे हित न को भारत और न ही पश्चिम के साथ मेल खाते हैं।

तुर्किये की भी की आलोचना : साक्षात्कार के दौरान वेंस ने पाकिस्तान का समर्थन करने के लिए तुर्किये की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जैसाकि मैनें पहले भी कहा है कि पाकिस्तान एक असफल राष्ट्र है उसी तरह तुर्किये भी समस्याग्रस्त है। मुझे हैरानी नहीं हुई अगर एर्दोआन ने भी भारत का विरोध किया। वे मुझे चीन से जुड़े हुए प्रतीत होते हैं। उनसे पहले से ही भारत विरोधी बयानबाजी की उम्मीद की जानी चाहिए और उसे खारिज कर दिया जाना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर का पुरजोर समर्थन : ब्रिटिश लेखक डेविड वेंस ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर का भी पुरजोर समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यह लंबे समय से लंबित और जरूरी कदम था। इसे और पहले किया जाना था। वेंस ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर काफी सफल रहा है। मुझे लगता है कि यह भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ संघर्ष से कहीं अधिक आतंक के ढांचे पर प्रहार था। यह कुछ ऐसा है जो मैंने 2018 में संयुक्त राष्ट्र में कहा था कि मैं पाकिस्तान को एक विफल, आतंकवादी राज्य और आतंक के पोषण के रूप में मानता हूं। ऐसे में यह अच्छा था कि भारत ने इसके खिलाफ कदम उठाया।

गौरतलब है कि बीते महीने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था जिसमें 26 लोग मारे गए थे। जिसके बाद भारत ने एक के बाद एक चरणबद्ध कार्रवाई कर पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। सात मई को पाकिस्तान व पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ सटीक हमले किए गए। भारतीय वायुसेना ने बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर के नौ आतंकी अड्डों को पलक झपकते ही नेस्तनाबूद कर दिया। 8 मई को पाकिस्तान ने भारत के पश्चिमी राज्यों में बड़े पैमाने पर ड्रोन से जवाबी कार्रवाई की। भारत के बहुस्तरीय वायु रक्षा नेटवर्क, घरेलू आकाश मिसाइल और इस्त्राइली व रूसी रक्षा प्रणालियों ने पाकिस्तान के ड्रोन हमलों। को नाकाम किया। 9 मई को भारत ने छह पाकिस्तानी सैन्य एयरबेस व यूएबी समन्वय केंद्रों पर अतिरिक्त हमले किए। 10 मई को गोलीबारी में अस्थायी रोक लगाई गई। भारत ने इसे युद्धविराम नहीं बल्कि फायरिंग का विराम बताया। यह सिर्फ सामरिक सफलता नहीं थी। यह प्रत्यक्ष गोलीबारी के तहत सैद्धांतिक क्रियान्वयन था।

आरबीआई आगामी महीनों में कर सकता है रेपो रेट में कटौती

मुंबई/एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आने वाले महीनों में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। सूत्रों से` मिली जानकारी के मुताबिक जून से दीपावली (20 अक्टूबर) तक रेपो रेट में कुल 0.50 फीसदी की कटौती की संभावना है। इस कटौती का सीधा असर होम लोन, कार लोन और अन्य कर्जों की ईएमआई को भी प्रभो वित करेगा। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगली बैठक 4 से 6 जून के बीच होने वाली है, जिसमें 0.25 फीसदी की कटौती लगभग तय मानी जा रही है। इसके बाद 5 से 7 अगस्त या फिर 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच होने वाली बैठक में एक और 0.25 फीसद ी की कटौती की संभावना है। रेपो रेट में अब तक 0.50 फीसदी की कटौती हो चुकी है। आरबीआई ने इस वर्ष फरवरी से दरों में कटौती शुरू की थी और अब तक दो बैठकों में कुल 0.50 फीसदी की कटौती कर रेपो रेट को 6 फीसदी तक ला चुका है। यदि आगामी दो बैठकों में और कटौती होती है, तो यह दर और सस्ती हो जाएगी, जिससे उद्योगों को किफायती दरों पर कर्ज मिलेगा और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। एसबीआई सिक्योरिटीज के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट ने कहा कि रेट कट के लिए सभी आर्थिक कारक अनुकूल हैं। महंगाई काबू

में है, मानसून सामान्य रहने के संकेत हैं और जीडीपी स्थिर बनी हुई है। खुदरा महंगाई जुलाई 2019 के बाद सबसे निचले स्तर पर है। ऐसे में ब्याज दरों में कटौती की पूरी संभावना है।

अल्काटेल धमाकेदार वापसी करने के लिए तैयार

नई दिल्ली/एजेंसी

भारतीय स्मार्टफोन बाजार में अल्काटेल कंपनी अपनी धमाकेदार वापसी करने के लिए तैयार है। अल्काटेल का प्रथम स्मार्टफोन अल्काटेल वी3 अल्ट्रा 27 मई को लॉन्च किया जाएगा। कंपनी ने लॉन्च डेट की पुष्टि कर दी है। अल्काटेल की भारतीय वापसी का नेतृत्व कर रहे माधव सेठ ने इस फोन की पहली झलक एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर शेयर की थी, जिसमें फोन के ब्लैक बॉक्स वेरिएंट की तस्वीर भी दिखाई गई थी। अल्काटेल वी3 अल्ट्रा को एक आई-कम्फोर्ट डिस्प्ले और पेन सपोर्ट जैसे यूनिक फीचर्स के साथ पेश किया जाएगा। कंपनी ने अपने लॉन्च पोस्टर से फोन के बैक डिज़ाइन की भी जानकारी दी है, जिसमें सर्कुलर कैमरा मोड्यूल और तीन कैमरा सेंसर के साथ एक एलईडी फ्लैश नजर आता है। इसके अलावा, रियर साइड पर पावर बटन, वॉल्यूम रॉकर और एक एक्स्ट्रा बटन भी दिखाई दे रहा है, जो शायद नेक्स्टपेपर की की तरह काम करेगा। फोन के फ्रंट में सेंटर पंच-होल डिस्प्ले दिया गया है और बॉक्स पर स्टाइलस का सिल्हूट भी नजर आ रहा है, जिससे स्टाइलस सपोर्ट की पुष्टि हो चुकी है। इसके साथ ही, फोन में रीड, वॉच, स्क्रॉल और क्रेट जैसे मल्टीपल मोड्स का सपोर्ट मिलेगा। अल्काटेल वी3 अल्ट्राको प्रीमियम फीचर्स के साथ मिड-रेंज या प्रीमियम सेगमेंट में लॉन्च किया जा सकता है, जो मोटोरोला एग्ज 50 स्टालस का एक मजबूत विकल्प बन सकता है।

अल्काटेल इंडिया के अनुसार, यह स्टाइलस यूजर्स को स्केचिंग, हाइलाइटिंग, नोट्स लिखने और डिजिटल साइन जैसी सुविधाएं प्रदान करेगा, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह स्टाइलस बॉक्स में मिलेगा या अलग से खरीदा जाएगा।अल्काटेल वी3 अल्ट्राकी ईवायई- कम्फर्ट डिस्प्ले तकनीक यूजर्स को आंखों को कम थकान के साथ बेहतर व्यूइंग एक्सपीरियंस देने का वादा करती है।

भारत की निर्यात क्षमता वित्त वर्ष 2024-25 में 50 प्रतिशत से अधिक

इंजीनियरिंग उत्पादों की सबसे अधिक 26.67 प्रतिशत हिस्सेदारी

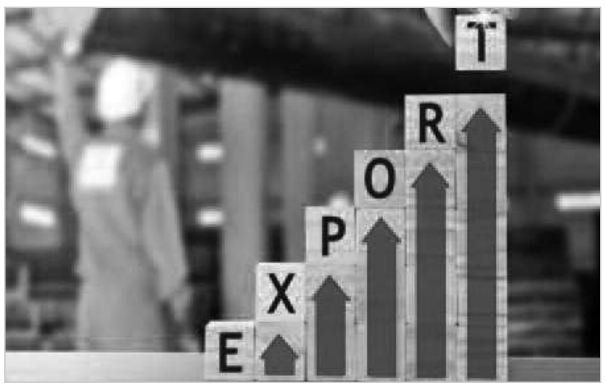

नई दिल्ली/एजेंसी

भारत की निर्यात क्षमता इस वित्त वर्ष में कृषि, औषधि, इलेक्ट्रॉनिक और इंजीनियरिंग सामानों की हिस्सेदारी में 50 प्रतिशत से अधिक वृद्धि करते हुए जारी है, जैसे कि सरकारी आंकड़े दर्शाते हैं। इस महत्वपूर्ण वृद्धि के दौरान, इंजीनियरिंग उत्पादों की महत्वपूर्ण भूमिका है, जो सबसे अधिक 26.67 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखते हैं। उन्हें खासी वृद्धि की गई है और इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय उत्पादों की मांग वृद्धि कर रही है। इलेक्ट्रॉनिक सामानों के क्षेत्र में भी 32.46 प्रतिशत की वृद्धि शानदार है, जो अमेरिकी डॉलरों में वृद्धि करके 38.58 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। इस बड़ी वृद्धि के साथ बाजारों में भारतीय उत्पादों की मांग और पसंद दिखा रही है। दवाएँ और औषधि का निर्यात भी बढ़ रहा है, जिससे भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के बीच संबंध मजबूत हो रहे हैं। कृषि सेक्टर में भी अच्छी वृद्धि देखने को मिल रही है, जैसे कि चावल, सब्जियों, फलों और समुद्री उत्पाद का निर्यात बढ़ रहा है। चीन, यूएई, बांग्लादेश और थाईलैंड जैसे देश इसके मुख्य आयातक हैं, जो भारत के कृषि उत्पादों की मांग बढ़ा रहे हैं। इसी तरह, भारत ने चाय, कॉफी, तंबाकू और अन्य उत्पादों का भी वृद्धि दर्ज की है, जिससे उसका निर्यात मानक संभाले रखने में मदद मिलेगी। इस वृद्धि के साथ भारतीय उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय मांग और महत्व और बढ़ चुकी है, जिससे भारत के निर्यात क्षमता में सुधार हो रहा है।

इंडिगो एयरलाइंस भी अब तुर्की के साथ कोडशेयर साझेदारी को लेकर निशाने पर

लोगों ने सोशल मीडिया पर एयरलाइन से तुर्की के साथ समझौता तोड़ने की अपील की

नई दिल्ली/एजेंसी

तुर्की द्वारा पाकिस्ेतान को मदद करने के बाद से ही भारत में 'बॉयकाट तुर्की' अभियान चल पड़ा है। तुर्की ने पाकिस्ेतान को हथियार सप्ेलाई किए, इसके बाद से देशभर में तुर्की के खिलाफ नाराजगी और गुस्ेसा है। इंडिगो एयरलाइंस भी अब तुर्की एयरलाइंस के साथ अपने कोडशेयर साझेदारी को लेकर निशाने पर आ गई है। बहुत से लोगों ने सोशल मीडिया के माध्ेयम से एयरलाइन से तुर्की एयरलाइंस के साथ अपने इस समझौते को तोड़ने की अपील की है। यही वजह है कि अब इंडिगो को अब अपने इस समझौते के बचाव में खुलकर सामने आना पड़ा है। इंडिगो ने दलील दी है कि यह समझौता भारतीय यात्रियों और इंडियन इकोनॉनी, दोनों के लिए फायदेमंद है। कोडशेयर समझौता ऐसा एग्रीमेंट है जिसमें दो या दो से अधिक एयरलाइंस एक ही उड़ान के लिए एक ही विमान का इस्ेतेमाल करती हैं, लेकिन प्रत्येक एयरलाइन अपनी ब्रांडिंग और टिकट बिक्री करती है। इंडिगो और तुर्की एयरलाइंस के बीच कोडशेयर समझौता एक ऐसी व्यवस्था है जिसके तहत यात्री दोनों एयरलाइनों में से किसी के माध्यम से टिकट बुक करके साझा गंतव्यों के नेटवर्क में उड़ान भर सकते हैं। इं डिगो ने एक बयान जारी कर कहा कि यह साझेदारी भारतीय यात्रियों और देश की अर्थव्यवस्था, दोनों के लिए फायदेमंद है। एयरलाइन ने बताया कि भारत और तुर्किये के बीच हुए द्विपक्षीय एयर सर्विस एग्रीमेंट के तहत दोनों देशों की एयरलाइंस को सप्ताह में 56 फ्लाइट्स तक संचालित करने की अनुमति है। एयरलाइन ने जोर दिया कि यह व्यवस्था खासतौर पर कोविड महामारी के बाद बढ़े हुए अंतरराष्ट्रीय किरायों के बीच भारतीय यात्रियों को सस्ता और सुगम विकल्प देती है। खासकर छोटे शहरों से दो स्टॉप कनेक्शन के जरिए उड़ान भरने वालों के लिए। इंडिगो ने कहा` कि कोडशेयर ने इंडिगो को यूरोप और अमेरिका के लंबी दूरी वाले बाजारों में अपनी उपस्थिति बनाने में मदद की है। यह भविष्य में आत्मनिर्भरता की नींव रखता है। हालांकि सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने इस साझेदारी पर नाराज़गी जाहिर की है और इंडिगो से तुर्की एयरलाइन से दूरी बनाने की मांग की है।

एयरटेल ने दुनिया का पहला फ्रॉड डिटेक्शन सॉल्यूशन किया लॉन्च

अब रियल टाइम में सभी कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म्स - ईमेल, ओटीटी और एसएमएस पर ब्लॉक होंगे फ्रॉड वेबसाइट्स

नई दिल्ली/एजेंसी

स्पैम के खिलाफ अपनी लगातार लड़ाई को आगे बढ़ाते हुए, एयरटेल ने एक अत्याधुनिक समाधान लॉन्च किया है, जो सभी कम्युनिकेशन ओवर - द - टॉप (ह्लञ्जञ्ज) ऐप्स और प्लेटफॉर्म्स- जैसे ईमेल, ब्राउज़र, व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक, इंस्टाग्राम, एसएमएस आदि, पर फ्रॉड और मैलिशियस वेबसाइट्स को रियल टाइम में पहचान कर ब्लॉक कर देगा। यह सुरक्षित सेवा सभी एयरटेल मोबाइल और ब्रॉडबैंड ग्राहकों के लिए बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के स्वचालित रूप से सक्रिय कर दी जायेगा द्य जब कोई ग्राहक ऐसी वेबसाइट खोलने की कोशिश करता है, जिसे एयरटेल की सिक्योरिटी सिस्टम ने 'मैलिशियस' के रूप में फ़्लैग किया है, तो उस वेबसाइट का पेज लोड नहीं होता, इसके बजाय, ग्राहक को एक नए पेज पर रीडायरेक्ट किया जाता है, जहां ब्लॉक किए जाने का कारण स्पष्ट रूप से बताया जाता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के देशभर में तेजी से विस्तार के चलते ऑनलाइन फ्रॉड का खतरा हर दिन बढ़ रहा है, जिससे उपभोक्ताओं पर गंभीर जोखिम मंडरा रहा है। हाल के दिनों में ऐसे खतरों में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। फ्रॉड स्कीमें अब केवल ओटीपी या फर्जी कॉल तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि हालिया रिपोर्ट्स बताती है कि लाखों लोग अब मैलिशियस ऑनलाइन स्कैम्स का शिकार हो रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, एयरटेल ने एक एआई -आधारित, मल्टी-लेयर इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जो ग्राहकों को सभी प्रकार के स्कैम और फ्रॉड से सुरक्षा प्रदान करेगा। यह अत्याधुनिक थ्रेट डिटेक्शन सिस्टम सभी प्लेटफॉर्म्स पर डोमेन फ़िल्टरिंग करेगा और डिवाइसेज़ पर इन लिंक्स को ब्लॉक करेगा। इस पहल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, भारती एयरटेल के वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डाइरेक्टर गोपाल विट्टल ने कहा, ÷पिछले कुछ वर्षों में हमने कई ऐसे मामले देखे, जहां खतरे से अंजान ग्राहकों को चतुर अपराधियों ने उनकी मेहनत की कमाई को ठगा। हमारे इंजीनियरों ने इस समस्या का हल खोजने के लिए फ्रॉड डिटेक्शन सॉल्यूशन तैयार किया है। हमें विश्वास है कि यह समाधान हमारे ग्राहकों को इंटरनेट ब्राउज़ करते समय सुरक्षा का पूरा भरोसा देगा और स्कैम का डर खत्म करेगा।

जापान की अर्थव्यवस्था की वार्षिक वृद्धि दर घटकर 0.7 प्रतिशत

तोक्यो।

जापान की अर्थव्यवस्था की वार्षिक वृद्धि दर 2025 की पहली तिमाही में घटकर 0.7 प्रतिशत रह गई। मंत्रिमंडल कार्यालय के शुक्रवार को जारी मौसमी रूप से समायोजित प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, जापान का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद जनवरी-मार्च में अक्टूबर दिसंबर 2024 की तुलना में अपेक्षा से अधिक 0.2 प्रतिशत सिकुड़ गया। एक साल में पहली बार इसमें संकुचन दर्ज किया गया। जापान की अर्थव्यवस्था 2024 की अंतिम तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में 2.4 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ी थी। निर्यात में 2.3 प्रतिशत की वार्षिक दर से गिरावट आई। उपभोक्ता व्यय स्थिर रहा, जबकि पूंजी निवेश में 5.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अमेरिकी शुल्क से जापान के बड़े निर्यातकों, खास तौर पर मोटर वाहन विनिर्माताओं को नुकसान होने की आशंका है। न केवल जापान से भेजे जाने वाले उत्पादों के लिए, बल्कि मेक्सिको और कनाडा जैसे अन्य देशों से भीज। अधिकारियों ने माना कि प्रतिक्रिया की योजना बनाना एक चुनौती है क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना रुख बदलते रहते हैं।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी का मुनाफा 20.05 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई।

विद्युत उत्पादक कंपनी जेएसडब्ल्यू एनर्जी का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में सकल मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 345.27 करोड़ रुपये के मुकाबले 20.05 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 414.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में उसे 414.51 करोड़ रुपये का सकल मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही के 345.27 करोड़ रुपये के मुकाबले 20.05 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में उसकी कुल आय 2,879.35 करोड़ रुपये से 21.5 प्रतिशत बढ़कर 3,497.39 करोड़ रुपये हो गई। इसी तरह उसका कुल व्यय भी 2,547.28 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,142.05 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

सिग्नेचर ग्लोबल की बिक्री बुकिंग में 21.5 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य

कंपनी के मुनाफे में 101.2 करोड़ रुपये की वृद्धि

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अपने बिक्री बुकिंग 21.5 प्रतिशत बढ़ाकर 12,500 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए कंपनी ने कई आवासीय परियोजनाएं शुरू करने की योजना बनाई है। सिग्नेचर ग्लोबल के चेयरमैन ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 हमारे व्यवसाय संचालन के सभी पहलुओं में असाधारण रूप से सफल रहा है। निवेशक प्रस्तुति के अनुसार गुरुग्राम स्थित कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बिक्री बुकिंग (प्री-सेल) के लिए 12,500 करोड़ रुपये का लक्ष्य तय किया है। सिग्नेचर ग्लोबल ने वित्त वर्ष 2025-26 में बिक्री में 20 प्रतिशत की वृद्धि करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने अपने लंबी अवधि के उद्देश्य को बनाए रखने की भी बात की। सिग्नेचर ग्लोबल ने समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में अपनी बिक्री बुकिंग को 42 प्रतिशत बढ़ाकर रिकॉर्ड 10,290 करोड़ रुपये तक पहुंचाया। कंपनी के मुनाफे में भी 101.2 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। यह उनके व्यापक विस्तार और मांग की मजबूती को दर्शाता है। सिग्नेचर ग्लोबल का यह उद्यम रियल एस्टेट उद्योग में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने गुरुग्राम में कई परियोजनाएं विकसित की हैं और कई और निर्माणाधीन हैं, जो अगले वर्षों में उनके लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेंगी।

टेलीकॉम वार में जियो निकला एयरटेल से आगे, कई मामलों में बेहतर

मुंबई।

देश की दो प्रमुख टेलीकॉम कंपनियों एयरटेल और रिलायंस जियो के बीच प्रतिस्पर्धा तेज होती जा रही है। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में भारती एयरटेल ने मामूली 0.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 36,735 करोड़ रुपये का राजस्व पाया। वहीं, जियो ने इसी अवधि में 2.3 प्रतिशत की तिमाही दर तिमाही वृद्धि के साथ बेहतर प्रदर्शन किया है। राजस्व के अलावा भी कई प्रदर्शन मापदंडों पर जियो ने एयरटेल को पीछे छोड़ दिया है। बीते एक साल में जियो ने जहां 20.6 मिलियन नए यूजर्स जोड़े, वहीं एयरटेल सिर्फ 4.3 मिलियन ग्राहक ही जोड़ सकी। इसके साथ जियो का कुल ग्राहक आधार 488.2 मिलियन तक पहुंच गया है, जबकि एयरटेल अभी 424 मिलियन यूजर्स तक ही सीमित है। ग्राहक जुड़ाव यानी कस्ेटमर एंगेजमेंट के मामले में भी जियो ने बाजी मारी है। जियो का प्रति ग्राहक औसत डेटा उपयोग सालाना 17.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 33.5 जीबी प्रति माह हो गया है, जबकि एयरटेल का यह आंकड़ा सिर्फ 11.1 प्रतिशत बढ़त के साथ 25.1 जीबी तक पहुंच सका है। वॉइस यूसेज में भी जियो आगे निकल गया है। एयरटेल को जहां सालाना सिर्फ 0.4 प्रतिशत की वृद्धि मिली, वहीं जियो ने 3 प्रतिशत की दर से ग्रोथ दर्ज की। ब्रॉडबैंड और फिक्स्ड लाइन सेगमेंट में जियो का प्रदर्शन और भी प्रभावशाली रहा है। वित्तीय साल 25 में जियो ने 6.4 मिलियन नए घरों को फिक्स्ड लाइन सेवा से जोड़ा, जबकि एयरटेल इस मामले में 2.4 मिलियन तक ही सीमित रह गया। फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) कैटेगरी में भी जियो का दबदबा दिखा। इस क्षेत्र में जियो ने 5 मिलियन नए कस्टमर्स को जोड़ा है, जबकि एयरटेल सिर्फ 1.1 मिलियन नए ग्राहक ही जोड़ पाया।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

नई दिल्ली/एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली वाली रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 200 अंक नीचे आकर 82,330.59 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 42.30 तकरीबन 0.17 फीसदी टूटकर 25,019.80 पर बंद हुआ.

आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, बजाज ऑटो, अदानी एंटरप्राइजेज, टाटा कंज्यूमर, इटरनल (जोमेटो) के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि भारती एयरटेल, जेएसडब्ल्यू स्टील, इंफोसिस, एसबीआई, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर गिरे। वहीं बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 0.8 फीसदी की तेजी रही जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स में 1 फीसदी की बढ़त रही। सेक्टरों में मीडिया, पावर, पीएसयू, रियल्टी, कैपिटल गुड्स इंडेक्स में 1-1.7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि आईटी इंडेक्स करीब एक फीसदी नीचे आया।

इससे पहले आज सुबह बाजार सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन ` गिरावट के साथ खुला। शुरुआत कारोबार में आईटी, वित्तीय सेवाओं और फार्मा सेक्टर में बिकवाली रही। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 231.64 अंक की गिरावट के साथ 82,299.10 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 49.95 अंक की गिरावट के साथ 25,012.15 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी बैंक 52.40 अंक की गिरावट के साथ 55,303.20 पर कारोबार कर रहा था।

निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 169.20 अंक की बढ़त के साथ 56,700.05 पर कारोबार कर रहा था केवल निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 78.45 अंक फीसदी बढ़कर 17,318.40 पर कारोबार कर रहा था। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में चीन, हांगकांग और जापान लाल निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि बैंकॉक, जकार्ता और सियोल हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। वहीं अमेरिकी बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र में डाउ जोंस 271.69 अंक की बढ़त के साथ 42,322.75 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 24.35 अंक की बढ़त के साथ 5,916.93 पर बंद हुआ और नैस्डैक 34.49 अंक की गिरावट के साथ 19,112.32 पर बंद हुआ।

तुर्की के खिलाफ देशभर में उठी मांग, सेब से लेकर सभी वस्तुओं के आयात पर तत्काल लगे रोक

नई दिल्ली/एजेंसी

पहलगाम हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्ेतान के 11 एयरबेस को तबाह कर दिया। इस ऑपरेशन सिंदूर ने तुर्की, चीन जैसे दुश्ेमनों की पहचान भारत को करा दी। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ तुर्की ने पाकिस्तान का खूब साथ दिया। जिसके बाद अब भारत में तुर्की के विरोध में स्वर उठने लगे हैं। भारत के कई संगठनों और लोगों ने तुर्की और वहां की वस्तुओं और सेवाओं को बैन करने की मांग की है। सेब के आयात पर रोक लगाने की मांग उसमें से एक है। यदि एप्ेपल इंपोर्ट पर बैन लगता है, तब तुर्की को 1000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है।

हिमालयी सेब उत्पादक किसानों के संगठन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर तुर्की से सेब आयात पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की है। संगठन का मानना हैं कि लगातार बढ़ते तुर्की से सेब आयात ने हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के बागवानों को आर्थिक संकट में डाल दिया है। तुर्की से सेब आयात में साल दर साल वृद्धि हुई है और अब यह भारतीय बागवानों को तगड़ा कॉम्ेपीटिशन दे रहा है। उदाहरण के तौर पर वितीय साल 2023-24 में तुर्की से आयातित सेब का मूल्य 821 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इससे लोकल सेब की कीमतों में गिरावट आई है, जिससे बागवानों को लागत मूल्य भी प्राप्त नहीं हो पा रहा है। संगठन ने केंद्र सरकार से तुर्की से सेब के आयात पर तत्काल पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। इसके साथ ही अन्य देशों से आयातित सेब पर न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) लागू करने की मांग भी की गई

है। संगठन ने चेतावनी दी कि अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तब देश के पारंपरिक सेब उत्पादक क्षेत्र गंभीर संकट का सामना कर सकते हैं। बता दें कि फरवरी 2023 में तुर्की में आए महाविनाशकारी भूकंप के बाद भारत मदद करने वाले पहले देशों में से एक था। इस दौरान भारत की ओर से 'ऑपरेशन दोस्त' चलाकर तुर्की के लोगों की मदद की गई थी।

संयुक्त राष्ट्र ने 2025 के लिए भारत का वृद्धि अनुमान घटाकर 6.3 प्रतिशत किया

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने 2025 के लिए भारत के आर्थिक वृद्धि अनुमान को घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने हाल ही में 2025 के मध्य तक विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावनाएं शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की। इसमें उसने कहा कि भारत, अनुमानित नरमी के बावजूद लचीले उपभोग तथा सरकारी व्यय के सहारे सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग (डीईएसए) के आर्थिक विश्लेषण एवं नीति प्रभाग की वैश्विक आर्थिक निगरानी शाखा के आर्थिक मामलों के वरिष्ठ अधिकारी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा` कि भारत मजबूत निजी खपत तथा सार्वजनिक निवेश के बल पर सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है, भले ही 2025 में वृद्धि अनुमानों को घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है` कि मजबूत निजी खपत तथा मजबूत सार्वजनिक निवेश के साथ-साथ मजबूत सेवा निर्यात आर्थिक वृद्धि को समर्थन देगा। इससे पहले इस साल जनवरी में प्रकाशित संयुक्त राष्ट्र विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावना रिपोर्ट में विश्व संस्थान ने भारत की वृद्धि दर के 2025 में 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। वहीं 2026 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) आधारित वृद्धि के 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

भारत और अमेरिका के बीच नया व्यापार समझौता की पेशकश

भारत ने कहा, मूल रूप से अमेरिकी वस्तुओं पर कोई टैरिफ लागू न करे

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते की पेशकश की है। इस समझौते में भारत ने मूल रूप से अमेरिकी वस्तुओं पर कोई टैरिफ लागू न करने की पेशकश की है। ट्रंप ने कहा कि भारत ने एक बेहतर सौदा पेश किया है जिसमें टैरिफ शामिल नहीं है। इसके साथ ही ट्रंप ने एप्पल के सीईओ टिम कुक से भारत में और अधिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने की योजना पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। इन प्लांट्स के निर्माण पर ट्रंप ने विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के बारे में चर्चाएं शुरू हो गई हैं, जिनमें 2025 तक समझौते को पूरा करने की योजना है। वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि इस समझौते के माध्यम से भारत-अमेरिका के आर्थिक संबंधों को मजबूत और विस्तारित करने का काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप ने मिशन 500 की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य 2030 तक भारत-अमेरिका के बीच व्यापार को 500 बिलियन डॉलर तक बढ़ाना है। यह नया समझौता दोनों देशों के व्यापार संबंधों के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संक्षिप्त

जयपुर में IPL मुकाबले से पहले खिलाड़ियों ने सेना को किया सलाम

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स के खिलाड़ी रविवार को यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में आईपीएल 2025 के मुकाबले से पहले भारतीय सशस्त्र बलों को श्रद्धांजलि देने के लिए भारतीय राष्ट्रगान के समय कतार में खड़े हुए। आरआर-पीबीकेएस मुकाबला शनिवार को आईपीएल 2025 के फिर से शुरू होने के बाद होने वाला पहला उचित मैच है, जो पाकिस्तान के साथ सीमा पार तनाव के कारण एक सप्ताह के निलंबन के बाद हुआ है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच शनिवार को होने वाला मुकाबला बारिश के कारण बेंगलुरु में बिना टॉस के धुल गया, जिससे आईपीएल के फिर से शुरू होने का उत्साह फीका पड़ गया।

रोम खिताब पर कब्जा, पाओलिनी ने गॉफ को हराकर बनाई इतिहास

रोम (इटली), एजेंसी। घरेलू पसंदीदा जैस्मीन पाओलिनी ने शनिवार को इंटरनैशनली बीएनएल डी'इटालिया में इतिहास रच दिया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि चार दशकों में पहली बार, इटैलियन इंटरनेशनल के पास महिला एकल में इतालवी चैंपियन है। पाओलिनी ने रोम में पक्षपातपूर्ण भीड़ को रोमांचित कर दिया, क्योंकि नंबर 6 सीड पाओलिनी ने कैम्पो सेंट्रल में फाइनल में नंबर 4 सीड कोको गॉफ को 6-4, 6-2 से हराकर ऐतिहासिक खिताब जीता। पाओलिनी 40 साल पहले 1985 में राफैला रेगी के बाद अपने देश के सबसे बड़े आयोजन में जीत हासिल करने वाली पहली महिला हैं।

टीम केकेआर में रोवमैन की जगह शिवम शुक्ला का आगमन

कोलकाता, एजेंसी। गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल 2025 के शेष मैचों के लिए वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रोवमैन पॉवेल की जगह मध्य प्रदेश के मिस्ट्री स्पिनर शिवम शुक्ला को शामिल किया है, जिसकी घोषणा रविवार को फ्रेंचाइजी ने की। यह कदम इस बात की पुष्टि के बाद उठाया गया है कि पॉवेल, इंग्लैंड के मोईन अली के साथ, चिकित्सा समस्याओं के कारण शेष सत्र के लिए वापस नहीं आएंगे। केकेआर ने एक बयान में कहा, रोवमैन एक प्रक्रिया से गुजर रहे हैं, क्योंकि आईपीएल 2025 का सत्र थोड़े समय के निलंबन के बाद शनिवार को फिर से शुरू हुआ। 29 वर्षीय शुक्ला को घरेलू स्तर पर सीमित अनुभव है, उन्होंने केवल एक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी सत्र खेला है, जिसमें उन्होंने बंगाल के खिलाफ 4-29 के प्रदर्शन सहित कई मैचों में आठ विकेट लिए थे।

दीक्षा संयुक्त नौवें पायदान पर, डच लेडीज ओपन में तीन भारतीयों ने कट में बनायी जगह

हिल्वरसम (नीदरलैंड्स), एजेंसी। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर डच लेडीज ओपन के दूसरे दौर में दो अंडर 70 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से नौवें पायदान पर है। दीक्षा ने आखिरी छह होल में तीन बर्डी और एक बोगी लगाई जिससे उनका कुल स्कोर तीन अंडर का है। अन्य भारतीयों में हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर की नंबर एक खिलाड़ी हिताक्षी बक्शी ने 73 का कार्ड खेला। उन्होंने पहले दौर में 71 का कार्ड खेला था। वह संयुक्त रूप से 26वें पायदान पर है। कट में प्रवेश करने वाली तीसरी खिलाड़ी अवनी प्रशांत रहीं। पहले दौर में 77 का कार्ड खेलने वाली इस खिलाड़ी ने दूसरे दौर में सात शॉट का सुधार किया और संयुक्त 51वें स्थान पर है।

'करो या मरो' मैच में लखनऊ को हैदराबाद के खिलाफ जीत की जरूरत

आईपीएल

- **ऋषभ पंत अब तक के बेहद निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोडकर बल्ले से भी लय हासिल करना चाहेंगे।**

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) की टीम सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अपने 'करो या मरो' मैच में जब सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसकी कोशिश बड़े अंतर से जीत हासिल कर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने की होगी।

भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के कारण एक सप्ताह के निलंबन के बार फिर से शुरू हो रही इस लीग में एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत अब तक के बेहद निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोडकर बल्ले से भी लय हासिल करना चाहेंगे।

पिछले साल की उपविजेता सनराइजर्स पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और वह प्रतिष्ठा के लिए खेलेगी। लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम के नाम 11 मैचों में 10 अंक है लेकिन नेट रन रेट माइनस 0.469 है। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे अपने बचे हुए तीनों मैचों को बड़े अंतर से जीतना होगा।

सनराइजर्स के कुछ खिलाड़ियों के लिए लय हासिल करने का एक अच्छा मौका होगा खासकर नीतीश कुमार रेड्डी और ईशान किशन जैसे खिलाड़ी भारत ए के इंग्लैंड दौरे से पहले कुछ उपयोगी पारियां खेलना चाहेंगे।

लखनऊ की टीम के लिए मौजूदा सत्र में सबसे बड़ी निराशा कप्तान पंत का बल्ले से निराशाजनक प्रदर्शन है। पिछले साल आईपीएल नीलामी में 27 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बोली के बाद वह रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे हैं। उन्होंने इस सत्र के 11 मैचों में 100 से कम की स्ट्राइक-रेट और 12.80 की औसत से 128 रन ही बनाये है। यह इतना निराशाजनक है कि चीजों में यहां से सुधार की ही उम्मीद की जा सकती है।

पंत का नाम भारतीय टेस्ट टीम की उपकप्तानी के लिए चर्चा में है। आईपीएल एक अलग प्रारूप है, लेकिन वह इंग्लैंड दौरे की टीम और कप्तान तथा उपकप्तान जैसी बड़ी घोषणा से ठीक पहले कुछ अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। पंत के लिए यह मजबूरी वाला ब्रेक इससे बेहतर समय पर नहीं आ सकता था क्योंकि इससे इस खिलाड़ी को अपने खेल के विश्लेषण करने का अच्छा मौका मिला होगा।

लखनऊ की टीम हालांकि अपने मुख्य बल्लेबाज निकोलस पूरन (410 रन) से भी एक बार फिर से अच्छा प्रदर्शन चाहेगी। वह शुरुआती पांच-छह मैचों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के बाद वह प्रभावित करने में नाकाम रहे। पूरन के अलावा टीम को अपने शीर्ष तीन क्रम में शामिल दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम (348 रन) और मिचेल मार्श (378) से अच्छी शुरुआत की उम्मीद होगी।

मध्यक्रम में आयुष बडोनी (326 रन) के अलावा कोई भी बल्लेबाज प्रभावी खेल नहीं दिखा पाया है। डेविड मिलर अब तक सिर्फ 160 रन बनाये है। रवि बिश्नोई बीच के ओवरों में विकेट चटकाने में नाकाम रहे हैं लेकिन दिग्वेश राठी ने अपने पहले सत्र में 12 लेकर प्रभावित किया है।

चोटिल मयंक यादव की जगह न्यूजीलैंड के विलियम ओ राउरकी के टीम में आने से गेंदबाजी में पैनापन आयेगा। टीम हालांकि तेज गेंदबाजी में अनुभवी शारदुल ठाकुर, आवेश खान और आकाश दीप से बेहतर प्रदर्शन चाहेगी। पंजाब के लिए नियमित रूप से रणजी ट्रॉफी खेलने वाले अभिषेक शर्मा (311 रन) इंग्लैंड दौरे के लिए भारत ए की टीम से नजरअंदाज किए जाने से निराश होंगे। उनके पास अपने दम पर किसी भी गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ धज्जियां उड़ाने की क्षमता है।

टीमें:

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायडे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिच क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रेविस हेड, हर्षल पटेल, कामिन्दु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा।

लखनऊ सुपरजायंट्स: ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), एडेन मारक्रम, मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, आयुष बडोनी, अब्दुल समद, डेविड मिलर, शारदुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, दिग्वेश सिंह राठी, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, शाहबाज अहमद, मैथ्यू ब्रीट्जके, हिम्मत सिंह, शमरा जोसेफ, मणिमारन सिद्धार्थ, आर्यन जुयाल, आरएस हंगरगेकर, युवराज चौधरी, आकाश महाराज सिंह, अर्शिन कुलकर्णी।

मैच शाम 07:30 बजे से खेला जायेगा।

बिना रोहित-विराट के इंग्लैंड में भारत की अग्नि परीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज 20 जून से शुरू हो रही है, लेकिन इस बार टीम इंडिया मैदान पर एक अलग ही रूप में नजर आएगी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद यह पहली बार होगा जब भारतीय टीम इन दोनों दिग्गजों के बिना टेस्ट मुकाबलों में इंग्लैंड से भिड़ेगी।

भारत का ऐतिहासिक रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में कमजोर रहा है। अब तक दोनों टीमों के बीच 136 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें भारत ने केवल 35 में जीत दर्ज की है जबकि इंग्लैंड ने 51 मैचों में बाजी मारी है। वहीं, 50 मैच ड्रॉ पर खत्म हुए हैं। यह आंकड़ा बताता है कि भारत को इंग्लैंड पर पकड़ मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी।

हालांकि, पिछली सीरीज में भारत ने इंग्लैंड को करारी शिकस्त दी थी। 2024 की घरेलू सीरीज में भारत ने पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला 4-1 से अपने नाम की थी। उस सीरीज में यशस्वी जायसवाल ने बल्ले से कहर बरपाते हुए 712 रन बनाए थे जबकि रविचंद्रन अश्विन ने 26 विकेट झटके थे। इंग्लैंड की ओर से जैक क्रॉली ने 407 रन बनाए और टॉम हार्टले ने 22 विकेट हासिल किए थे। इस बार सीरीज का पहला मुकाबला 20 से 24 जून तक खेला जाएगा, जबकि आखिरी टेस्ट 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच होगा। बाकी टेस्ट मैच क्रमशः 2-6 जुलाई, 10-14 जुलाई और 23-27 जुलाई तक आयोजित किए जाएंगे।

वहीं टीम इंडिया के कप्तान को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं।

आरसीबी के पास इस बार खिताब जीतने का सुनहरा मौका: सुरेश रैना

आईपीएल

- **उम्मीद है कि कोहली इस साल आरसीबी को पहली बार आईपीएल ट्रॉफी दिला सकते हैं**

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) शानदार लय में नजर आ रही है और पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि इस बार टीम के पास खिताब जीतने का बेहतरीन मौका है। विराट कोहली की कप्तानी में 2016 में फाइनल तक पहुंची बेंगलुरु की टीम उस साल सनराइजर्स हैदराबाद से हार गई थी, लेकिन अब टीम के प्रदर्शन में निखार आया है। रैना ने कहा कि बेंगलुरु इस बार अलग स्तर की क्रिकेट खेल रही है। उन्होंने चिन्नास्वामी स्टेडियम में कम स्कोर 150 और 136 रन का सफलतापूर्वक बचाव कर दिखाया है, जो उनके गेंदबाजी आक्रमण की मजबूती को दर्शाता है। इसके साथ ही नए कप्तान के नेतृत्व में टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स जैसी मजबूत टीम को दो बार हराया है, जो उनके आत्मविश्वास और रणनीति का प्रमाण है। रैना ने आगे कहा कि ड्रेसिंग रूम में पॉजिटिव माहौल है और खिलाड़ी एकजुटता के साथ खेल रहे हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि मुंबई इंडियंस, गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स जैसी टीमें भी अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन यह साल विराट कोहली का हो सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कोहली इस साल आरसीबी को पहली बार आईपीएल ट्रॉफी दिला सकते हैं, जिससे 18 साल का इंतजार खत्म हो सकता है। रैना ने सोमवार को एक ट्वीट में भी कोहली की जमकर तारीफ की थी। उन्होंने लिखा, "आपकी टेस्ट क्रिकेट में जुनून और नेतृत्व ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है, भाई! प्यार और सम्मान।" कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी और अब 10 दिन के ब्रेक के बाद वे आईपीएल में वापसी कर रहे हैं।

बेहद सादा और अनुशासित जीवन है विराट की सेहत का राज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज बल्लेबाज़ विराट कोहली ने आखिरकार टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। आजकल उनकी बेमिसाल फिटनेस भी चर्चा का विषय बनी रही। विराट की मैदान में ऊर्जा और स्टैमिना का राज सिर्फ जिम या वर्कआउट नहीं, बल्कि उनका बेहद सादा और अनुशासित जीवन है।

विराट कोहली की दिनचर्या और डाइट बेहद संतुलित और साफ-सुथरी है। कोहली ने हमेशा अपनी फिटनेस को प्राथमिकता दी और फिटनेस को लेकर उनकी गंभीरता सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती है। वे सुबह जल्दी उठते हैं और दिन की शुरुआत पानी पीने से करते हैं। वे नींबू पानी या शहद मिलाकर खुद को हाइड्रेट रखते हैं। इसके बाद हल्का व्यायाम करते हैं जिसमें वार्म-अप, स्ट्रेचिंग और कार्डियो शामिल होता है।

योग और ध्यान भी उनके रुटीन का हिस्सा है, जो मानसिक शांति और फोकस बनाए रखने में मदद करता है। डाइट की बात करें तो कोहली पूरी तरह शाकाहारी हो चुके हैं और उनकी थाली में प्लांट बेस्ड चीजें ही होती हैं। नाश्ते में एवोकाडो, सलाद और स्प्राउट जैसे हल्के, लेकिन पोषण से भरपूर खाद्य पदार्थ होते हैं। वे स्वाद से ज़्यादा पोषण पर ध्यान देते हैं और ज़्यादातर उबला या स्टीम्ड खाना खाते हैं। उनका कहना है कि उन्हें स्वाद से लगाव नहीं है, बल्कि शरीर को ज़रूरी पोषण देना ही उनका मकसद है। कभी-कभी वे ग्रिल्ड फूड खाते हैं जिसमें जैतून का तेल इस्तेमाल होता है। कोहली पूरी तरह से अनहेल्दी आदतों से दूर रहते हैं।

नींद को लेकर भी वे बेहद सतर्क रहते हैं। वे हर रात 8 से 9 घंटे की नींद लेते हैं और गैजेट्स से दूरी बनाकर समय पर सोते हैं। पत्नी अनुष्का शर्मा के मुताबिक, दोनों रात में मोबाइल और स्क्रीन से दूरी बनाकर एक शांत नींद को प्राथमिकता देते हैं। वे न सिगरेट पीते हैं, न शराब को हाथ लगाते हैं। फैटी फूड, डेयरी प्रोडक्ट्स, जंक फूड और शक्कर से पूरी तरह परहेज़ करते हैं। यहां तक कि वे सब्जियों में भी ग्रेवी नहीं लेते। उनका मानना है कि जितना सिंपल भोजन होगा, शरीर उतना ही बेहतर काम करेगा।

विराट कोहली को सम्मान देने पहुंचे फैंस

बेंगलुरू, एजेंसी। रॉयल चैलैंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच शनिवार को मुकाबले के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का रोमांच एक बार फिर शुरू हुआ। हालांकि तेज बारिश के कारण यह मुकाबला रद्द हो गया। मैच के रद्द होने के चलते दोनों टीमों को एक-एक अंक दिया गया। इसके बाद केकेआर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई, जबकि बेंगलुरु की टीम अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई है।

बेंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में यह मैच भले ही न हो पाया हो, लेकिन होम टीम आरसीबी के फैंस अपने चहेते खिलाड़ी विराट कोहली को देखने बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचे थे। फैंस 18 नंबर की सफेद जर्सी पहने स्टेडियम में नजर आए, लेकिन बारिश के चलते वह अपने चहेते खिलाड़ी को खेलते हुए नहीं देख सके। दरअसल हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद विराट कोहली शनिवार को पहली बार मैदान पर उतरने वाले थे, इसलिए एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में विराट को खास सम्मान देने के लिए फैंस सफेद जर्सी में आए थे। आरसीबी ने रविवार को सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर विराट को बड़ी संख्या में देखने पहुंचे फैंस का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, चिन्नास्वामी सफेद हो गया- किंग कोहली के टेस्ट करियर को सम्मान।

फ्रेंचाइजी ने आगे लिखा कि विराट कोहली के शानदार टेस्ट करियर को दिल को छू लेने वाला सम्मान देने के लिए प्रशंसक न केवल बड़ी संख्या में बल्कि भावनाओं में भी दिखाई दिए, सफेद कपड़ों में लिपटे हुए - नारे लगाते हुए और विशेष बैनर के साथ, जिसने इसे खेल में एक ऐतिहासिक क्षण बना दिया।

पहल | **टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए वेस्टइंडीज बोर्ड का बड़ा फैसला**

वेस्टइंडीज-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज में बच्चों की एंट्री मुफ्त

बारबाडोस, एजेंसी। दुनियाभर में टेस्ट क्रिकेट का आकर्षण धीरे-धीरे कम होता जा रहा है और इसे बचाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और तमाम क्रिकेट बोर्ड्स नए-नए कदम उठा रहे हैं। हाल ही में आईसीसी ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की पुरस्कार राशि को दोगुना कर दिया है, वहीं अब वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) ने टेस्ट क्रिकेट को बच्चों के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए एक अनोखा फैसला लिया है। सीडब्ल्यूआई ने घोषणा की है कि वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान बच्चों को स्टेडियम में प्रवेश के लिए कोई टिकट नहीं खरीदना पड़ेगा।

इस फैसले का मकसद युवा पीढ़ी में टेस्ट क्रिकेट के प्रति रुचि जगाना है। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के सीईओ क्रिस डेहिंग ने इस पहल की जानकारी देते हुए कहा कि बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल, ग्रेनेडा नेशनल स्टेडियम और जमैका के सबीना पार्क में होने वाले तीनों टेस्ट मैचों के दौरान सभी बच्चों को निशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। केंसिंग्टन ओवल में आयोजित डब्ल्यूआई होम फुल आह एनर्जी कैंपेन के लॉन्च के दौरान डेहिंग ने कहा कि यह निर्णय वेस्टइंडीज क्रिकेट की एक नई नीति के तहत लिया गया है, जिसका उद्देश्य टेस्ट क्रिकेट को फिर से जीवंत करना है। उन्होंने कहा, "सीडब्ल्यूआई में हम मानते हैं कि टेस्ट क्रिकेट तक बच्चों की पहुंच एक मानवाधिकार है। यह जरूरी है कि हमारे बच्चे इस पारंपरिक फॉर्मेट से जुड़ सकें और इसके लिए किसी भी प्रकार की वित्तीय रुकावट उनके सामने न हो।" उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों को किसी टिकट की जरूरत नहीं होगी, यह उनका अधिकार है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जब यह अधिकार बच्चों का है, तो यह माता-पिता, सरकारों और समाज की जिम्मेदारी है कि वे इस अधिकार को बच्चों तक पहुंचाएं।

वहीं, सीडब्ल्यूआई के अध्यक्ष डॉ. किशोर शैलो ने उम्मीद जताई है कि इस पहल से स्टेडियम में दर्शकों की संख्या में इज़ाफा होगा और टेस्ट मैचों का माहौल पहले की तरह जोशभरा होगा। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किस उम्र तक के बच्चों को मुफ्त प्रवेश की सुविधा मिलेगी। वेस्टइंडीज का यह कदम निश्चित रूप से टेस्ट क्रिकेट को नई पीढ़ी में पुनर्जीवित करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास माना जा रहा है।

बच्चों के साथ बिताएं अपना वीकएंड

हम आपके लिए कुछ फन एक्टिविटीज लेकर आए हैं जो आपको बीकएंड में अपने बच्चों के साथ करने में बेहद मजा आएंगा और साथ ही आप अपने बच्चों के साथ ज्यादा समय भी व्यतीत कर पाएंगे। वीकएंड्स पर बच्चों को संभालना बेहद मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वे बोर होने लगते हैं और घर में हुड़दंग मचाना शुरू कर देंते हैं। ...तो क्यों न वीकएंड के लिए आप पहले से ही कुछ फन एक्टिविटीज प्लॉन करके रखें जिसे करने में आपको भी मजा आए और आपके बच्चों को भी।

पेपर प्लेट मास्क-घर पर रखे पेपर प्लेट्स निकालें और साथ ही बच्चों की कैंची भी। बच्चें को उनके पेंट और ब्रश के साथ बिठाएं और देखें की वे अपनी इमेजिनेशन से क्या पेंट करते हैं इन पेपर प्लेट्स पर। पेपर प्लेट्स से फेस मास्क बनाना मजेदार होता है। आप खाली जूस के बॉटल्स और अन्य बॉक्सेसज भी कई चीजे बना सकते हैं।

गाडर्निंग- इससे आपके बच्चों में प्रकृती के प्रति लगाव बढ़ेगा। अपने बच्चों को पेड़ लगाना, बीज बोना सिखाएं। यह न केवल उनके लिए एक लर्निंग एक्सपीरियंस होगा बल्कि वे नेचर के प्रति जिम्मेदार भी बनेंगे।

पिगी बैंक बनाएं- उसे सेविंग करना सिखाएं। घर पर पड़े बड़े बॉक्सेज और जार लेकर आएं और उन्हें इसे अपने मनपसंद तरीके से सजाने को कहें फिर ईनाम के रूप में इन बॉस या जार में कुछ सिक्के डाल दें।

स्टिक पपेट- आइसक्रीम स्टिक्स पर बच्चों को बर्ड्स या एनिमल ड्रॉ करने को कहें और फिर इनका इस्तेमाल बुकमार्क के रूप में भी कर सकते हैं।

वेजिटेबल ड्रॉइंग- भिंडी, प्याज और अन्य सब्जियों के छोटे टुकड़े काटें। इन टुकड़ों को आप अपने बच्चों को पकड़ा दें और फिर उन्हें पेंट कलर्स में डिप करके ड्रॉइंग बनाने को कहें। इससे उन्हें ड्रॉइंग के नए तरीके सीखने को मिलेगा और समय का सही उपयोग भी होगा।

मानसून में ऐसे करें आई केयर

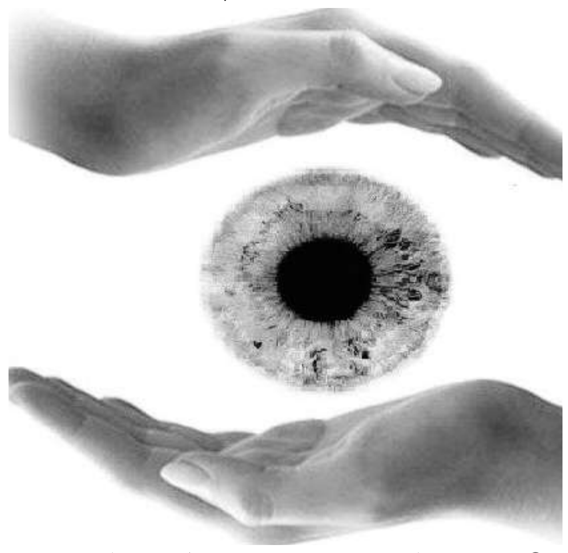

बारिश में आंखों का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। कई बार बारिश के मौसम में आंखों में सूजन, जलन, लाली आदि की समस्या पैदा हो जाती है। इन समस्याओं से बचने के लिए इन बातों का खासतौर पर ध्यान रखें।

गंदे हाथ

गंदे हाथों से आंखों को न छुएं।

ठंडे पानी का इस्तेमाल

आंखों को ठंडे पानी से धोएं।

साबुन से हाथ धोएं

घर में अगर कोई कन्जक्टिवाइटस से पीडित है तो उसकी आंखों में दवा डालने के बाद साबुन से हाथ जरूर धोएं।

ज्यादा परेशानी होने पर विशेषज्ञ से मिलें

आंखों में लाली, खुजली व जलन मानसून से जुड़ी परेशानी है जो ज्यादा किताब पढ़ने, कम्प्यूटर पर घंटों काम करने व ज्यादा टेलीविजन देखने से होती है। यदि ऐसी परेशानी हो तो विशेषज्ञ से मिलें।

आंखों को पोंछने वाले कपड़े को शेयर न करें

अपना तौलिया, रूमाल आदि दूसरों के साथ शेयर न करें।

कॉन्टेक्ट लेंस का प्रयोग नहीं

किसी भी संक्रमण के दौरान कॉन्टेक्ट लेंस का प्रयोग न करें।

मेकअप से दूर रहें

बाहर जाते वक्त चश्मा लगाएं। दिक्कत होने पर आंखों को रगडें नहीं। किसी भी प्रकार का संक्रमण होने पर आंखों का मेकअप न करें।

बिलनी

आंखों का बैक्टीरियल संक्रमण है जो ज्यादातर बारिश के मौसम में होता है। इसमें आंखों की पुतली में पीड़ादायक गठान हो जाती है जो कुछ समय बाद दवा से ठीक हो जाती है।

घरेलू उपायों से निखारें अपनी रंगत

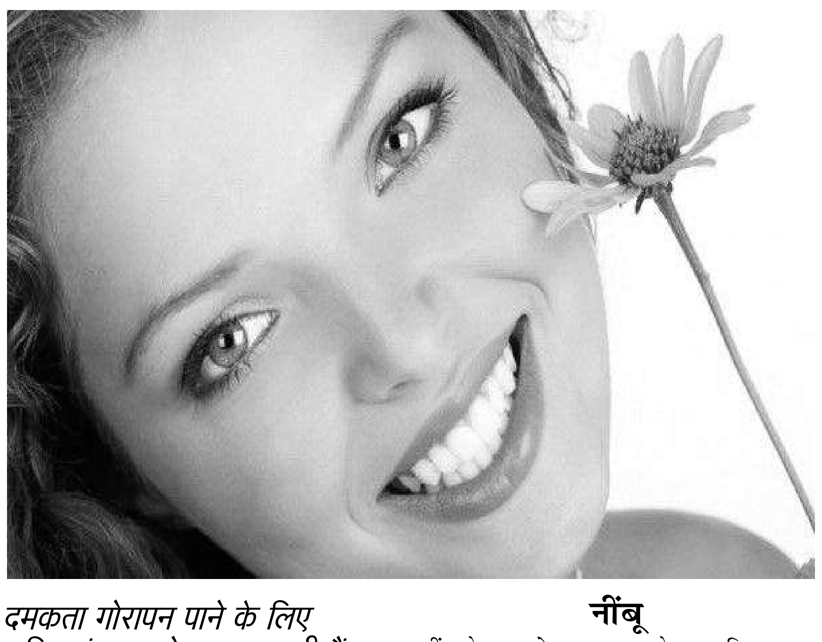

दमकता गोरापन पाने के लिए महिलाएं बहुत से उपाय करती हैं। बाजार में भी गोरा बनाने के लिए ढेरों प्रोडेक्ट उपलब्ध हैं। जिन्हें खरीदने के लिए महिलाएं पानी की तरह पैसा बहाती हैं, लेकिन क्या आप जानती हैं कि कुछ घरेलू तरीके अपनाकर भी आप पा सकती है निखरी त्वचा-

नींबू

नींबू के रस को गुलाब जल के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इससे चेहरे में निखार आएगा। अगर आपके हाथ काले हैं तो सोते वक्त हाथों पर नींबू रगड़े। एक हफ्ते में ही आपको फर्क महसूस होने लगेगा।

शहद

शहद में कच्चा दूध मिलाकर लगाने से चेहरा खुबसूरत और कोमल हो जाता है। इससे फटी हुई स्किन भी सही हो जाती है।

संतरा

संतरे के छिलकों को सुखा लें। फिर उन्हें मिक्सी में पीसकर पाउडर बना लें। इस पाउडर में गुलाब जल, कच्चा दूध और नींबू का रस मिलाकर इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इससे आपकी त्वचा गोरी होने लगेगी।

टमाटर

टमाटर के रस में गुलाब जल और कच्चा दूध मिलाकर लगाएं। इससे कील, मुंहासों से राहत मिलेगी।

खीरा

खीरे के रस को चेहरे पर लगाएं। इससे आपके चेहरे की रंगत निखरने लगेगी। इसके अलावा खीरे को आंखों पर लगाने से डार्क सर्कल भी दूर होते हैं और आंखों को आराम मिलता है।

हल्दी

हल्दी में ताजी मलाई, आटा और कच्चा दूध मिलाकर चेहरे पर लगाएं। फिर 10 मिनट बाद चेहरा धो लें। इससे चेहरे पर निखार आ जाता है।

ब्यूटी और हैल्थ दोनों के लिए प्रभावी मुल्तानी मिट्टी

ब्यूटी और हैल्थ दोनों के लिए मुल्तानी मिट्टी प्रभावी होती है। इसे चेहरे पर लगाने से रंगत निखरती है और बालों में प्रयोग करने से वे घने व मुलायम होते हैं। यह त्वचा संबंधी रोगों को दूर कर ब्लड सर्कुलेशन ठीक करती है।

बालों के लिए

रुखे बालों के लिए चार चम्मच मुल्तानी मिट्टी के साथ 1/4 कप दही, दो चम्मच नींबू रस और दो चम्मच शहद मिलाकर बालों पर लगाएं। बाल मुलायम होंगे। मुल्तानी मिट्टी को चार घंटे तक भिगोकर उसमें रीठा पाउडर मिलाएं। इस पेस्ट को बालों में लगाने से तैलीय बालों की समस्या दूर होती है। नेचुरल कंडिशनिंग के लिए मुल्तानी में छाछ मिलाकर लगाएं। मुल्तानी मिट्टी को बालों में 10 मिनट से ज्यादा ना लगाएं।

गर्मियों में फायदेमंद

सनबर्न होने पर मुल्तानी मिट्टी को गुलाब जल या टमाटर के रस में मिलाकर लगाएं। मुल्तानी मिट्टी का लेप पैरों के तलवों में लगाने से ठंडक मिलती है। इसे नीम की पत्तियों वाले पानी में भिगोकर लेप करने से घमौरियां दूर होती हैं। फोड़े-फुंसियां होने पर इस मिट्टी में कपूर मिलाकर लगाएं। गर्मी में नकसीर की समस्या होने पर एक चौथाई गिलास पानी में रात को 5 चम्मच मुल्तानी मिट्टी भिगो दें। सुबह इसे छानकर नाक पर लेप करने से खून आना बंद हो जाएगा। ड्राई और सेंसटिव स्किन वालों को मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग सप्ताह में एक बार ही करना चाहिए।

तैलीय त्वचा के लिए

ऑयली स्किन वालों के लिए यह फायदेमंद होती है ,क्योंकि यह चेहरे का तेल सोखकर मुंहासे दूर करती है। ऑयली स्किन वाले लोगों को इस मिट्टी में दही व पुदीने की पत्तियों का पाउडर मिलाकर लगाना चाहिए। गुलाब जल व मुल्तानी मिट्टी मिलाकर भी चेहरे पर लगाई जा सकती है। मुंहासे होने पर मिट्टी में सूखी नीम की पत्तियां मिलाकर लगाएं। रुखी त्वचा होने पर इसमें चंदन पाउडर मिलाकर लगाएं। आंखों के नीचे काले घेरे कम करने के लिए खीरे का रस व उबला आलू मुल्तानी मिट्टी में मिलाकर आंखों के नीचे 10-15 मिनट तक लगाएं।

अनुपम खेर की तन्वी द ग्रेट में मेजर श्रीनिवासन का किरदार निभाएंगे अरविंद स्वामी

अभिनेता से निर्देशक बने अनुपम खेर इन दिनों अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' को लेकर लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। फिल्म में लगातार नए-नए एक्टर्स की एंट्री हो रही है। जिनका अनुपम खेर स्वागत कर रहे हैं। इयान ग्लेन, बोमन ईरानी और जैकी श्रॉफ के बाद अब अनुपम खेर की फिल्म में एक और एक्टर की एंट्री हुई है। जिसकी जानकारी अनुपम खेर ने खुद दी है।

अनुपम खेर ने अरविंद स्वामी को बताया भरोसेमंद दोस्त

अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के माध्यम से ये जानकारी दी है कि एक्टर अरविंद स्वामी की फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' में एंट्री हुई है। अरविंद स्वामी फिल्म में मेजर श्रीनिवासन की भूमिका निभाएंगे। अनुपम ने अरविंद स्वामी का पोस्टर शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, पहली बार मैंने अरविंद स्वामी को रोजा में देखा था। मैं इस नए अभिनेता के अभिनय से दंग रह गया। फिर मैंने उन्हें फिल्म बॉम्बे में देखा। मेरे लिए, वह भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में एक शानदार अभिनेता का आगमन था। बहुत सालों बाद में हमने एक फिल्म की 'सात रंग के सपने'। इस फिल्म के दौरान मुझे जीवन भर के लिए सबसे भरोसेमंद और विश्वसनीय दोस्त मिला।

कई सालों तक याद किया जाएगा मेजर श्रीनि का किरदार

निर्देशक अनुपम खेर ने आगे अरविंद स्वामी की भूमिका के बारे में बात करते हुए लिखा, जब मैं 'तन्वी द ग्रेट' के लिए मेजर श्रीनिवासन की भूमिका के लिए किसी अभिनेता को चुनना चाहता था, तो मेरे दिमाग में कोई और नहीं आया। फिल्म में उन्हें मेजर श्रीनि कहा गया है, जो ताकत, साहस और बहादुरी का पावरहाउस है। अरविंद के प्रदर्शन ने मुझे गौरवान्वित महसूस कराया। ठीक वैसे ही जैसे भारतीय सेना हम सभी को सुरक्षित, संरक्षित और प्रतिष्ठित महसूस कराती है। स्वामी आपकी दोस्ती, मुझ पर विश्वास और आपकी प्रतिभा के लिए धन्यवाद। आप न केवल एक बेहतरीन अभिनेता हैं, बल्कि एक बेहतरीन दोस्त भी हैं। मेजर श्रीनि का आपका किरदार आने वाले कई सालों तक याद रखा जाएगा। जय हिंद।

बोमन ईरानी और जैकी श्रॉफ भी निभाएंगे अहम भूमिकाएं

अनुपम खेर द्वारा निर्देशित 'तन्वी द ग्रेट' में शुभांगी दत्त प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। जबकि फिल्म में बोमन ईरानी, जैकी श्रॉफ और गेम ऑफ थ्रोन्स के एक्टर इयान ग्लेन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट का एलान अभी नहीं किया गया है।

राजकुमार राव की पत्नी कहलाना पत्रलेखा को नहीं पसंद

अपनी हालिया रिलीज 'फुले' को लेकर चर्चाओं में रहीं अभिनेत्री पत्रलेखा को अभिनेता राजकुमार राव की पत्नी के नाते ज्यादा पहचाना जाता है। जो कि पत्रलेखा को बिल्कुल भी पसंद नहीं है। खुद पत्रलेखा ने इस बात को स्वीकार किया कि उन्हें राजकुमार राव की पत्नी के नाम से पहचाना जाना बिल्कुल भी पसंद नहीं है।

मेरा एक नाम है अस्तित्व है

बातचीत में अभिनेत्री पत्रलेखा ने इस बारे में बात की। जिसमें उन्होंने शादी के बाद राजकुमार राव की पत्नी के तौर पर अधिक पहचान मिलने से नाराजगी जताई है। अभिनेत्री ने कहा, मुझे इससे वाकई नफरत है और मैं खुद को बहुत छोटा महसूस करती हूं। क्योंकि मेरा एक नाम है। मेरा एक अस्तित्व है। मेरी एक पहचान है। लेकिन एक मशहूर पति की आड़ में ये सबकुछ छुप जाता है।

मेरा संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ

अपने करियर को लेकर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, मेरे करियर में संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है। कई लोगों को लगता है कि मेरा सफर आसान रहा होगा क्योंकि मैं किसी जाने-माने अभिनेता को डेट कर रही थी या अब उससे शादी हो चुकी है। लेकिन ऐसा नहीं है। यदि आप खुद को एक व्यक्ति के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं तो यह कभी भी आसान नहीं होता। अपना खुद का करियर ग्राफ बनाना, यह बहुत कठिन है।

मेकर्स राजकुमार राव को कास्ट करने के इरादे से मेरे पास स्क्रिप्ट लाते हैं

पत्रलेखा ने आगे बताया कि कैसे लोग उनके पास स्क्रिप्ट इसलिए लाते हैं क्योंकि वो राजकुमार राव को फिल्म में लाने में मदद करेंगी। अभिनेत्री ने कहा, लोग अक्सर मेरे पास फिल्म की स्क्रिप्ट लेकर आते हैं, इसलिए नहीं कि वे वाकई मुझे प्रोजेक्ट में चाहते हैं। बल्कि इसलिए कि उन्हें उम्मीद है कि मैं राजकुमार राव के लिए एक पुल का काम करूंगी। मेकर्स अक्सर मेरी प्रतिभा में दिलचस्पी दिखाने के बजाय मेरे पति को कास्ट करने के छिपे हुए इरादे से मेरे पास आते हैं। इस तरह का व्यवहार बेहद अपमानजनक लगता है। यह मेरी गरिमा के खिलाफ है। मैंने हमेशा अपने करियर और राजकुमार के बीच एक लाइन बना रखी है।

मीडिया और इंडस्ट्री से की अपील

पत्रलेखा ने मीडिया और इंडस्ट्री से भी एक अपील की कि उन्हें केवल एक लेबल तक सीमित न रखा जाए। वह कभी भी इस तरह से देखे जाने में सहज महसूस नहीं करेंगी और जब तक संभव हो, इसका विरोध करती रहेंगी।

'फुले' में नजर आई थीं पत्रलेखा

पत्रलेखा हाल ही में 'फुले' फिल्म में नजर आई थीं। यह फिल्म समाज सुधारक ज्योतिराव और सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित है। इससे पहले वो अनुभव सिन्हा की वेब सीरीज 'आईसी 814 कंधार हाईजैक' में एयरहोस्टेस के किरदार में दिखाई दी थीं। पत्रलेखा ने अपने करियर में कई चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए हैं।

फर्जी 2 के लिए शाहिद कपूर ने ली 45 करोड़ रुपए फीस

हिद कपूर पिछली बार पूजा शा हेगड़े कर साथ फिल्म देवा में नजर आए थे, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ कमाल नहीं दिखा सकी। आने वाले समय में शाहिद एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे। इसके अलावा उनके पास वेब सीरीज फर्जी का सीक्वल भी है। अब शाहिद की फीस का खुलासा हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... फर्जी 2 के लिए निर्माताओं की तरफ से शाहिद को 45 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। खास बात यह है कि यह राशि अब तक किसी भी प्रोजेक्टर के लिए मिली शाहिद के करियर की सबसे बड़ी रकम है। फर्जी 2 की कहानी लिखी जा चुकी है। इस साल के अंत तक शाहिद इसकी शूटिंग शुरू कर देंगे। यह सीरीज अगले साल के मध्य तक ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। राज और डीके ने फर्जी 2 के निर्देशन की कमान संभाली है। इसमें शाहिद का सामना विजय सेतुपति और केके मेनन से होगा। बता दें कि फर्जी का पहला भाग साल 2023 में रिलीज हुआ था, जिसे काफी पसंद किया गया। ये एक ग्राफिक आर्टिस्ट सनी की कहानी है, जो अपने दादा की प्रिंटिंग प्रेस को बचाने के लिए नकली नोट छापने की दुनिया में कदम रखता है।

सामंथा ने निर्देशक राज निदिमोरु संग किया रिश्ता कन्फर्म!

सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनका नाम निर्देशक राज निदिमोरू के साथ जोड़ा जा रहा है। इस बीच सामंथा ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें राज निदिमोरु भी नजर आ रहे हैं। इसके बाद से ही यूजर्स का दावा है कि दोनों ने अपने रिश्ते की पुष्टि कर दी है। दरअसल, यह तस्वीरें सामंथा रुथ प्रभु ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। तस्वीरों में राज मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं और एक डॉगी उनके साथ खेल रहा है। जबकि दूसरी तस्वीर में सामंथा और राज एक साथ सेल्फी के लिए पोज देते नजर आ रहे हैं। इसके कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा, 'सफर लंबा था, लेकिन आखिरकार हम यहां तक पहुंच ही गए । एक नई शुरुआत।' सामंथा और राज निदिमोरु साथ में द फैमिली मैन और सिटाडेल- हनी बनी जैसे प्रोजेक्ट्स में काम कर चुके हैं। दोनों को पिकलबॉल टीम चेन्नई सुपर चैंप्स के साथ भी देखा गया था। इसके बाद से ही उनके रिश्ते को लेकर खबरें आने लगी थीं। हालांकि, अब तक दोनों ने इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों फिल्म शुभम का जोर-शोर से प्रमोशन कर रही हैं। यह बतौर प्रोड्यूसर उनकी पहली फिल्म होगी।

ओप्पम के रीमेक के लिए सैफ सीखेंगे कलारीपयट्ट

सैफ अली खान मलयालम की सुपरहिट थ्रिलर फिल्म ओप्पम के हिंदी रीमेक में मुख्य भूमिका निभाएंगे। इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने निर्देशक प्रियदर्शन करेंगे और इसकी शूटिंग इसी साल के अंत तक शुरू होने की संभावना है। फिल्म में सैफ एक नेत्रहीन व्यक्ति का किरदार निभाएंगे और इस भूमिका को प्रामाणिकता देने के लिए वह पारंपरिक भारतीय मार्शल आर्ट कलारीपयडू भी सीखेंगे।

सैफ की यह ट्रेनिंग इस चुनौतीपूर्ण भूमिका के प्रति उनकी कमिटमेंट को दर्शाता है, जिसमें फिजिकल स्किल और इमोशनल इंटेंसिटी दोनों की जरूरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार सैफ, राहुल ढोलकिया की फिल्म पूरी करने के बाद दो महीने का ब्रेक लेंगे। इस इस दौरान वह नेत्रहीन व्यक्ति का किरदार निभाने की तैयारी के लिए वर्कशॉप में भाग लेंगे। इसके बाद, वह कलारीपयडू सीखने के लिए केरल जाएंगे, क्योंकि उनका किरदार एक कुशल मार्शल आर्टिस्ट का है। मूल फिल्म ओप्पम में मोहनलाल का किरदार अपनी तेज सूंघने, सुनने और छूने की क्षमता के जरिए रहस्य को सुलझाता है और सैफ भी हिंदी रीमेक में उसी परफेक्शन को लाने के लिए कमिटेड हैं। वह इसमें इंटेंस एक्शन सीक्वेंस करते दिखेंगे।

ओप्पम जयरामन नाम के शख्स की कहानी बताती है, जो नेत्रहीन है और एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की बेटी की रक्षा करता है, जिसकी हत्या उस व्यक्ति ने की है जिसे न्यायाधीश ने एक जुर्म के लिए सजा सुनाई थी। हिंदी रीमेक का निर्देशन करने के साथ ही प्रियदर्शन इसकी राइटिंग भी कर रहे हैं।

वीरता की गाथा के साथ बड़ा मैसेज भी देगी केसरी वीर, इतिहास के सबसे अहम अध्याय को समर्पित

जल्द ही प्रिंस धीमान निर्देशित फिल्म 'केसरी वीर' में सुनील शेट्टी एक योद्धा का किरदार निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म सोमनाथ मंदिर पर हुए हमले की एक ऐतिहासिक कहानी कहेगी। कैसे कुछ योद्धाओं ने सोमनाथ मंदिर की रक्षा की थी, यही फिल्म की कहानी है। यह पहली बार नहीं है कि सुनील शेट्टी किसी एक्शन फिल्म कर हिस्सा बन रहे हों, वह अपने करियर में कई एक्शन फिल्म कर चुके हैं।

आपका किरदार इतिहास से है। इसके लुक पर क्या सावधानियां रखीं?

वेगड़ा जी शिव भक्त योद्धा हैं, जिनके रुद्राक्ष, माला, केश, दाढ़ी और खास वेशभूषा उनकी पहचान हैं। पूरी फिल्म में एक ही कपड़े पहने यह किरदार आम शिवभक्त या भील राजा जैसा दिखता है। पिता के रूप में नियंत्रित, पर मुगलों के खिलाफ आक्रामक योद्धा के रूप में नजर आता है।

कहीं से कोई किरदार था, जिससे इत्पायर होकर इसे आपने निभाया?

हमने महाभारत के शूरवीरों से प्रेरित होकर भी वेगड़ा जी का किरदार डिजाइन किया है। क्लाइमैक्स में वह कालजयी रूप लेता है। वरना पूरी फिल्म में नियंत्रित दिखने वाला यह किरदार, अंत में अपने गुस्से के विस्फोट से सुनील शेट्टी नहीं, सिर्फ वेगड़ा जी के रूप में ही पहचाना जाएगा।

क्या यह भी जेहन में था कि इसका स्केल बहुत बड़ा रखा जाए?

बजट की कमी के बावजूद, हमने प्रामाणिक कैमरा वर्क, कॉस्ट्यूम, बैकग्राउंड स्कोर और शूटिंग से स्केल बनाए रखा। फिल्मसिटी के जंगलों को वॉर जोन जैसा बनाकर, कंकड़-पत्थरों और पेड़ों के बीच असली एक्शन सीक्वेंस शूट किए गए हैं। इसका मकसद वेगड़ा जी और हमीरजी गोहिल के वास्तविक गोरिल्ला युद्ध शैली को दिखाना है, जैसे उन्होंने विदेशी आक्रमणकारियों का सामना किया था। हमने जंगलों को जस का तस रखा।

शांत रोल्स के विपरीत, वेगड़ा के ललकार वाले सीन में आपने क्या सोचा था?

करो या मरो वाली स्थिति में गुस्सा स्वाभाविक है, जैसा बॉर्डर में भी था। मौत के तांडव में इंसान का आक्रामक रूप दिखता ही है। वेगड़ा जी की जगह खुद को रखकर, दुश्मन को मारने के सिवा कोई और विकल्प नहीं सूझा। एक्शन के साथ आंखों में गुस्सा लाना जरूरी था। डबिंग में आंसू थे, क्योंकि पिता अपनी बेटी को कुछ न दे पाने की हालत में जान तक देने को तैयार था।

क्या फिल्म में कोई मैसेज भी है?

हमारी फिल्म का यही संदेश है कि हमें बंटना नहीं है, एकजुट रहना है क्योंकि उस दौर में वेगड़ा जी जैसे वफादार योद्धा तो थे लेकिन कई राजा दुश्मनों से मिल गए और उनके मुखबिर बन गए, जिसका नतीजा सबको पता है।

नैरटिव की ऐतिहासिक सटीकता कितनी है?

हमारे डायरेक्टर प्रिंस धीमान बहुत सच्चे रहे हैं, हर पहलू को लेकर। सोमनाथ मंदिर पर दर्जन भर से ज्यादा बार हमले हुए। उसमें से जो चौथी बार का हमला था, हमारी कहानी उस बारे में है। युद्ध के स्केल को बड़ा दिखाने के लिए जरूर क्रिएटिव कोशिशें हुई हैं, मगर जो वेगड़ा जी का अपनी बेटी के प्रति एक बेपनाह प्यार था, वह बिल्कुल सच्चा रखा गया है।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009